THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 214 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.8, 2079 मंगलवार, 18 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

टारगेट किलिंग पर खफा फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने घाटी में हुई कश्मीर पंडित की हत्या को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है।

उन्होंने पार्टी के बिना नाम लेते हुए कहा कि वो कहते थे कि अनुच्छेद 370 के कारण ऐसी हत्याएं होती हैं, लेकिन अब तो इसे हटा दिया गया है, तो अब हत्याएं क्यों हो रही हैं। इसका जिम्मेदार कौन है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर में हालात बेहतर का भाजपा सरकार दावे करती है, लेकिन यह हालात बेहतर हैं कहां। अगर हालात ठीक हैं तो कश्मीरी पंडित की हत्या क्यों हुई। ये बातें उन्होंने जम्मू संभाग के जिला रियासी दौरे के दौरान मीडिया से रूबरू होते हुए कहीं।

किसान योजना की 12वीं किस्त जारी

पीएम मोदी ने किसानों के खातों में 2-2 हजार रु. ट्रांसफर किए, भारत ब्रांड यूरिया भी लॉन्च

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 12वीं किस्त जारी की। इसके तहत 8 करोड़ से ज्यादा किसानों के खातों में 16,000 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। इस योजना के तहत किसानों के खाते में एक साल में 2-2 हजार रुपए की तीन किश्त जारी की जाती हैं। पीएम मोदी ने नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 का उद्घाटन भी किया। इसमें एग्रीकल्चर स्टार्टअप कॉन्क्लेव और प्रदर्शनी लगाई गई है। लगभग 300 स्टार्टअप्स ने प्रिसिशन फार्मिंग से संबंधित अपने इनोवेशन का प्रदर्शन किया है।

600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र खुले

पीएम मोदी ने रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत 600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों का शुभारंभ भी किया। इसके तहत, किसानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए देश में 3.3 लाख से ज्यादा रिटेल फर्टिलाइजर दुकानों को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों में बदला जाएगा। पीएम किसान सम्मान सम्मेलन में प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना - एक राष्ट्र एक उर्वरक का शुभारंभ भी किया। इस योजना के तहत, प्रधानमंत्री ने भारत यूरिया बैग लॉन्च किया, जो कंपनियों को सिंगल ब्रांड नाम "भारत" के तहत फर्टिलाइजर की मार्केटिंग में मदद करेगा।

ई-पत्रिका 'इंडियन एज' लॉन्च

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने फर्टिलाइजर पर एक ई-पत्रिका 'इंडियन एज' का भी शुभारंभ किया। यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उर्वरक परिदृश्यों के बारे में जानकारी देगी। इसमें हालिया डेवलपमेंट, प्राइस ट्रेंड एनालिसिस, उपलब्धता और खपत, किसानों की सफलता की कहानियां शामिल हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय उर्वरक और रसायन मंत्री मनसुख मंडाविया भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 के आयोजन का उद्देश्य देश भर के 13,500 से अधिक किसानों और लगभग 1,500 कृषि स्टार्टअप को एक साथ लाना है। आज देश में 600 से ज्यादा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों की शुरुआत हो रही है। ये किसान की हर आवश्यकता में मदद करने वाला केंद्र है।ये ऐसे केंद्र होंगे जहां खिर्फ खाद ही नहीं मिलेगी, बल्कि बीज, उपकरण, मिट्टी की टेस्टिंग, हर प्रकार की जानकारी जो भी किसान को चाहिए, वो इन केंद्रों पर एक ही जगह मिलेगी।

पीएम मोदी ने खाद्य तेल-उर्वरक के उच्च आयात बिल पर जताई चिंता, आत्मनिर्भर भारत पर दिया जोर

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कृषि क्षेत्र से जुड़ी हुई कई परियोजनाओं को वर्चुअल माध्यम से शुरू किया। इस मौके पर उन्होंने आत्मनिर्भर भारत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिशन मोड में काम करने का समय है। इस दौरान पीएम मोदी ने खाद्य तेल और उर्वरक आयात के उच्च बिल पर चिंता व्यक्त करते हुए आयात पर निर्भरता कम करने की भी अपील की।

आत्मनिर्भर भारत पर दिया जोर

आत्मनिर्भर भारत की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर बनना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि निर्यातक देशों की समस्याओं ने सीधे भारत के लिए आयात की कीमतों को प्रभावित किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण बढ़ी कीमतें भी इसका उदाहरण हैं। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आयातित खाद्य तेल और उर्वरकों और यहां तक कि कच्चे तेल पर निर्भरता को यथासंभव कम करना महत्वपूर्ण है।

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय किसानों ने 2015 में दालों का उत्पादन बढ़ाने के उनके आह्वान पर अमल किया। जिसके चलते हाल के वर्षों में उत्पादन में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके कारण आयात पर निर्भरता कम हुई है।

गौरतलब है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत का वनस्पति तेल आयात सालाना आधार पर 70.72 प्रतिशत बढ़कर 18.93 अरब डॉलर हो गया। 2021-22 में, भारत ने 160.68 बिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य के पेट्रोलियम और कच्चे तेल और उत्पादों का आयात किया था, जो लगभग 94 प्रतिशत अधिक था।

कश्मीर में हुर्रियत कार्यालय में की तोड़फोड़

श्रीनगर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर में हाल में हुई मासूमों की हत्या से नाराज कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर शहर में अलगाववादी हुर्रियत सम्मेलन के कार्यालय को क्षतिग्रस्त कर दिया। अलगाववादी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के राजबाग मोहल्ले के कार्यालय के बाहर सामाजिक कार्यकर्ताओं का एक समूह जमा हो गया। हाल की हत्याओं से नाराज कार्यकर्ताओं के समूह ने संवाददाताओं से कहा कि हुर्रियत नेताओं ने पिछले 30 वर्षों से लोगों को धोखा दिया है और वे कश्मीर में निर्दोष लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। कार्यकर्ताओं के समूह ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के कार्यालय बोर्ड को उतार कर नीचे फेंक दिया। हुर्रियत सम्मेलन अलगाववादी दलों का एक समूह है जो कश्मीर को भारत से अलग करने के लिए खड़ा है। आपस में, हुर्रियत नेता इस बात को लेकर बंटे हुए हैं कि वे स्वतंत्र राज्य चाहते हैं या पाकिस्तान में विलय।

मल्लिकार्जुन खड़गे या शशि थरूर? कांग्रेस अध्यक्ष के लिए हुई 90% वोटिंग

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सोमवार को वोटिंग संपन्न हो चुकी है। कुल 90 फीसदी वोटिंग हुई है। 19 अक्टूबर को वोटों की गिनती की जाएगी। पार्टी के नेता किसको नए अध्यक्ष के रूप में देखना चाहते हैं, इस पर वह अपनी मुहर आज लगा चुके हैं। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी वोट डाल दिया है। सोनिया गांधी ने कहा कि इस दिन का लंबे समय से इंतजार था।

कांग्रेस के 137 सालों के इतिहास में छठी बार अध्यक्ष पद का चुनाव हो रहा है। इस चुनाव के साथ ही अब 22 सालों के बाद ये पहला मौका होगा जब गांधी परिवार के बाहर का कोई व्यक्ति कांग्रेस का अध्यक्ष बनेगा। बेंगलुरु में वोटिंग के दौरान कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि पार्टी के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। आज यहां 490 लोगों ने मतदान किया। वोटिंग पारदर्शी तरीके से हो रही है और इससे देश को फायदा होगा। वहीं, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने भी इसे ऐतिहासिक दिन बताया है और कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव 22 साल बाद हो रहा है। यह चुनाव पार्टी में आंतरिक सद्भाव का संदेश देता है।

गांधी परिवार से मेरे संबंध 19 अक्टूबर (मतगणना के दिन) के बाद भी ऐसी ही रहेंगे। एक तरफ मल्लिकार्जुन खड़गे हैं, जो पार्टी के दिग्गज नेता हैं और पार्टी नेतृत्व के काफी करीब भी हैं। ऐसे में उन्हें अनौपचारिक आधिकारिक उम्मीदवार के तौर पर समर्थन के साथ जोरदार जीत हासिल करने का भरोसा है। दूसरी तरफ शशि थरूर हैं, जिन्हें उस खेमे का छिपा हुए या कहिए की एक साइलेंट समर्थन प्राप्त है, जो पार्टी में बदलाव के लिए तरस रहे हैं। दोनों उम्मीदवारों के लिए यह दौड़ बेहद उत्साही और व्यस्त रही। राज्यों के दौरे कर पार्टी नेताओं से मुलाकात, सोशल मीडिया प्रचार, घोषणापत्र, मीडिया इंटरेक्शन, इंटरव्यू, इन 10 दिनों में दोनों नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी।

चंद्रचूड़ होंगे देश के 50वें सीजेआई

पिता के बाद बेटे का भी सीजेआई बनना बिरला उदाहरण

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। जस्टिस धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ देश के 50 वें प्रधान न्यायाधीश सीजेआई होंगे। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित ने आज सरकार को चंद्रचूड़ का नाम अपने उत्तराधिकारी के रूप में भेज दिया। सीजेआई ललित अगले माह सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सीजेआई यूयू ललित ने आज सुबह 10.15 बजे सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों को जजेस लाउंज में आमंत्रित किया और अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस चंद्रचूड़ के नाम की सिफारिश की जानकारी दी। उन्होंने सरकार को भेजे पत्र की प्रतिलिपि जस्टिस चंद्रचूड़ को सौंपी। सरकार ने 7 अक्तूबर को सीजेआई ललित को पत्र लिखकर अपने उत्तराधिकारी की सिफारिश करने का अनुरोध किया था। जस्टिस चंद्रचूड़ 9 नवंबर 2022 को पदभार संभालेंगे। वरिष्ठता सूची के अनुसार जस्टिस चंद्रचूड़ मौजूदा सीजेआई ललित के बाद सबसे वरिष्ठ हैं, इसलिए तय परंपरा के अनुसार उन्हीं के नाम की सिफारिश की गई।

टेरर फंडिंग जुटाने में लगा आतंकी संगठन लिट्टे

कई जगह हथियारों की अवैध फैक्ट्री बनाई; एनआईए को मिले अहम सबूत

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीलंका में वित्तीय संकट के बाद आतंकी संगठन लिट्टे तमिलनाडु में अपनी पैठ मजबूत करने में जुटा है। इसके लिए उसने तमिलनाडु में कई जगह हथियारों की अवैध फैक्ट्री बनाए हैं। जांच एजेंसियों को इस मामले में अहम इनपुट हाथ लगे हैं। अब टेरर फंडिंग के लिए लिट्टे तमिलनाडु के कई बड़े राजनेताओं और बिजनेसमैन को टारगेट बनाने की फिराक में है।

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने इसे लेकर ही बीते दिनों कई जगहों पर छापेमारी की गई थी। सूत्रों के मुताबिक, तमिलनाडु पुलिस ने 19 मई को सलेम जिले के सेवापेट से 2 युवकों नवीन मुत्थू और संजय प्रकाश को पकड़ा था। इनके पास से दो पिस्तौल, गन पाउडर, हथियार व विस्फोटक बनाने का सामान बरामद किया था। जांच में पता चला कि दोनों ही युवक आतंकी संगठन लिट्टे के लिए काम कर रहे थे। इसके बाद मामला एनआईए को सौंपा गया। एनआईए ने 25 जुलाई को दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की थी।

लिट्टे के ऑपरेशन्स का खुलासा

जब एनआईए ने दोनों से पूछताछ की तो लिट्टे के मंसूबों की जानकारी मिली। पता चला है कि श्रीलंका में वित्तीय संकट खड़ा होने के बाद लिट्टे ने अपने ऑपरेशन्स भारत में शिफ्ट कर लिए हैं। पहले जो हथियार सीमापार श्रीलंका में बनाए जाते थे, वे अब लोकल लोगों की

मदद से तमिलनाडु में बनाए जा रहे हैं।

आतंकियों के पास जंगल सर्वाइवल किट

तमिलनाडु में छापेमारी के दौरान जंगल सर्वाइवल किट्स और जंगली बीज से तैयार होने वाला जहर भी मिला। लिट्टे अपने सदस्यों को जंगल में जीवित रहने की ट्रेनिंग दे रहा है। खास बीजों से बना जहर भी दिया जाता है। ताकि अगर किसी भी वजह से लिट्टे के सदस्य पुलिस या सुरक्षा जांच एजेंसी के हत्थे चढ़ जाते हैं तो वे इसे खाकर अपनी जान दे सकें। लिट्टे तमिलनाडु में अपनी जड़े मजबूत करने के लिए एक खास तरह के ब्लूप्रिंट पर काम कर रहा है। लिट्टे के इस मॉड्यूल को भेदने के लिए एनआईए ने तमिलनाडु के सलेम और शिवागंगई में कई जगह छापेमारी की थी।

सारे केस फर्जी, मुझ पर आप छोड़ने का दबाव : सिसोदिया

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में शराब नीति को लेकर केजरीवाल सरकार मुश्किलों में घिरी है। सोमवार को सीबीआई ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया पूछताछ के लिए तलब किया। यहां उनसे जांच एजेंसी के दफ्तर में 9 घंटे तक पूछताछ की गई। इससे पहले सिसोदिया आप के दफ्तर गए, उसके बाद पार्टी नेताओं के साथ महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट पहुंचे। वहीं, दिल्ली पुलिस ने धारा 144 का उल्लंघन करने पर आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह और अन्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। ये सभी लोग सीबीआई मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि निषेधाज्ञा के कथित उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया है। सिसोदिया ने कहा कि मुझ पर आप छोड़ने का दबाव बनाया गया। >14

पिछले दो दशकों में कम हुई आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की खाई : राजनाथ

अहमदाबाद , 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पिछले दो दशकों में आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की खाई कम हुई है। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्र मीडिया, न्यायपालिका, गैर सरकारी संगठनों और गतिशील लोकतंत्र का दुरुपयोग इस सुरक्षा को नष्ट करने के लिए किया जा सकता है।

राजनाथ सिंह गुजरात के गांधीनगर जिले के लवड गांव में स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने राज्य की एजेंसियों को एक साथ काम करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ सुरक्षा के आयामों में जबरदस्त बदलाव आया है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा, आमतौर पर हम सुरक्षा को दो पहलुओं में देखते हैं - आंतरिक और बाहरी। लेकिन बीते दो दशकों में यह देखा गया है कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच खाई कम हो रही है। उन्होंने आगे

कहा, एक हाइब्रिड वार (युद्ध) में आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच की रेखा करीब-करीब गायब हो जाती है। किसी देश की सुरक्षा को खत्म करने के लिए काम करने वाली ताकतें सोशल मीडिया, गैर सरकारी संगठनों, न्यायपालिका और लोकतंत्र का दुरुपयोग कर सकती हैं।

'दुष्प्रचार के लिए स्वतंत्र मीडिया का हो सकता है इस्तेमाल'

सिंह ने कहा, एक स्वतंत्र सोशल मीडिया इस्तेमाल व्यवस्थित ढंच से दुष्प्रचार के लिए किया जा सकता है।

सोशल मीडिया की स्वतंत्रता खराब नहीं है, सोशल मीडिया को स्वतंत्र होना चाहिए, लेकिन अगर सोशल मीडिया स्वतंत्र होगा, तो इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है..अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर खतरनाक मंसूबों को प्रचारित किया जा सकता है।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा, पहले सोमनाथ फिर केदारनाथ, "अयोध्या, काशी और अब महाकाल का बदलता स्वरूप देश के सांस्कृति पुनर्जागरण की मिसाल है। महात्मा गांधी ने देश के करोड़ों लोगों को आजादी के आंदोलन से जोड़ा। (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी ने देश के विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण से देश के आम लोगों को जोड़ा।"

भारत में अत्यधिक संक्रामक नए ओमिक्रॉन सब वेरिएंट बीएफ.7 का पता चला, बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक तरफ जहां ताजा कोविड मामलों में गिरावट दर्ज की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ अब एक और खतरा मंडरा रहा है। एक नया ओमिक्रॉन सब वेरिएंट देश में एक नया खतरा पैदा कर रहा है। कुछ रिपोर्टें के अनुसार, गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर द्वारा बीएफ.7 के पहले मामले का पता लगाया गया है। यह नया ओमिक्रॉन वेरिएंट भी अत्यधिक संक्रामक माना जाता है और इसमें अधिक संचरण क्षमता होती है। चीन में मंगोलिया के एक क्षेत्र से उभरने के बाद ओमिक्रॉन सब-वेरिएंट 'बीए.5.1.7 और बीएफ.7' अब अन्य भागों में अपना रास्ता बना रहे हैं और नए खतरे पैदा कर रहे हैं। कथित तौर पर, ओमिक्रॉन वेरिएंट बीएफ.7 और बीए.5.1.7 चीन में कोविड -19 मामलों में हालिया उछाल के लिए जिम्मेदार हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने आगामी त्योहारी सीजन से पहले एहतियात और कोविड के उचित व्यवहार की सलाह दी है।

ऐसा किया तो भारत होगा अल्पसंख्यकों का देश... एससी ने खारिज की स्मार्त ब्राह्मणों की याचिका

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में रहने वाले स्मार्त ब्राह्मणों को अल्पसंख्यक का दर्जा देने से इनकार कर दिया। इस संबंध में दायर की गई याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें कहा गया है कि स्मार्त ब्राह्मण धार्मिक संप्रदाय नहीं हैं और इसलिए उन्हें अल्पसंख्यक का दर्जा नहीं दिया जा सकता है।

न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट की पीठ ने कहा कि बहुत से लोग अद्वैत दर्शन का पालन करते हैं। ऐसे में अगर हम स्मार्त ब्राह्मणों को अल्पसंख्यक का दर्जा देते हैं तो उस स्थिति में हमारे पास अल्पसंख्यकों का देश होगा।

इससे पहले मामले की सुनवाई करते हुए मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि स्मार्त ब्राह्मण भारत के संविधान के अनुच्छेद 26 (धार्मिक मामलों के प्रबंधन की स्वतंत्रता) के तहत लाभ के हकदार नहीं हैं।

कोर्ट ने कहा था कि यह स्पष्ट है कि स्मार्त ब्राह्मणों या किसी अन्य नाम से कोई सामान्य संगठन नहीं है। यह केवल एक जाति या समुदाय है जिसमें कोई विशेष विशेषता नहीं है जो उन्हें विशेष रूप से तमिलनाडु राज्य के अन्य ब्राह्मणों से अलग करती है। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि स्मार्त ब्राह्मण खुद को एक धार्मिक संप्रदाय नहीं कह सकते हैं। नतीजतन, वे भारत के संविधान के अनुच्छेद 26 के तहत लाभों के हकदार नहीं हैं।

आरबीआई व सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से दाखिल एक मामले में आरबीआई ओर सीबीआई को नोटिस जारी किया है। स्वामी ने याचिका दाखिल कर बैंक ऋण धोखाधड़ी मामलों में आरबीआई के नामित निदेशक की कथित भूमिका की सीबीआई जांच की मांग की थी। स्वामी ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर कर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधिकारियों के खिलाफ बैंक घोटालों में कथित संलिप्तता के लिए उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। उन्होंने जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी से जांच कराने की मांग की थी। पिछले वर्ष अधिवक्ता एमआर वेंकटेश और अधिवक्ता सत्यपाल सभरवाल के माध्यम से दाखिल जनहित याचिका में कहा गया था कि पिछले कुछ वर्षों में बैंक धोखाधड़ी के कई मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन आरबीआई के किसी भी अधिकारी को घोटालों का पता लगाने में विफल रहने के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। >14

ममता बनर्जी की पीएम मोदी से अपील

सौरव गांगुली को आईसीसी चुनाव लड़ने की अनुमति दें

किसी राजनीतिक दल के सदस्य नहीं हैं, लेकिन एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक अपील की है। उन्होंने पीएम मोदी से अपील की है कि वह बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को आईसीसी का चुनाव लड़ने की अनुमति प्रदान कराने में मदद करें। ममता बनर्जी ने कहा कि सौरव गांगुली एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं और इसी कारण उन्हें चुनाव लड़ने से वंचित किया जा रहा है।

ममता बनर्जी ने पीएम नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा, मैं पीएम से अनुरोध करतीं हूं कि यह सुनिश्चित करें कि सौरव गांगुली को आईसीसी चुनाव लड़ने की अनुमति दी जानी चाहिए। वह एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं, इसलिए उन्हें चुनाव लड़ने से वंचित किया जा रहा है। भारत सरकार से अनुरोध है कि राजनीतिक रूप से निर्णय न लें बल्कि क्रिकेट, खेल के लिए निर्णय लें। वह राजनीतिक दल के सदस्य नहीं हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि सौरव गांगुली एक कुशल प्रशासक थे। उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे नहीं पता कि किस कारण से अमित शाह का बेटा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में बना हुआ है, लेकिन सौरव गांगुली को हटा दिया गया है। ममता बनर्जी ने पूछा कि आखिर इरादा क्या है? हम जानना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि सौरव गांगुली को उनके हटाने के लिए एकमात्र तरीका उन्हें आईसीसी में भेजकर मुआवजा दिया जा सकता है। उन्होंने पीएम मोदी से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि सौरव गांगुली को आईसीसी में भेजा जाए। उन्होंने कहा, उन्हें वंचित (आईसीसी का चुनाव लड़ने से) किया जा रहा है। हमें उन पर गर्व है।

राज्यपाल ने दी मंत्रियों को चेतावनी

तिरुवनंतपुरम, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि कोई भी मंत्री यदि राजभवन के खिलाफ अनाप-शनाप बयानबाजी करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजभवन की गरिमा कम नहीं होनी चाहिए। बता दें कि केरल विधानसभा द्वारा पारित लोकायुक्त, विश्वविद्यालय कानून संशोधन विधेयकों और राज्य के विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों जैसे कुछ विवादास्पद कानूनों पर हस्ताक्षर करने को लेकर खान और सत्तारूढ़ वाम मोर्चा कुछ समय से आमने-सामने हैं। कई वामपंथी मंत्री कहते रहे हैं कि राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के अनुसार कार्य करने के लिए बाध्य हैं और बिना हस्ताक्षर किए या उन्हें वापस भेजे बिना अनिश्चित काल तक विधेयकों को रोक नहीं सकते। कुछ वामपंथी नेताओं और मंत्रियों ने आरोप लगाया था कि खान भाजपा और आरएसएस के इशारे पर राज्य में संवैधानिक संकट पैदा कर रहे थे और केरल में बाद की नीतियों को लागू करने की कोशिश कर रहे थे।

स्वाति मालीवाल के घर पर हमला

गाड़ियों में की गई तोड़फोड़, हमले के समय घर पर नहीं थीं डीसीडब्ल्यू प्रमुख

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के घर के बाहर सोमवार को हमला हुआ है। जिसमें उनकी कारों में तोड़फोड़ की गई है। गाड़ियों के शीशे चकनाचूर कर दिए गए हैं। इसकी जानकारी खुद स्वाति मालीवाल ट्वीट कर दी है। राहत की बात ये है कि इस हमले में स्वाती मालीवाल और उनके परिवार के लोग सुरक्षित हैं। डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सोमवार की सुबह बताया कि अभी कुछ देर पहले मेरे घर पर कोई हमलावर घुस आया और उसने हमला किया। मेरी और मेरी मां की गाड़ी बुरी तरह से तोड़ दी और घर में घुसने की कोशिश की। शुक्र है मैं और मेरी मां दोनों घर पे नहीं थे, वरना पता नहीं क्या होता! कुछ भी करलो, मैं डरूंगी नहीं। स्वाति मालीवाल ने कहा कि वे दिल्ली पुलिस में मामले की शिकायत कर रही हैं। बता दें कि कुछ दिन पहले ही स्वाति मालीवाल ने बताया था कि उन्हें सोशल मीडिया पर दुष्कर्म की धमकियां मिल रही हैं। स्वाति मालीवाल का आरोप है कि जब से उन्होंने फिल्म प्रोड्यूसर और बिग बास प्रतिभागी साजिद खान के खिलाफ आवाज उठाई है, तब से उन्हें विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर धमकियां दी जा रही हैं।

मंदसौर में नाव पलटने से 5 लोगों की मौत

मंदसौर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में नाव पलट जाने से पांच महिलाओं की मौत हो गई है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मृतकों के परिजनों को प्रशासन ने चार-चार लाख रुपये की आर्थिक मदद का ऐलान किया है। मिली जानकारी के अनुसार शामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम तोलाखेड़ी की महिलाएं मजदूरी करने गांधी सागर जलाशय के बैकवाटर को पार कर खेतों में गई थी। जब शाम को वापस लौट रही थी तभी उनकी नाव असंतुलित होकर पलट गई। इसमे सवार पांच महिलाएं, एक बालिका व एक पुरुष नदी में डूब गए। इनमें से बालिका रानू गायरी, भैरुलाल तैरकर बाहर निकल आए जबकि पांच महिलाएं लापता हैं। कलेक्टर गौतम सिंह ने बताया है कि सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के गांव तोलाखेड़ी गांव में पानी में पांच लोग डूबे थे।

ज्योति जगताप को जमानत से इनकार

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एनआईए के केस को माना सही

मुंबई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आज एक्टिविस्ट ज्योति जगताप को जमानत देने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि एलगार परिषद-माओवादी लिंक मामले में एनआईए द्वारा उसके खिलाफ दायर केस प्रथम दृष्ट्या सही प्रतीत होता है। एनआईए ने आरोप लगाया है कि जगताप प्रतिबंधित संगठन भाकपा की गतिविधियों का देश के शहरी क्षेत्रों में विस्तार करने में जुटी थी। एलगार परिषद का आयोजन 31 दिसंबर 2017 को पुणे में हुआ था। इसका मकसद सरकार का विरोध करना और उसके खिलाफ नफरत फैलाना था। जगताप पर परिषद के सम्मेलन के लिए दलितों को उकसाने व उन्हें एकत्रित करने का भी आरोप है।

बॉम्बे हाईकोर्ट की डबल बेंच के जस्टिस एएस गडकरी और एमएन जाधव ने 34 वर्षीय ज्योति जगताप की अपील खारिज कर दी। जगताप ने फरवरी 2022 में एनआईए की विशेष कोर्ट द्वारा उसे जमानत देने से इनकार करने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने कहा, 'हमारी राय में एनआईए का केस प्रथम दृष्ट्या सही लगता है। इसलिए यह अपील खारिज की जाती है।'

सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया था

ज्योति जगताप को एलगार परिषद के पुणे सम्मेलन में भड़काऊ नारे लगाने और गाने के आरोप में सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया गया था। वह तब से मुंबई की भायखला महिला जेल में बंद है। एनआईए के जांचकर्ताओं के अनुसार 31 दिसंबर, 2017 को एलगार परिषद के सम्मेलन में भड़काऊ भाषण दिए गए थे। इसके बाद 1 जनवरी, 2018 को महाराष्ट्र के पुणे जिले के कोरेगांव-भीमा में हिंसा हुई थी। पुणे पुलिस ने आरंभिक जांच में दावा किया था कि इस सम्मेलन को नक्सलियों का समर्थन था। मामले की जांच बाद में एनआईए ने अपने हाथ में ले ली थी। एनआईए के मुताबिक कबीर कला मंच प्रतिबंधित आतंकी संगठन भाकपा (माओवादी) का अग्रणी समूह है।

जगताप ने बताया खुद को निर्दोष गायिका और एक्टिविस्ट जगताप ने दावा किया कि वह निर्दोष है। एनआईए उसके खिलाफ कोई भी सबूत पेश करने में विफल रही है। वहीं, केंद्रीय जांच एजेंसी एनआई ने दावा किया है कि आरोपी भाकपा (माओवादी) की सक्रिय सदस्य थी और वह शहरी क्षेत्रों में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह की गतिविधियों को फैला रही थी। उसने हथियारों और विस्फोटकों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण लिया था। जगताप ने दलील दी थी कि कबीर कला मंच एक सांस्कृतिक समूह था, जिसने संगीत और कविता के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव और धर्मनिरपेक्षता के प्रसार का प्रयास किया था।

16 आरोपियों में से एक की मौत, दो जमानत पर

एलगार परिषद मामले में गिरफ्तार किए गए 16 लोगों में से फादर स्टेन स्वामी की पिछले साल मुंबई के एक निजी अस्पताल में न्यायिक हिरासत में मौत हो गई थी। दो अन्य आरोपी सुधा भारद्वाज और वरवर राव को जमानत मिल चुकी है, अन्य सभी आरोपी जेल में बंद हैं।

राहुल गांधी की अपील के बाद घायल हाथी और उसके बच्चे का हुआ इलाज

स्वस्थ होने पर जंगल में छोड़ा

मैसूर , 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा आग्रह किए जाने के बाद नागरहोल टाइगर रिजर्व में गंभीर रूप से घायल हाथी और उसके बच्चे को इलाज के बाद वापस जंगल छोड़ दिया है। हाल ही में राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को पत्र लिखकर नागरहोल टाइगर रिजर्व में गंभीर रूप से घायल हाथी और उसके बच्चे का इलाज कराने का आग्रह किया है। इस पर सीएम ने संज्ञान लिया था।

नागरहोल टाइगर रिजर्व के उप संरक्षक हर्षकुमार चिक्कनरागुंड ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए हाथी और उसके बच्चे को ट्रैक किया गया और उनका इलाज किया गया। इलाज के बाद, उन्हें निगरानी में रखा गया था, अधिकारी ने कहा कि दोनों को अब जंगलों में छोड़ दिया गया हैं। बोम्मई को लिखे अपने पत्र में, राहुल गांधी ने कहा था, कांग्रेस अध्यक्ष और मैंने नागरहोल टाइगर रिजर्व का दौरा किया, जहां हमने एक घायल हाथी के बच्चे को उसकी मां के साथ दर्दनाक स्थिति में देखा। छोटे बच्चे की पूंछ और सूंड गंभीर रूप से घायल है, और अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रहा है।

इस दृष्टिकोण को स्वीकार करते हुए कि प्रकृति को अपना काम स्वयं करने देना चाहिए पाठ्यक्रम लेने की अनुमति दी जानी चाहिए, राहुल गांधी ने कहा कि लुप्तप्राय और प्रतिष्ठित जानवरों के मामले में अपवाद अक्सर बनाए जाते हैं, जैसे कि घायल हाथी के बच्चे जैसे अत्यंत गंभीर मामलों में। राहुल गांधी ने कहा, मैं राजनीति से हटकर आपकी दया की भावना से हस्तक्षेप करने और छोटे हाथी को बचाने की अपील करना चाहता हूं। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवीय आधार पर यह मुद्दा उठाया जा रहा है। इसमें हम जो कर सकते है, वह करेंगे।

नए रिकॉर्ड की ओर केदारनाथ यात्रा

अब तक 15 लाख श्रद्धालु कर चुके हैं दर्शन

रुद्रप्रयाग, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा समापन की ओर है। केदारनाथ धाम की बात करें तो इस बार नया रिकॉर्ड बना है। पहली बार किसी यात्रा सीजन में 15 लाख यात्री केदारनाथ धाम पहुंचे हैं, जो एक नया कीर्तिमान है। अभी भी 10 दिन की यात्रा बाकी है। ऐसे में यह आंकड़ा बढ़ सकता है। रुद्रप्रयाग पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने कहा कि दो साल कोरोना महामारी के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद थी और अभी तक 15 लाख से ज्यादा यात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। जो कि एक रिकॉर्ड बन गया है। यात्रियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं देने के प्रयास किए गए हैं। यात्रा मैनेजमेंट काफी चुनौतीपूर्ण रहा। यात्रियों को समय पर दर्शन कराना और लंबे समय तक लाइन में न लगना पड़े, इसके लिए व्यवस्थाएं बनाना काफी चुनौती भरा रहा।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि कोरोनाकाल के बाद यात्रियों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने की पहले से ही उम्मीद थी। जिसके बाद पैदल यात्रा रूट का रख-रखाव, पैदल मार्ग पर पानी की व्यवस्था, साफ सफाई, रेन शेल्टर, टोकन सिस्टम आदि व्यवस्थाएं दुरुस्त की गई। इसका ही परिणाम है कि रिकार्ड यात्री केदारनाथ धाम पहुंचे हैं।

धाम में इन दिनों मौसम साफ है। सुबह से शाम तक बाबा केदार की नगरी में चटक धूप खिल रही है। जिससे धाम की चारों की ओर पहाड़ियां चांदी की तरह चमक रही हैं। धाम की पैदल व हेलीकॉप्टर यात्रा विधिवत संचालित हो रही है। बाबा केदार के दर्शनों के लिए यात्रियों की लंबी लाइन लग रही है, जबकि संध्याकालीन आरती के समय भी मंदिर परिसर में खूब भीड़ जमा हो रही है।

आप और बीजेपी में कार्टून वॉर : केजरीवाल ने सिसोदिया को 'सुपरहीरो' बताया

बीजेपी ने रिट्वीट कर कहा- शिक्षा मंत्री की आड़ में शराब मंत्री

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया से पूछताछ जारी है। इस बीच आप और बीजेपी के बीच कार्टून वॉर शुरू हो गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्विटर पर फोटो शेयर कर सिसोदिया को सुपरहीरो बताया है। हालांकि, इसमें कोई कैप्शन नहीं लिखा है। वहीं, भाजपा ने रिट्वीट कर सिसोदिया की दूसरी फोटो शेयर की और कैप्शन में शिक्षा मंत्री की आड़ में शराब मंत्री लिखा है।

केजरीवाल की ओर से शेयर की गई फोटो में मनीष सिसोदिया को दिल्ली एजुकेशन मॉडल नाम की एक ढाल पकड़े हुए दिखाया गया है। इसके नीचे एक लड़की की पढ़ाई कर रही है, जबकि ईडी और सीबीआई नाम के तीर मंत्री पर बरस रहे हैं। यह फोटो आप ने 21 अगस्त, 2022 को अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर की थी। इसमें कैप्शन में लिखा था- देश के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा देने से हमें नहीं रोक पाओगे मोदी जी।

भाजपा दिल्ली के उपाध्यक्ष ने शेयर की फोटो

भाजपा दिल्ली के उपाध्यक्ष सुनील यादव ने एक फोटो शेयर की है। इसमें सिसोदिया पर सीबीआई और ईडी नाम के तीर छोड़े जा रहे हैं और वह खुली किताब पकड़े शराब की बोतलों और नकदी को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। किताब के कवर पर लिखा है- लूट शिक्षा की आड़ में, जनता जाए भाड़ में। फोटो में केजरीवाल भी देख रहे हैं। उनके एक हाथ में शराब की बोतल और दूसरे में झाड़ू है। वहीं, कैप्शन में लिखा है कि शिक्षा मंत्री की आड़ में शराब मंत्री।

शराब घोटाला मामले में पूछताछ जारी

दरअसल, दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई ने रविवार को डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को समन जारी कर आज सुबह 11 बजे ऑफिस बुलाया। उनसे पूछताछ जारी है। इससे पहले आप ने रविवार को दावा किया है कि सीबीआई सिसोदिया को गिरफ्तार कर सकती है। उन्हें गुजरात में होने वाले चुनाव में प्रचार के लिए रोका जा रही है। सिसोदिया ने सोमवार को कहा, 'फर्जी केस बनाकर मुझे गिरफ्तार करने की तैयारी है। मुझे गुजरात में चुनाव प्रचार के लिए जाना था। ये लोग गुजरात में बुरी तरह हार रहे हैं। इनका मकसद मुझे गुजरात जाने से रोकना है। मैंने गुजरात के लोगों से कहा था कि वहां भी हम बच्चों के लिए दिल्ली जैसे शानदार स्कूल बनाएंगे। ये लोग नहीं चाहते कि अच्छे स्कूल बनें। गुजरात के लोग पढ़ें और तरक्की करें। मेरे खिलाफ फर्जी केस बनाया गया है। मेरे घर रेड की, कुछ नहीं निकला। सारे बैंक लॉकर देखे, कुछ नहीं मिला। गांव जाकर सारी जांच की, कुछ नहीं मिला।'

केजरीबाल बोले-जेल के ताले टूटेंगे, मनीष सिसोदिया छूटेंगे

केजरीबाल ने सोमवार को एक के बाद एक ट्वीट किए। उन्होंने पहले लिखा- 8 दिसंबर को गुजरात के नतीजे आयेंगे। ये लोग तब तक मनीष को जेल में रखेंगे। ताकि मनीष गुजरात चुनाव में प्रचार के लिए ना जा पायें। दूसरे ट्वीट में लिखा- जेल के ताले टूटेंगे, मनीष सिसोदिया छूटेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बोले भारत जोड़ो यात्रा रोकें राहुल

हिमाचल-गुजरात में करें प्रचार

पणजी, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता फ्रांसिस्को सरदिन्हा ने सोमवार को दावा कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जो भाजपा को हरा सकती है। राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा को अब रोक देना चाहिए और हिमाचल प्रदेश व गुजरात के विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करना चाहिए।

सिर्फ कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है: सरदिन्हा

गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री और लोकसभा सांसद सरदिन्हा ने कांग्रेस अध्यक्ष के लिए वोट डालने के बाद कहा, 'मैं चाहता हूं कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा को रोकें और लोगों को जागरूक करने के लिए हिमाचल प्रदेश और गुजरात जाएं ताकि वे पार्टी के लिए वोट डाल सकें और भाजपा को हरा सकें। कांग्रेस ही एकमात्र विपक्षी पार्टी है जो भाजपा को हरा सकती है।'

हिमाचल प्रदेश में विस चुनाव के लिए 12 नवंबर को होगा मतदान

चुनाव आयोग ने शुक्रवार विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा की है, जिसके मुताबिक हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को वोटिंग होगी और 8 दिसबर को मतगणना होगी। 182 सीटों पर वाली गुजरात विधानसभा के लिए इस साल के अंत में चुनाव होंगे।

'शशि थरूर के चुनाव लड़ने का कोई मतलब नहीं, हार तय'

पार्टी अध्यक्ष के लिए वोट डालने के बाद सरदिन्हा ने कहा कि चुनाव लड़ने का कोई मतलब नहीं है, जब हर कोई जानता है कि उनकी हार पक्की है। उन्होंने कहा, शशि थरूर मेरे सहयोगी हैं। मुझे उनसे मिलना होता तो मैं उनसे इसके लिए अनुरोध करता, लेकिन मुझे पता है हर कोई मल्लिकार्जुन को वोट करेगा। आप जानते हैं कि आप सौ फीसदी हारने वाले हैं। आप बस यह दिखाना चाहते हैं कि आपने भी चुनाव लड़ा था।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी को सीधी धमकी-शुक्ला तेरी खैर नहीं

सीएम के गृह जिला मंडी में भी 1 टिकट 2 दावेदार

शिमला, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल में भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों में चुनाव उम्मीदवार तय करने के लिए माथापच्ची चल रही है। कल से चुनाव नामांकन शुरू हो रहे हैं और दोनों बड़े दलों के प्रत्याशी फाइनल नहीं हुए हैं। वहीं उम्मीदवारों के नामों को लेकर जिस तरह की चर्चाएं हैं, उससे दोनों दलों में बगावत के सुर भी उठते नजर आ रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना चाहती हैं, लेकिन आपसी फूट इसमें बड़ा रोड़ा बनेगी। दूसरी तरफ कांग्रेस पहले ही सत्ता में आने के लिए जूझ रही है, लेकिन बगावत इसमें बाधक बनने पर उतारू है। शिमला जिले के चौपाल क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व विधायक ने सोशल मीडिया पर राजीव शुक्ला को सीधी धमकी दे दी। शिमला की चौपाल विधानसभा सीट से कांग्रेस ने पार्टी महासचिव रजनीश किमटा का टिकट लगभग फाइनल कर दिया है, लेकिन पूर्व विधायक सुभाष मंगलेट विरोध कर रहे हैं। किमटा के लिए स्वयं कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला ने कमान संभाली और काफी विरोध के बावजूद उनका नाम तय भी हो गया, लेकिन सुभाष मंगलेट भड़क गए हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर जमकर भड़ास भी निकाली है।

सुभाष मंगलेट ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर सीधे-सीधे राजीव शुक्ला को ही निशाना बनाया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है कि फिक्र न करें। चुनाव लड़ने आ रहा हूं। चौपाल की जनता का टिकट ला रहा हूं। 2022 में विधानसभा जा रहा हूं। सत्यमेव जयते। उन्होंने लिखा है कि ₹कांग्रेस-भाजपा वालों से बैर नहीं, राजीव शुक्ला तेरी खैर नहीं।"

ससुराल सिमर का फेम वैशाली का सुसाइड नोट

दोस्त के बारे में लिखा- राहुल ने मेरे फोटो मंगेतर को भेजे, ढाई साल से टॉर्चर कर रहा

राहुल, जिसका जिक्र सुसाइड नोट में है

इंदौर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीवी एक्ट्रेस वैशाली ठक्कर की मौत लव ट्रायएंगल में हुई या वह ब्लैकमेलिंग का शिकार हुई...? लॉकडाउन के बाद वह करियर को लेकर क्या सोच रही थी। वह मुंबई में न रहकर इंदौर में ही लंबे समय से क्यों थी? इनमें से कुछ सवालों के जवाब एक्ट्रेस ने अपने सुसाइड नोट में दिए हैं।

वैशाली ने सुसाइड नोट में राहुल नवलानी और उसकी पत्नी दिशा नवलानी पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। जिसके बाद पुलिस ने इस दंपती पर धारा 306 (आत्महत्या के लिए मजबूर करने) का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी राहुल को रविवार को ही हिरासत में ले लिया था। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने उसे घर से ही पकड़ा। पुलिस को जब सुसाइड नोट मिला, तब राहुल घर में ही था। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

पहले जान लीजिए वैशाली ठक्कर के बारे में

आपको याद होगी 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की संजना। या 'ससुराल सिमर का' शो वाली अंजलि भारद्वाज, जिसे निगेटिव रोल प्ले करने पर बेस्ट एक्ट्रेस इन नेगेटिव रोल का गोल्डन पेटल अवॉर्ड भी मिल चुका है। दर्शक वैशाली को सुपर सिस्टर, मनमोहिनी सीजन- 2 में भी देख चुके हैं। उसका आखिरी सीरियल रक्षाबंधन था। वैशाली (29) पिता हरभजन सिंह ठक्कर, निवासी तेजाजी नगर ने शनिवार रात में इंदौर के सांई बाग स्थित घर में अपने ही दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र आज के भगत सिंह हैं : सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात में आम आदमी पार्टी को मिलता जनसमर्थन देख भाजपा घबरा चुकी है। 'आप' की इस क्रांति को रोकने के लिए सोमवार को आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पूछताछ के लिए सीबीआई दफ्तर बुलाया गया।

सीबीआई द्वारा मनीष सिसोदिया से पूछताछ करने पर आम आदमी पार्टी ने यह आरोप लगाए हैं। आप संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस विषय पर कहा कि 8 दिसंबर को गुजरात चुनाव के नतीजे आयेंगे। ये लोग तब तक मनीष को जेल में रखेंगे। ताकि मनीष गुजरात चुनाव में प्रचार के लिए न जा पाएं। सीएम केजरीवाल ने कहा कि मनीष के घर पक रेड में कुछ नहीं मिला, बैंक लॉकर में कुछ नहीं मिला। उन पर केस बिलकुल फर्ज़ी है।

उन्हें चुनाव प्रचार के लिए गुजरात जाना था। उसे रोकने के लिए उन्हें गिरफ़्तार कर रहे हैं। लेकिन चुनाव प्रचार रुकेगा नहीं। गुजरात का हर व्यक्ति आज आप का प्रचार कर रहा है। जेल की सलाखें और फांसी का फंदा भगत सिंह के बुलंद इरादों को डिगा नहीं पाये। ये आजादी की दूसरी लड़ाई है। मनीष और सत्येंद्र आज के भगत सिंह है। 75 साल बाद देश को एक शिक्षा मंत्री मिला जिसने गरीबों को अच्छी शिक्षा देकर सुनहरे भविष्य की उम्मीद दी करोड़ों गरीबों की दुआएं मनीष सिसोदिया के साथ हैं।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि सीबीआई दफ्तर जाने से पहले, क्षत्रिय परंपरा का पालन करते हुए मनीष सिसोदिया की पत्नी ने उन्हें तिलक लगाया। तत्पश्चात मनीष सिसोदिया आम आदमी पार्टी दफ्तर से राजघाट गए और बापू की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की और सत्य और असत्य की लड़ाई में सत्य की जीत के लिए आशीर्वाद लिया। आम आदमी पार्टी दफ्तर से राजघाट के बीच हजारों की संख्या में लोगों ने अपने लोकप्रिय नेता व शिक्षा मंत्री के समर्थन में रैली निकली।

हरियाणा में पार्टी चुनाव चिन्ह से डरी भाजपा

पंचायत चुनाव के पहले चरण में सिर्फ 3 जिले में ही कमल पर लड़ेगी, 6 जिलों का इनकार

चंडीगढ़, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा पंचायत चुनाव में भाजपा चुनाव चिन्ह कमल के फूल पर लड़ने से कतरा रही है। यही वजह है कि पहले चरण के जिला परिषद चुनाव में सिर्फ 3 जिलों में ही पार्टी अपने चुनाव चिन्ह पर लड़ेगी। 6 जिलों में बिना चिन्ह के भाजपा चुनाव मैदान में उतरेगी। पहले चरण में 9 जिलों में चुनाव होना है।

जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य के लिए 30 अक्टूबर और पंच-सरपंच के लिए 2 नवंबर को मतदान होना है। पंचकूला, यमुनानगर और नूंह की जिला इकाइयों ने इसकी जानकारी प्रदेश नेतृत्व को दे दी है।

सिंबल पर चुनाव नहीं लड़ने के 3 कारण

1. इन जिलों में कैंडिडेट ज्यादा होने के कारण चुनाव में सिंबल का प्रयोग नहीं करना चाहती। अगर एक नेता को सिंबल दे दिया तो दूसरे नाराज हो जाएंगे। वहीं बिना सिंबल जीतने वाले को ही अपना कैंडिडेट बता सकते हैं।
2. बिना सिंबल के यदि चुनाव लड़ते हैं तो वह दूसरे दलों के वोटरों को भी हासिल कर सकते हैं। यह चुनाव स्थानीय स्तर पर हैं, ऐसे में उम्मीदवार के आगे पार्टीबाजी की बंदिश न आए, इसलिए भी भाजपा सिंबल से पीछे हटी है।
3. किसान आंदोलन भी बड़ी वजह है। गांवों में अगर इसका असर दिखा तो सिंबल की वजह से भाजपा का विरोध होगा और उन्हें वोट नहीं मिलेगा। ऐसे में राजनीतिक नुकसान होना तय है।

नगर पालिका और नगर निकाय चुनावों में लग चुका झटका

हरियाणा में कुछ महीने पहले 46 नगर पालिकाओं के चुनाव हुए थे। इनमें से बीजेपी ने 22 नगर निकायों पर जीत हासिल की थी। वहीं गठबंधन सहयोगी जेजेपी ने तीन नगर निकायों में जीत हासिल की थी।

जेजेपी भी बीजेपी की राह पर

बीजेपी की तरह गठबंधन सहयोगी जेजेपी ने भी जिला परिषद के चुनाव सिंबल पर लड़ने का फैसला जिला इकाइयों पर छोड़ दिया है। हालांकि दोनों पार्टियों ने पंचायती राज संस्थाओं के ग्राम पंच, सरपंच और प्रखंड समिति के सदस्यों का चुनाव पार्टी चिन्ह पर नहीं लड़ने का फैसला किया है। प्रधान विपक्षी दल कांग्रेस कोई भी चुनाव पंच, सरपंच, ब्लॉक समिति के सदस्य और जिला परिषद सदस्य पार्टी के चिन्ह पर नहीं लड़ेगी।

यमुनानगर में महिलाओं को 50% कोटा

यमुनानगर जिले में जिला परिषद की कुल 18 सीटों में से 50% सीटें महिलाओं के लिए फिक्स की गई हैं। राज्य में कुल 22 जिले हैं और 18 जिलों के लिए चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित किए जा चुके हैं।

सुविचार

आदमी महज रोटी नहीं चाहता और भी चीजे चाहता है।

आम आदमी का कल्याण टीआरएस सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता : पुव्वाड़ा

खम्मम, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार ने कहा कि राज्य सरकार आम आदमी के कल्याण को प्राथमिकता के साथ कई कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। मंत्री ने सोमवार को यहां अपने वीडीओ कॉलोनी कैंप कार्यालय में कल्याणलक्ष्मी और शादी मुबारक के 64 लाभार्थियों को 64 लाख रुपये के चेक के साथ-साथ साड़ियों का वितरण किया, जिसे मंत्री ने अपने खर्च पर लाभार्थियों को भेंट किया। उन्होंने कहा कि खम्मम विधानसभा क्षेत्र में अब तक 7515 लाभार्थियों को 70.21 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए जा चुके हैं। पृथक तेलंगाना के गठन के बाद, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने विकास और कल्याण के मामले में तेलंगाना को देश का नंबर एक राज्य बनाने के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की और विकास परियोजनाओं को अंजाम दिया। पिछली सरकारों के विपरीत, टीआरएस सरकार जाति, पंथ या राजनीतिक संबद्धता के बावजूद गरीब परिवारों के कल्याण पर हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है। तेलंगाना सरकार एक कल्याणकारी सरकार है। उन्होंने कहा कि कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाएं देश में अनूठी हैं और उन्होंने गरीब वित्तीय पृष्ठभूमि वाले माता-पिता को बिना पैसे की चिंता के अपनी बच्चियों की शादी की व्यवस्था करने में मदद की है। बाद में मंत्री ने लाभार्थियों के साथ भोजन किया। इससे पहले दिन में अजय कुमार ने बीसी कल्याण विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए लाभार्थियों को आधुनिक, मशीनीकृत मिट्टी के बर्तन बनाने की मशीनें वितरित कीं। नौ लाभार्थियों को लगभग एक लाख रुपये की मशीनें दी गईं।

मंत्री ने बताया कि तेलंगाना सरकार राज्य में विभिन्न समुदायों के सदस्यों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए जाति आधारित व्यवसायों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने शहर में 1.35 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

उप महापौर ने एंटोमोलॉजी विभाग के साथ बैठक की

हैदराबाद,17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की उप महापौर एम. श्रीलता शोबन रेड्डी ने मच्छरों के खतरे को नियंत्रित करने के लिए चल रही गतिविधियों के बारे में एंटोमोलॉजी विंग, जीएचएमसी के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उपमहापौर ने कीट विज्ञान विंग को शहर में मच्छरों के खतरे को नियंत्रित करने के लिए कड़ी मेहनत करने और कॉलोनियों, झीलों, तालाबों के खुले और निचले इलाकों में फॉगिंग और छिड़काव करने के निर्देश दिए। चीफ एंटोमोलॉजी जीएचएमसी रामबाबू ने शहर में एंटोमोलॉजी विंग की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने रविवार को सुबह 10 बजे 10 मिनट का समय निकाल कर मच्छरों के नियंत्रण पर जागरूकता कार्यक्रम के बारे में भी बताया। वे चुने हुए प्रतिनिधियों, अध्यक्षों और कालोनियों के सदस्यों के साथ समन्वय में कॉलोनियों में फॉगिंग और छिड़काव करते हैं। झीलों और तालाबों में ड्रोन से छिड़काव भी किया जाता है। सभी तालाबों व तालाबों में जलकुंभी की सफाई की जा रही है। इसके अलावा मुख्य कीट विज्ञानी ने कहा कि प्रत्येक जोन को एक एफटीसी मशीन आवंटित की गई थी और सफाई के लिए हिताची और जेसीबी का उपयोग किया गया था। स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उप महापौर ने कोविड के समय में उत्कृष्ट कार्य के लिए कीट विज्ञान विंग की सराहना की। बैठक में सभी अंचलों के वरिष्ठ कीटविज्ञानी शामिल हुए।

अनंतगनीकुंटा के विकास के लिए कदम उठाए जाएंगे : महापौर

हैदराबाद,17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि बंजारा हिल्स रोड नंबर 1 पर ताज बंजारा होटल के पास अनंतगन कुंटा के विकास के लिए कदम उठाए जाएंगे। सोमवार सुबह मुख्य कीट विज्ञान अधिकारी व जोनल कमिश्नर रवि किरण ने महापौर ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस तालाब के आसपास मच्छर हैं और सीवेज की गंध के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए लिए कीटविज्ञान विभाग द्वारा कचरे हटा दिया गया और साफ किया गया। इस तालाब में मच्छरों के उत्पादन को रोकने के लिए ड्रोन से छिड़काव शुरू कर दिया गया है। इसी प्रकार अनंतगनी कुंटा में तेल के गोले रखे गए है।

इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि ताज बंजारा के पास अनंतगनी गड्ढे में ऊपर से आने वाले सीवेज को देखते हुए एक स्वयंसेवी संस्था एरोपस पानी के उपचार के लिए सीएसआर के माध्यम से आगे आई है। उन्होंने कहा कि अब तक उन्होंने एरला तालाब और लंगर हाउस तालाब का शत-प्रतिशत विकास किया है, जिसे उन्होंने गोद लिया है। जीएचएमसी के तहत 185 तालाबों में से अब तक 52 तालाबों में मच्छर नियंत्रण के लिए लार्वा विरोधी उपाय किए जा चुके हैं।

जादू-टोना कर जनता को ठगने वाला धरा गया

मंचेरियल, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेमनपल्ली मंडल के नेलवाई गांव में सोमवार को एक व्यक्ति को जादू-टोना कर जनता को ठगने के आरोप में धर लिया गया।

चेन्नूर ग्रामीण निरीक्षक विद्यासागर ने कहा कि वेमनपल्ली मंडल के कोट्टागुडेम गांव की नयिनी दुर्गाय्या जड़ी-बूटियों और पौधों के माध्यम से अपनी बीमारियों को ठीक करने के बहाने लोगों को धोखा दे रही थी। विद्यासागर ने कहा कि वह काफी समय से जादू टोना कर जनता को ठग रहा था। पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे ऐसे लोगों पर भरोसा न करें जो खुद को भगवान बताते हैं और जादू-टोना करते हैं।

केयूसी पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार, दो सोने की चेन बरामद

हनमकोंडा, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय विश्वविद्यालय परिसर पुलिस ने यहां आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के रेड्डीपुरम चौराहे पर सोमवार को वाहन चेकिंग के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया तथा उनके पास से 1.10 लाख रुपये मूल्य के दो तोले सोने की चेन बरामद की। एक प्रेस नोट में, वारंगल के पुलिस आयुक्त तरुण जोशी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोग हनमकोंडा के प्रशांत नगर के एक राजमिस्त्री गंडिकोटा वेंकन्ना और काजीपेट के बापूजी नगर के एक राजमिस्त्री कंडी अब्बुलू हैं। सीपी ने कहा कि पूछताछ के दौरान, उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने थोटा अभिनव और उसकी दोस्त श्यामला से सोने की चेन और पैसे चुराए हैं, जो 13 अक्टूबर को ओआरआर पर स्कूटर पर यात्रा कर रहे थे।

भ्रष्ट एमआरओ द्वारा किए गये जमीन ट्रांसफर को कलेक्टर ने सही कराया

महिला को दिलाया ने 27.34 एकड़ जमीन का मालिकाना हक

संगारेड्डी, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक कथित रूप से भ्रष्ट राजस्व अधिकारी के कृत्य को खारिज करते हुए, जिसे उसकी बहन के नाम पर 27 एकड़ और 34 गुंटा वंशानुगत संपत्ति स्थानांतरित करने के लिए निलंबित कर दिया गया था, हालांकि उसकी पत्नी जीवित है, संगारेड्डी जिले के राजस्व विभाग ने उसकी पत्नी को पट्टाधार पासबुक जारी की। अपर कलेक्टर जी. वीरा रेड्डी ने सोमवार को समाहरणालय में पटलोला शिवम्मा को पासबुक सौंपी। राजस्व अधिकारियों के मुताबिक रायकोड मंडल के नागनपल्ली में सर्वे नंबर 198 में 27 एकड़ और 34 गुंटा जमीन रखने वाले जमीन मालिक पी. हनुमंत रेड्डी की कुछ महीने पहले मौत हो गई थी। उनकी मृत्यु के बाद, 2021 में भूमि उनकी पत्नी पटलोला शिवम्मा के नाम पर स्थानांतरित कर दी गई। बाद में, वह हैदराबाद में अपने बेटे के साथ रहने के लिए गांव से बाहर चली गईं।

हालांकि, उसी जमीन को इस साल सितंबर में हनुमंत रेड्डी की बहन शेरी अंजम्मा को हस्तांतरित कर दिया गया था, जब उन्होंने तहसीलदार जी. राजैया से अपने नाम पर जमीन के 'विरासत' की मांग की थी। उसने हनुमंत रेड्डी का मृत्यु प्रमाण पत्र जमा किया था।

अंजम्मा के परिवार द्वारा कथित रूप से रिश्वत लेने वाले राजैया ने जमीन को उसके नाम पर स्थानांतरित कर दिया। हालांकि, यह पता चलने पर, शिवम्मा ने कलेक्टर ए. शरत से शिकायत की, जिन्होंने जांच के बाद राजैया को निलंबित कर दिया और अधिकारियों को फिर से शिवम्मा के नाम पर भूमि हस्तांतरित करने का निर्देश दिया।

उचित प्रक्रिया के बाद, राजस्व अधिकारियों ने एक महीने के भीतर भूमि को शिवम्मा के नाम पर स्थानांतरित कर दिया और उन्हें एक नया पट्टाधार पासबुक जारी किया। शिवम्मा और उनके परिवार ने कलेक्टर और अन्य राजस्व अधिकारियों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उनकी मदद की। इस बीच, कलेक्टर ने कहा कि राजैया की मदद करने वाले राजस्व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की प्रक्रिया जारी है।

सूची के अनुसार हुआ मतदान : रेवंत

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए मतदान एआईसीसी द्वारा दी गई सूची के अनुसार हुआ था। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची तैयार करने में टीपीसीसी की कोई भूमिका नहीं है।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची तैयार करने में उनकी कोई भूमिका नहीं है। एआईसीसी के चुनाव रिटर्निंग अधिकारी राजामोहन उन्नीतन के साथ मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए रेवंत ने कहा कि पार्टी का कोई भी नेता पार्टी आलाकमान के पास शिकायत दर्ज करा सकता है यदि उन्हें चुनाव में कोई समस्या है। उन्होंने कहा कि राज्य में 238 प्रतिनिधि और एआईसीसी के तीन सदस्य हैं, राजामोहन ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से हुआ था और कहा कि वे आज एआईसीसी के चुनाव आयोग को मतपत्र सौंपेंगे और कहा कि चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा।

50 प्रतिशत से अधिक वोट पाने वाले उम्मीदवार को विजेता घोषित किया जाएगा।

भाजपा पार्षद के पति को एक करोड़ रुपये के साथ पकड़ा

नलगोंडा, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने भाजपा नेता और भाजपा पार्षद के पति करीमनगर सोरिप्पा वेणु को हिरासत में लिया है और मुनुगोडे मंडल के चेमाडा चेक-पोस्ट पर एक वाहन जांच के दौरान उनके वाहन से 1 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। पुलिस ने कहा कि वेणु ने कबूल किया है कि वह पूर्व सांसद जी. विवेक वेंकट स्वामी के निर्देश पर विजयवाड़ा से मुनुगोड़े में पैसे स्थानांतरित कर रहा था। उसने विजयवाड़ा में रामू नाम के एक व्यक्ति से धन एकत्र किया था। पुलिस ने यह रकम जांच के लिए आयकर नोडल अधिकारी को सौंप दी है।

भाजपा नेताओं से मिले नरसय्या गौड़ 19 को भाजपा में शामिल होंगे

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भोंगिर के पूर्व सांसद बूरा नरसैय्या गौड़, जिन्होंने हाल ही में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब भारत राष्ट्र पार्टी) से इस्तीफा दे दिया है, ने सोमवार को घोषणा की कि वह 19 अक्टूबर को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होंगे।

गौड़, जिन्होंने सोमवार को भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय से उनके आवास पर मुलाकात की, ने मीडियाकर्मियों से कहा कि उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है क्योंकि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे कार्यों से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगा, वह स्वीकार करेंगे। बंडी संजय ने कहा कि नरसैया की मौजूदगी से राज्य में पार्टी को मजबूती मिलेगी। 3 नवंबर को होने वाले मुनुगोड़े उपचुनाव पर संजय ने कहा कि उनकी पार्टी ने दुब्बाका और हुजुराबाद उपचुनाव जीते हैं और मुनुगोड़े भी जीतेंगे।

अखिल भारतीय रेलवे महिला कबड्डी चैंपियनशिप का उद्घाटन हुआ

हैदराबाद,17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एससीआरएसए) के अध्यक्ष और प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर जे. के. जैन ने रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड, सिकंदराबाद में महिलाओं के लिए 44वीं अखिल भारतीय रेलवे कबड्डी चैंपियनशिप के उद्घाटन की घोषणा की। यह चैंपियनशिप लीग-कम-नॉकआउट आधार पर आयोजित की जाएगी। यह टूर्नामेंट 17 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, 2022 तक आयोजित किया जाएगा जिसमें आठ टीमें दक्षिण मध्य रेलवे, मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, उत्तर रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे, पूर्वी रेलवे, पूर्व तट रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे भाग लेंगी। आठ टीमों को दो पूल में बांटा गया है। इस अवसर पर बोलते हुए जे के जैन ने प्रतिभागियों को सच्ची खेल भावना और प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर का उपयोग करने की सलाह दी। ईमानदारी और कड़ी मेहनत खेल में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने और अच्छे परिणाम हासिल करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

पीएम ने बुनकरों की कल्याणकारी योजनाओं को समाप्त किया : केटीआर

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के बुनकर समुदाय से आगामी उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ वोट डालने का आह्वान किया। केटी रामाराव ने सोमवार को पार्टी नेताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की और चल रहे अभियान पर पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए। इस अवसर पर बोलते हुए, हथकरघा मंत्री के टी रामाराव ने कहा कि नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता भारत के इतिहास में हथकरघा पर जीएसटी लगाने वाले पहले प्रधान मंत्री थे और उन्होंने देश में बुनकर समुदाय से संबंधित सभी कल्याणकारी योजनाओं को समाप्त कर दिया था। मोदी सरकार द्वारा लागू की जा रही एकतरफा नीतियों के कारण, बुनकर कमजोर जीवन जी रहे हैं और पूरा हथकरघा क्षेत्र मंदी में है।

जनता दरबार के आवेदनों के निपटाने हेतु समन्वित प्रयास किया जाएं : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में जनता द्वारा जमा किये गये आवेदनों की निगरानी एवं निराकरण के लिये संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय कर विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। सोमवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन परिसर स्थित कलेक्टर कक्ष में आवेदकों के आवेदन प्राप्त हुए। केरामेरी मंडल गोडुपल्ली के ग्रामीणों ने एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें अनुरोध किया गया है कि उनके गांव को कोमुराम भीम परियोजना में बाढ़ वाले गांव के रूप में मान्यता दी गई है और मुआवजे का भुगतान किया गया है, लेकिन अब तक कोई पुनर्वास नहीं किया गया है, और उन्होंने इस मामले पर ध्यान केंद्रित करने का अनुरोध किया है और मदद करने को कहा।

रेबेना मंडल के नंबाला गांव के गोलेम हनुमान ने आवेदन देकर अनुरोध किया कि उनके पास रेबेना मंडल के नारायणपुर गांव के उपनगरीय इलाके में उनके पिता के नाम पर एक जमीन है और यह जमीन मेरे भाई और बहन के नाम धरणी पोर्टल में पंजीकृत है और पट्टादार पास बुक प्रदान करें।जैनूर मंडल के आशापल्ली गांव की मदवी भीम राव ने एक अर्जी दाखिल कर मांग की है कि उनके पिता के नाम पर दर्ज की गई जमीन को अन्य लोगों ने उनके नाम पर अवैध रूप से दर्ज किया है और उन्होंने मामले की जांच कर हमें न्याय दिलाने का अनुरोध किया है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्वीट्टर @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओ की जानकारी हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

PUB/0910

प्रपत्र 10-1 सार्वजनिक अधिसूचना

एतद्वारा दक्षिण मध्य रेलवे के निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि, 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को दि.20-10-2022 या इसके बाद उर्जित सक्रिय (एनर्जाइज) किया जायेगा। अतः निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ही ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन को निरंतर लाइव सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेडलाइन के निकट न पहुंच सकेगा न कोई कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शनः सिकंदराबाद डिवीजन, पेद्दापल्ली- करीमनगर सेक्शन, तेलंगाना राज्य के पेद्दापल्ली जिले के सुल्तानाबाद स्टेशन पर रानी एंड आदर्स साइडिंग की लोडिंग लाईन-1 तथा लोडिंग लाईन -2, ओएचई मास्ट लोकेशन सेः आरओ/1(किमी/सीएच 11/736.80) से आरओ/40(किमी/सीएच 12/951.2). गेजः 1676 एमएम, टीकेएम 3.195 किमी.

A1220 वरिष्ठ मंडलीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

मुनुगोडु उपचुनाव में 47 उम्मीदवार मैदान में

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु विधानसभा उपचुनाव में नामांकन वापसी का अंतिम दिन समाप्त होने के बाद कुल 47 उम्मीदवार मैदान में हैं। उपचुनाव में कुल 130 उम्मीदवारों ने 199 नामांकन दाखिल किए। हालांकि, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने 47 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खारिज कर दिए।

देसिल बयना की मासिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मैथिली साहित्य मंच 'देसिल बयना' की मासिक बैठक संस्था के एक कार्यकारिणी सदस्य सुमन कान्त झा के मल्लापुर (नचारम) आवास पर संस्था के अध्यक्ष चन्द्रमोहन कर्ण की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक के प्रथम सत्र में श्री कर्ण ने मंच द्वारा प्रति वर्ष नवम्बर माह में आयोजित होने वाली 'विद्यापति स्मृति गोष्ठी' की तैयारियों से सम्बन्धित निम्नलिखित जानकारियाँ दीं। उन्होंने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में पटना से मैथिली के बहुचर्चित कथाकार अशोक के अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि के रूप में मिथिला विश्वविद्यालय के प्रो. रमण झा, देहरादून से डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र तथा नागदह से श्री बुद्धिनाथ झा होंगे। समारोह के लिए हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ह्युमैनिटीज के सभागार के लिए प्रयास किया जायगा। दूसरे साहित्यिक सत्र में शारदा झा, गुंजनश्री तथा मनोज शाण्डिल्य आदि ने अपनी-अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया। बैठक में अर्चना झा, शबनम झा, शारदा झा, चन्द्र मोहन कर्ण, जटाधर झा, डॉ. अजित ठाकुर, मनोज शाण्डिल्य, दीपक कुमार झा, रवीन्द्र कुमार झा, सुमन कान्त झा, मनोज कुमार झा, तरुण प्रभात, गुंजनश्री, शम्भू नाथ झा, डॉ. सन्तोष चौधरी, जयचन्द्र झा, अमर कुमार झा, सुनिल मिश्रा, राहुल झा, वसन्त झा आदि ने भाग लिया।

जन्म दिवस पर पुण्य स्मरण

श्री श्यामकरणजी श्रीवास्तव

स्वर्गवास : रविवार 9 मई 2021

आपका वात्सल्य हमारा जीवन है, आपके संस्कार हमारी धरोहर है ।
आपकी सुहृदयता हमारी प्रेरणा है, आपका आशीर्वाद हमारी शक्ति है ॥

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

श्रीमती प्रेमलता सक्सेना (पत्नी)
प्रोफेसर चेतन श्रीवास्तव-श्रीमती नेहा (बेटा-बहू),
श्रीमती श्वेता – श्री आकाश राज सक्सेना (बेटी-दामादजी),
डॉ. स्नेहिता – श्री रेनील कुलश्रेष्ठ (बेटी-दामादजी),
यश (नवासा), तनवी (नवासी),
आव्या (अस्मी)(पोती), श्रीवास्तव करण भाई, बहने एवं परिवार

फोन : (040) 27562863, 9849210185, 9866109681

पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्र को तीन साल की जेल

आर्म्स एक्ट मामले में कोर्ट ने सुनाई सजा

भदोही, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। ज्ञानपुर के बाहुबली पूर्व विधायक विजय मिश्र को आर्म्स एक्ट के मुकदमे में सोमवार के तीन साल जेल की सजा सुनाई गई। साल 2009 के मामले में एसीजेएम साधना गिरी की अदालत ने फैसला सुनाया। ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्र वर्तमान में आगरा जेल में निरुद्ध हैं। आगरा जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को भदोही कोर्ट में पेश किया गया।

चार बार विधायक रहे विजय मिश्र के खिलाफ 70 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बसपा सरकार में उनके खिलाफ साल 2009 में पुलिस ने आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज किया था। उसके बाद समाजवादी पार्टी की सरकार आने के बाद मुकदमे की सुनवाई लंबित हो गई। हालांकि 2020 में जेल जाने के बाद उसे उनके नए और पुराने मामले में सुनवाई तेज हुई। करीब 13 साल तक चली सुनवाई के बाद सोमवार को एसीजेएम साधना गिरी की अदालत ने आर्म्स एक्ट के मुकदमे में तीन साल कारावास की सजा सुनाई। जिला शासकीय अधिवक्ता दिनेश पांडेय और सहायक जिला अभियोजन अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि आर्म्स एक्ट के मुकदमे में कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई है। विधायक विजय मिश्रा तीन बार सपा और चौथी बार निषाद पार्टी से विधायक चुने गए। ज्ञानपुर विधानसभा एक ऐसी सीट थी जिस पर आजादी के बाद कोई दोबारा विधायक नहीं हुआ लेकिन विजय मिश्र इस सीट से चार बार विधायक हुए जिसे लेकर उन पर आरोप लगते रहे कि अपने बाहुबल से जीत दर्ज की। 2017 में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने टिकट काट दिया था।

तब विजय मिश्र पार्टी से बगावत कर निषाद पार्टी से चुनाव लड़े और जीते। 18 अक्तूबर 2020 को बनारस की एक गायिका ने गोपीगंज थाने में विजय मिश्र के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। विधायक के ऊपर नए पुराने कुल 70 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। साल 2020 पुलिस ने विजय मिश्र को तब गिरफ्तार कर लिया जब वो मध्य प्रदेश से महाकाल का दर्शन कर लौट रहे थे। तभी से वो आगरा जेल में निरुद्ध हैं।

आईपीएस ने दोस्त को चीफ-जस्टिस बना डीजीपी को कराए फोन

50 बार कॉल किए, डीजीपी ने आईपीएस से जुड़े केस खत्म भी कर दिए

पटना, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार कैडर के आईपीएस आदित्य कुमार ने अपने ऊपर शराबबंदी से जुड़े केस को खत्म कराने के लिए अपने दोस्त को हाईकोर्ट का फर्जी चीफ जस्टिस बना दिया। इस फर्जी चीफ जस्टिस ने डीजीपी एसके सिंघल को फोन कर केस खत्म करने के लिए कहा। वह भी एक नहीं 40 से 50 बार। केस खत्म होने के बाद खुफिया इनपुट से मामले का खुलासा हुआ।

इस मामले में आर्थिक अपराध इकाई ने आईपीएस आदित्य कुमार सहित उनके दोस्त अभिषेक भूपालका उर्फ अभिषेक अग्रवाल और अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आदित्य फरार हैं। अभिषेक अग्रवाल, गौरव राज, शुभम कुमार और राहुल रंजन जायसवाल को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में अभिषेक ने कई राज उगले। अभिषेक ने बताया कि वह एक आईपीएस अफसर को बचाने के लिए चीफ जस्टिस बनकर डीजीपी को फोन करता था। सूत्रों से बताया कि गिरफ्तार अभिषेक के पास से नौ सिम कार्ड के साथ दर्जनों मोबाइल भी मिले हैं। मोबाइल की जब फोरेंसिक जांच की गई तो आरोप प्रमाणित हो गए। सख्ती से पूछताछ में भी आरोपी अभिषेक अग्रवाल ने अपना गुनाह कबूल किया। उसने एक एसएसपी को बचाने के लिए डीजीपी को फोन किया था। जांच में यह बात सामने आई है कि अभिषेक पहले भी जेल जा चुका है। अभिषेक अलग-अलग लोगों को अलग-अलग आदमी बन कर फोन कर काम निकलवाया करता था। अभिषेक ने कई बार गृह मंत्री का पीए बनकर भी अफसरों को फोन किया था। अभिषेक की पहुंच बड़े-बड़े नेताओं के साथ कई अधिकारियों से भी है। 2018 में भी पुलिस ने अभिषेक को गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेजा था। इसके पहले 2014 में बिहार के एक पुलिस अधीक्षक को भी ब्लैकमेल किया था। उस समय पुलिस अधीक्षक के पिता से मोटी रकम की भी वसूली की थी। इसके अलावा एक अन्य आईपीएस अफसर से भी 2 लाख की ठगी में इसका नाम आया था। अभिषेक अग्रवाल पर बिहार में जालसाजी के कई मामले दर्ज है। भागलपुर में भी अभिषेक पर मामला दर्ज है। आपको बता दें कि अभिषेक बड़े-बड़े अधिकारियों और नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पोस्ट करता था। जिससे लोगों के बीच इसकी धमक बनी रहे। इस बार इसने फ्रॉड करने के लिए हाईकोर्ट के एक सीनियर जज के साथ तस्वीर खिंचवाकर वॉट्सऐप डीपी में लगा रखी थी, ताकि ऐसा लगे कि यह वास्तव में कोई जज है। अभिषेक ने फेसबुक पर बड़े नेता और अफसरों के साथ ऐसी ही कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। जिस आईपीएस अफसर को बचाने के लिए वह डीजीपी को फोन किया करता था उसे क्लीनचिट भी मिल गई है।

बांके बिहारी मंदिर में भीड़ में दबकर बेहोश हुई महिला

वृंदावन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मथुरा स्थित ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रविवार को भारी भीड़ के चलते एक महिला बेहोश हो गई जिसके बाद उसे चबूतरे पर बने चिकित्सा बूथ पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को एंबुलेंस से जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। बाद में हालात में सुधार होने पर उसे श्रद्धालु को छुट्टी दे दी गई। मथुरा के महोली रोड की रहने वाली 32 वर्षीय विनीता देवी अपने पति सुमोद शर्मा सहित अपने परिवार के साथ रविवार को बांकेबिहारी मंदिर दर्शन करने आई थीं। उन्होंने गेट नंबर 2 से एंट्री ली। भारी भीड़ के कारण जगमोहन में दर्शन करने के बाद उन्हें घुटन महसूस होने लगी। जिसके बाद विनीता ने पति से मंदिर से बाहर जाने के लिए कहा। जिसके बाद वह गेट नंबर 2 से बाहर निकलने के प्रयास करने लगी। तभी सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें रोक दिया। गार्ड ने बताया कि गेट नंबर 2 केवल प्रवेश के लिए है निकलने के लिए नहीं। निकास की व्यवस्था गेट नंबर 1 और 4 से है। विनीता ने गार्ड से निकलने के लिए विनती करने लगी। फिर गार्ड ने भीड़ कम होने पर निकालने का आश्वासन दिया लेकिन इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। जिसके बाद उन्हें चबूतरा पर बने चिकित्सा बूथ पर ले जाया गया।

नीतीश में हिम्मत है तो 'मंत्रियों की हैसियत चपरासी जैसी' कहने वाले सुधाकर सिंह को राजद से निकलवाएं : सुशील मोदी

पटना, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में हिम्मत हो, तो वे महागठबंधन सरकार की कड़वी सच्चाई बताने वाले पूर्व मंत्री सुधाकर सिंह को राजद से निष्कासित करायें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के मंत्रियों की हैसियत चपरासी से बदतर हो जाने का सुधाकर सिंह का आकलन सही है। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि जब तक भाजपा सरकार में थी, तब तक मुख्यमंत्री अपनी सीमा में रहते थे।

सोमवार को बयान जारी कर सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार ने जगदानंद के पुत्र सुधाकर सिंह का मंत्री पद तो छीन लिया, लेकिन वे अपने सहयोगी दल से उन्हें बाहर नहीं करा पाएंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने और तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनने की जुगत में लगे हैं।

दोनों एक-दूसरे के भारी दबाव में हैं, इसलिए वे जगदानंद और सुधाकर सिंह से मोर्चा नहीं ले सकते। उन्होंने कहा कि सुधाकर सिंह ने नीतीश कुमार के स्वर्ग जाने की इच्छा और उनके रबड़ स्टाम्प मंत्रियों तक पर खुल कर बात की, लेकिन जदयू नेतृत्व चुप्पी साध गया। उन्होंने कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री तक पर अनाप-शनाप टिप्पणी कर रहे थे, वे सुधाकर सिंह के विरुद्ध क्यों नहीं बोल पाते?

दिवाली से पहले नीतीश पर फटा 'सुधाकर बम'

कहा-पीएम बनने के लिए हैं बेचैन, मंत्री को बना रखा है चपरासी

कैमूर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने एक बार मोर्चा खोल दिया है। कैमूर में एक कार्यक्रम में जनता को संबोधित करते हुए सुधाकर सिंह ने खुले मंच से नीतीश कुमार को तानाशाह बताया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जी की सरकार के मंत्री की हैसियत चपरासी की है। वह सिर्फ मुहर लगा सकते हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। सुधाकर सिंह ने नीतीश कुमार के मिशन 2024 पर करारा प्रहार किया और कहा कि नीतीश कुमार पीएम बनने के लिए बेचैन हैं।

बिहार राज्य के प्रदेश अध्यक्ष कद्दावर जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह का यह रवैया बिहार में चल रही महागठबंधन सरकार में अंदर का तापमान बढ़ाने वाला है।

कैमूर के चैनपुर में एक जनसभा में सुधाकर सिंह ने सीधे-सीधे नीतीश कुमार को टारगेट किया। उन्होंने दावा किया कि 17 सालों के कार्यकाल में नीतीश कुमार ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया। नीतीश पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आजकल के मंत्री सिर्फ रबर स्टांप हैं। कागजों में भले ही मंत्री हो मगर उनकी हसीयत चपरासी की होती है। मंत्री को जो भी फाइल दी जाती है, उस पर दस्तखत कर देते हैं कि कहीं उनका मास्टर नाराज ना हो जाए। गुजरात और हिमाचल में किसकी बनेगी सरकार, सर्वे में किसे कितनी सीटों का अनुमान?

खुले मंच से सुधाकर सिंह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने की बेचैनी है। सीएम नहीं बनने से उनकी आत्मा संतुष्ट रह जाएगी। नाम लिए बगैर सुधाकर सिंह ने कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि स्वर्ग जाने का रास्ता प्रधानमंत्री पद से होकर ही जाता है। इसलिए प्रधानमंत्री बना दो ताकि स्वर्ग में भी जगह मिल जाए। इससे पहले भी सुधाकर सिंह अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहे।

उन्होंने कहा था कि विभाग के सभी पदाधिकारी चोर हैं और मंत्री होने के नाते वे खुद चोर के सरदार हैं। सुधाकर सिंह ने नीतीश कुमार के कृषि रोडमैप पर भी सवाल उठाए थे और कहा कि किसानों के हित में कुछ नहीं हुआ। जदयू नेताओं द्वारा सवाल उठाए जाने के बावजूद सुधाकर सिंह अपने स्टैंड पर कायम रहे और उन्हें अपने पद से हाथ धोना पड़ा। एक बार फिर सुधाकर ने बिहार के सियासत को अपने बयानों से गर्म कर दिया है।

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे

2 महिलाओं समेत 6 लोग हुए घायल लड़ाई झगड़े का वीडियो हुआ वायरल

मैनपुरी, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसमें दोनों ही पक्ष लाठी डंडा लेकर एक दूसरे के ऊपर हावी हो गए। दोनों ही पक्ष के लोग लाठी-डंडों से एक दूसरे पर हमला करने लगे। दोनों पक्षों में काफी पुरानी रंजिश बताई जा रही है। रंजिश में चले लाठी-डंडों में दो महिलाएं सहित दोनों पक्षों के 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। वायरल वीडियो का मामला बेवर थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव का बताया जा रहा है। जहां जमीनी विवाद को लेकर हरवीर उर्फ बबलू और सत्य राम सिंह में पुराना विवाद चला आ रहा है। जमीनी विवाद को लेकर दोनों पक्षों की आपस में अक्सर लड़ाई झगड़े होते रहते हैं। इसी के चलते इन्हीं दोनों पक्षों में लाठी-डंडों के प्रहार से लड़ाई झगड़ा करता हुआ वीडियो वायरल हुआ है।

कांग्रेसियों ने अध्यक्ष पद के लिए किया मतदान

मुख्यालय पहुंचे नेता

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए मतदान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पूरे देश में कांग्रेस सदस्य नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान कर रहे हैं। लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश के नेताओं ने मतदान किया। इस दौरान सभी खुश नजर आए और कांग्रेस मुख्यालय में भी गहमागहमी मची रही। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे और शशि थरूर मैदान में हैं। 22 साल बाद कांग्रेस में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए चुनाव हो रहे हैं। कांग्रेस की वर्तमान अध्यक्ष सोनिया गांधी व पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दिल्ली में मतदान किया जबकि राहुल गांधी ने कर्नाटक में मतदान किया। कांग्रेस नेता व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। कांग्रेस में लंबे समय से अध्यक्ष पद के चुनाव की मांग की जा रही थी।

शराब तस्करों पर नकेल कसेगा परिवहन विभाग

एनएच और एसएच पर लगाई जाएंगी टीमें

पटना, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी लागू करने की कवायद में अब परिवहन विभाग उतर आया है। शराब तस्करों पर परिवहन विभाग ने नकेल कसने का निर्णय लिया है। दूसरे राज्यों से लाई जा रही शराब की खेप पर लगाम लगाने के लिए सीमावर्ती जिलों में विशेष जांच-पड़ताल की जाएगी। परिवहन विभाग इस काम में पुलिस विभाग की सहायता लेगा।

पिछले दिनों मद्यनिषेध एवं निबंधन उत्पाद विभाग ने शराब की तस्करी रोकने के लिए संबंधित विभागों को पत्र भेजा था। इसमें परिवहन विभाग को भी पत्र प्राप्त हुआ है। पत्र में विभाग ने कहा है कि चूंकि बिहार में शराबबंदी है इसलिए राज्य में अगर अवैध तरीके से शराब की बिक्री हो रही है तो वह दूसरे राज्यों से ही लायी जा रही है। ऐसे में यह जरूरी है कि बिहार की सीमावर्ती जिलों/चेकपोस्ट बनाकर सूबे में गाड़ियों पर पैनी नजर रखी जाए।

पूर्ण शराबबंदी को लागू करने में पुलिस के अलावा मद्यनिषेध विभाग भी जांच-पड़ताल में लगा है। लेकिन वाहनों को पकड़ने का काम परिवहन विभाग भी किया करता है। वाहनों की कागजात जांच के दौरान शराब तस्करों पर भी नकेल कसी जा सकेगी। इसके लिए परिवहन विभाग ने अधिकारियों को अलर्ट कर दिया है।

अधिकारियों को किया गया अलर्ट

शराब तस्करों पर नकेल कसने के लिए परिवहन विभाग ने सीमावर्ती जिलों को आवश्यक निर्देश भेजा है। संबंधित जिलों के परिवहन अधिकारियों को कहा गया है कि जांच-पड़ताल में मालवाहक वाहनों की विशेष जांच की जाए। एनएच व एसएच पर वाहनों में लदे सामान संदिग्ध लगे तो हर हाल में उसकी जांच की जाए। जरूरत हो तो ढके हुए वाहनों की भी जांच हो। हरियाणा, पंजाब, उत्तरप्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दिल्ली से आने वाली गाड़ियों पर विशेष नजर रखने को कहा गया है। आम तौर पर इन्हीं राज्यों से शराब की खेप बिहार लाई जाती है। विभाग ने डीटीओ को कहा है कि सीमावर्ती जिलों के चेकपोस्ट पर होने वाली जांच की वे खुद निगरानी रखें। विभाग में नियुक्त चलंत दस्ता का भी सहयोग लिया जाए।

बिहार के सरकारी स्कूल में पहली बार होगा पीटीएम

कक्षा एक के 20 लाख बच्चों के अभिभावकों की बैठक 20 को

पटना, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के 45 हजार से अधिक सरकारी प्राइमरी स्कूलों में कक्षा एक में इस साल पढ़ रहे 20 लाख से अधिक बच्चों के अभिभावकों को 20 अक्तूबर को स्कूलों में बुलाया गया है। शिक्षा विभाग ने इस दिन शिक्षकअभिभावकों की मीटिंग बुलायी है। इस तरह की मीटिंग पहली बार हो रही है। शिक्षा विभाग ने पढ़ाई की गुणवत्ता और अभिभावकों के दायित्व की समझ को बेहतर करने के लिए यह बैठक बुलायी है। सरकार के इस कदम से सरकारी स्कूलों में पढ़नेवाले बच्चों के अभिभावकों में भी खुशी है। शिक्षा विभाग की तरफ से जारी आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इस मीटिंग में अभिभावकों को बताया जायेगा कि उनके बच्चों के शैक्षणिक बेहतरी के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं।

कक्षा एक में पढ़ रहे बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए परंपरागत पढ़ाई के अलावा कुछ अभिनव प्रयोग किये जा रहे हैं।

भाजपा के मुस्लिम सम्मेलन पर सपा सांसद डा. बर्क का बयान

कहा- बिके और डरे हुए मुसलमान हो रहे शामिल

संभल, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा द्वारा लखनऊ में आयोजित मुस्लिम सम्मेलन को लेकर सपा सांसद का बयान आया है। उनका कहना है कि जो बिके और डरे हुए मुसलमान हैं, वह सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। लेकिन उन्हें होशियार रहना चाहिए कि सच्चा मुसलमान कभी उन्हें वोट नहीं देगा। 2024 के चुनाव नजदीक हैं, इसलिए भाजपा मुसलमानों को भाई बनाना चाहती है, जबकि वह हमेशा मुसलमानों के खिलाफ रही है। संभल से सपा के सांसद डा.शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा कि बीजेपी को मुसलमानों से न कोई मोहब्बत है और कोई लगाव है। आज मुस्लिमों को जोड़ने की जरूरत हो रही है, उसकी बजह है कि 2024 का चुनाव नजदीक है। इन्होंने मुसलमानों पर ज्यादती की है, अत्याचार किया है और उनकी इज्जत लूटी है।

भाजपा देश में हिंदू मुस्लिम के बीच नफरत फैला रही है। संभल में एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा की गई टिप्पणी पर सांसद कुछ नहीं बोले। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी संगठन द्वारा हत्याओं पर सांसद बोले कि यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। जुल्म किसी पर नहीं होना चाहिए। चाहे वह हिंदू हो या फिर मुसलमान। मैं खुद सभी वर्ग के लोगों का काम करता हूं क्योंकि यह इंसानियत है।

मुसलमान हूं तो अपनी बात रखूंगा ही। हम चाहते हैं कि मुल्क आगे बढ़े और नफरत दूर हो। मौजूदा हालात में राहुल गांधी यात्रा कर रहे हैं, यह सही है। बीजेपी भी यदि सही काम करती तो हमें कोई दिक्कत थोड़ी है और न उससे कोई दुश्मनी है। बीजेपी के अमल गलत हैं, इसलिए बीजेपी के खिलाफ हैं।

तपन ग्रुप के दफ्तर पर इनकम टैक्स का छापा

दयालबाग और रुनकता में एक साथ पहुंची टीम

आगरा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा के तपन ग्रुप के दयालबाग स्थित कार्यालय और रुनकता में फैक्टरी पर सोमवार सुबह इनकम टैक्स की टीम ने छापा मारा। एक साथ दोनों जगह टीम पहुंची, जिसके बाद सर्च शुरू कर दी गई। दिल्ली से आई इनकम टैक्स की टीम ने उद्योगपति सुरेश चंद्र गर्ग के ऑफिस और फैक्टरी पर रेड की। तपन ग्रुप घी का उत्पादन एवं ट्रेडिंग की जाती है। ग्रुप के चेयरमैन सुरेशचंद्र गर्ग और मैनेजिंग डायरेक्टर उनके बेटे संदीप गर्ग हैं। तपन ग्रुप का कारोबार आगरा के अलावा राजस्थान, दिल्ली समेत कई प्रांतों में फैला हुआ है। बताया गया है कि इनकम टैक्स की टीम सुबह 10 दयालबाग स्थित तपन ग्रुप के कार्यालय पर पहुंची। टीम ने मैन गेट बंद कराने के साथ ही बाहर और अंदर आने-जाने की एंट्री भी बंद कर दी। टीम के साथ मौजूद पुलिसकर्मियों ने दफ्तर आ रहे सभी कर्मचारियों का प्रवेश रोक दिया है। रूनकता स्थित फैक्टरी भी टीम छानबीन कर रही है।

सरकारी नौकरी पाने कान में ब्लूटूथ छिपाकर बैठ गये सैकड़ों मुन्नाभाई

अब जैमर को लेकर उठे सवाल

पटना, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में रविवार को मद्य निषेध सिपाही भर्ती परीक्षा आयोजित की गयी। इस दौरान करीब 1 दर्जन जिलों में 292 मुन्नाभाई धराये जो मोबाइल या ब्लूटुथ के जरिये परीक्षा पास करने के लिए सेंटर में घुसे थे। भागलपुर में 78 अभ्यर्थियों को ब्लूटूथ के साथ पकड़ा गया। वहीं पटना, गया, नालंदा और सीवान समेत अन्य जिलों में भी पकड़े गये। पूर्व में बीपीएससी परीक्षा में धांधली के बाद अब एक और लापरवाही का आरोप आयोजकों पर लगने लगा है। बिहार में आयोजित मद्य निषेध सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान सैंकड़ो मुन्नाभाई धराए। इन सबके पास मोबाइल या ब्लूटूथ मिला जिसके जरिये ये गलत तरीके से सवालों का जवाब दे रहे थे। वहीं इसके पीछे एक बड़े गैंग के होने की आशंका है। भागलपुर में चेकिंग के दौरान 78 अभ्यर्थियों को ब्लूटूथ के साथ धरा गया। इन लोगों ने पुलिस को चौंकाने वाली हकीकत बताए हैं। पकड़ाए अभ्यर्थियों ने बताया कि उनसे 10 से 12 लाख रुपये की डील कुछ लोगों ने की थी और उन्होंने ही ब्लूटूथ के साथ थमाया था। जितने अभ्यर्थी पकड़े गये उनपर शक होने के बाद ही एक्शन लिया गया। सबसे अधिक मुन्नाभाई भागलपुर में ही धराये जबकि बक्सर में भी 76 पकड़ाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार ब्लूटूथ से उक्त लोग परीक्षा में चोरी कर रहे थे। पकड़े गये सभी अभ्यर्थियों के पास से कान में छिप जाने वाले छोटे-छोटे ब्लूटूथ डिवाइस को भी बरामद किया गया। वहीं अब कई सवाल भी परीक्षा के आयोजन को लेकर उठने लगे हैं। कॉलेजों के कुछ शिक्षकों का मानना है कि सेंटर पर जैमर की व्यवस्था की जाती, तो ब्लूटूथ एयर फोन काम नहीं करता। डिवाइस नहीं चलता। जैमर की व्यवस्था नहीं होने से परीक्षार्थियों ने ब्लूटूथ एयर फोन का उपयोग किया। पुलिस प्रशासन भी ब्लूटूथ एयर फोन के उपयोग किये जाने के मामले की जांच कर रही है। एक के बाद एक 11 सेंटरों से कुल 78 अभ्यर्थियों को डिवाइस के माध्यम से मद्य निषेध सिपाही भर्ती परीक्षा में चोरी करते हुए पकड़ा गया है।

बाइक चोरी करके बनाते हैं जुगाड़ गाड़ी

कीमत से लेकर माइलेज तक में मिलता है चोरों को ये फायदा

भागलपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भागलपुर में बाइक चोरी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत शनिवार से लेकर रविवार तक दो थानों की टीम ने कुल आठ चोरी की गयी मोटरसाइकिल और एक चोरी की बाइक के पुर्जो से बनी जुगाड़ गाड़ी बरामद किया है। उक्त मामले में कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी निशानदेही पर भागलपुर पुलिस की छापेमारी रविवार रात तक जारी थी। डीएसपी विधि व्यवस्था के नेतृत्व में चलाये जा रहे अभियान में बरारी और सबौर पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गयी है। डीएसपी विधि व्यवस्था डॉ गौरव कुमार ने बताया कि बाइक चोरी को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा शहरी क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्र के सभी थानों को कई बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिया था। निर्देश के बाद उन्होंने सबौर सहित अपने अनुमंडल अधीन सभी थानों को सर्वाधिक बाइक चोरी वाले प्वाइंट्स को चिन्हित कर वहां सिविल ड्रेस में पुलिस की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में सबौर पुलिस ने सबौर के बाबुपुर निवासी लवकुश कुमार को और बरारी पुलिस ने बरारी हाउसिंग कॉलोनी निवासी अंकज कुमार को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। लवकुश की निशानदेही पर पुलिस छापेमारी करते हुए पूर्णिया के रुपौली थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव स्थित एक गैरेज में पहुंची। जहां पुलिस ने मधेपुरा के लक्ष्मनिया बस अड्डा, चौसा निवासी कुंदन कुमार को गिरफ्तार किया।

बच्चे ने कहा-मां को जेल में डालो

थाने में बोला-अम्मी मारती हैं, टॉफी भी चुरा लेती हैं

बुरहानपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में 3 साल के बच्चे की मासूमियत का एक रोचक मामला सामने आया है। यह मासूम अपने पिता के साथ पुलिस चौकी पहुंचा और कहा कि अम्मी को जेल में डाल दो। वो मुझे मारती हैं। बच्चे की बात सुन चौकी प्रभारी को हंसी आ गई। मामला, बुरहानपुर के देड़तलाई गांव का है।

3 साल के मासूम के पिता ने बताया कि रविवार दोपहर इसकी अम्मी इसे नहलाने के बाद काजल लगा रही थीं। बेटा ना-नुकर कर रहा था तो अम्मी ने प्यार से एक चांटा मार दिया। इसके बाद उसने रोना शुरू कर दिया। किसी तरह मैंने उसे शांत कराया। उसने हमसे कहा कि पापा पुलिस के पास चलो, अम्मी को जेल में भेजना है। ये सुनते ही हम दोनों की हंसी छूट गई। लेकिन ये नहीं माना तो मैं उसे लेकर चौकी आ गया। बता दें, बच्चे के पिता कियोस्क सेंटर चलाते हैं।

उनके 2 बच्चे हैं। बड़े बेटे ने ही अम्मी के खिलाफ शिकायत की है। चौकी प्रभारी ने जब बच्चे की शिकायत लिखने के बाद उसे साइन करने को कहा तो उसने आड़ी-तिरछी लाइनें बना दीं। इस दौरान भी बच्चे की मासूमियत देखकर चौकी प्रभारी की हंसी नहीं रुक रही थी। चॉकलेट भी चोरी कर लेतीं हैं अम्मी बच्चे के पिता ने आगे बताया-चौकी के गेट पर ही चौकी प्रभारी प्रियंका नायक मिल गईं। उन्हें देखते ही बेटे ने तुरंत जाकर उनका हाथ पकड़ लिया और कहने लगा कि अम्मी को जेल में डाल दो, उन्होंने मुझे मारा है। ये सुनते ही चौकी प्रभारी हंसने लगीं।

निर्विरोध चुनी जा सकती हैं अंधेरी पूर्व से शिवसेना प्रत्याशी ऋतुजा

भाजपा ने प्रत्याशी वापस लिया

मुंबई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई की अंधेरी पूर्व विधानसभा सीट से भाजपा ने आज अपने प्रत्याशी का नाम वापस लेने का एलान कर दिया। इसके साथ ही शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट की ऋतुजा लटके के निर्विरोध विधायक चुने जाने का रास्ता साफ हो गया है।

मनसे व यहां तक कि शिंदे गुट के विधायक ने भी लटके के निर्विरोध चुने जाने के लिए भाजपा से अपने प्रत्याशी के नाम वापसी की अपील की थी। ऋतुजा लटके दिवंगत शिवसेना विधायक रमेश लटके की पत्नी हैं। लटके के मई में आकस्मिक निधन से यह सीट रिक्त हुई है। इसके लिए 3 नवंबर को उपचुनाव होने वाला है। महाराष्ट्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुल ने सोमवार को भाजपा प्रत्याशी का नाम वापस लेने का एलान किया।

बावनकुले ने यह फैसला मनसे प्रमुख राज ठाकरे द्वारा भाजपा से प्रत्याशी वापस लेने के आग्रह के दूसरे ही दिन ले लिया। भाजपा से प्रत्याशी नहीं उतारने की अपील उसके सहयोगी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के विधायक ने भी की थी। राज ठाकरे ने इस बारे में डिप्टी सीएम व वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा था। इस पर फडणवीस से भाजपा प्रत्याशी का नाम वापस लेने के बारे में पार्टी के अन्य नेताओं के साथ विचार कर निर्णय लेने की बात कही थी। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने भी रविवार को अपील की थी कि अंधेरी पूर्व सीट पर ऋतुजा लटके का निर्विरोध चुनाव होना चाहिए।

...तो शिंदे व ठाकरे गुट में होता पहला चुनावी शक्तिपरीक्षण

अंधेरी उपचुनाव को लेकर जून में बगावत कर महाराष्ट्र में नई सरकार बनाने वाले सीएम एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना भाजपा गठबंधन व ठाकरे गुट के बीच पहला चुनावी शक्ति परीक्षण होने वाला था। भाजपा द्वारा प्रत्याशी वापस लेने से यह टल गया है। राज ठाकरे ने भाजपा से ऋतुजा लटके के समर्थन की भी अपील की थी। भाजपा ने अंधेरी पूर्व सीट से मूरजी पटेल को प्रत्याशी बनाया था। बावनकुले ने कहा कि भाजपा ने मूरजी पटेल को अपना नाम वापस लेने का निर्देश दिया है। आज ही नाम वापसी का अंतिम दिन है।

महाराष्ट्र की राजनीतिक परंपरा के अनुरूप फैसला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बावनकुले ने नागपुर में पार्टी प्रत्याशी को वापस लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह फैसला महाराष्ट्र की राजनीतिक परंपरा के अनुरूप है कि दिवंगत विधायक या सांसद के परिजन के खिलाफ प्रत्याशी नहीं खड़ा किया जाता है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि यदि पार्टी उनका नाम वापस नहीं लेती तो पटेल जीत जाते।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	में	तुला -	06-11 बजे
चंद्र-	कर्क	में	वृश्चिक	08-22 बजे
मंगल	मिथुन	में	धनु---	10-35 बजे
बुध-	कन्या	में	मकर-	12-41 बजे
गुरु-	मीन	में	कुंभ -	14-32 बजे
शुक्र-	कन्या	में	मीन...	16-10 बजे
शनि-	मकर	में	मेष--	17-46 बजे
राहु-	मेष	में	वृष--	19-30 बजे
केतु-	तुला	में	मिथुन..	21-31 बजे
			कर्क...	23-43 बजे
			सिंह...	01-56 बजे
			कन्या...	04-06 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- उत्तर • गुड खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी • **11-58** तक उपरान्त,नवमी
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष ,मंगलवार, **18 Oct**
नक्षत्र • पुष्य • **08 -01** • दुसरे दिन प्रातः तक
योग • सिद्ध • **16 • 51** • तक उप- साध्य
करण- कौलव **-11 • 58** • तक,उप- तैतिल
विशेषः-
व्रत -त्योहार • राधा अष्टमी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
14:56 से **16:24** तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	**06:13 - 07:38**	अशुभ	काल	**17:51 - 19:24**	अशुभ
उत्पात	**07:38 - 09:06**	अशुभ	लाभ	**19:24 - 20:56**	शुभ
चंचल	**09:06 - 10:34**	शुभ	उत्पात	**20:56 - 22:29**	अशुभ
लाभ	**10:34 - 12:01**	शुभ	शुभ	**22:29 - 00:01**	शुभ
अमृत	**12:01 - 13:29**	शुभ	अमृत	**00:01 - 01:34**	शुभ
काल	**13:29 - 14:56**	अशुभ	चंचल	**01:34 - 03:06**	शुभ
शुभ	**14:56 - 16:24**	शुभ	रोग	**03:06 - 04:39**	अशुभ
रोग	**16:24 - 17:49**	अशुभ	काल	**04:39 - 06:12**	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं।आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं।इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे।ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है। थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे।इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है।जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें।इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे। अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे।आपके लिए रोमांचक समय है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे।हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है। यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है।आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) दिन आपके लिए अच्छा रहेगा लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों।ऐसा सोचना प्राक्रतिक है लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी।यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है। अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है,इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा।कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे।जो आप करना चाहते हैं उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें। पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें।अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे।आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी।आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं। आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे।आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता।इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।इससे आपको रोमांस रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी।किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन सहायता प्राप्त हो सकती है। हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

आगामी विधानसभा चुनावों में बीजेपी के खिलाफ खड़ी होगी लोजपा

बिहार में राष्ट्रपति शासन की मांग

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) आगामी गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान ने सोमवार को घोषणा की। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बैठक के बाद चर्चा में पासवान ने कहा, पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित होने के भाजपा शासित गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय लिया गया। लोजपा (रामविलास) हिमाचल प्रदेश में प्रभारी की नियुक्ति करने जा रही है और बाद में उम्मीदवारों की सूची पर निर्णय करेगी। हालांकि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा कि वह दोनों राज्यों में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी की इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भविष्य में होने वाले चुनावों और उससे जुड़े फैसले लेने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को अधिकृत किया है।

स्व. रामविलास पासवान को मिले भारत रत्न

प्रेस को संबोधित करते हुए सांसद पासवान ने कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में प्रस्ताव पारित किया गया है कि भारत सरकार हमारे नेता स्व. रामविलास पासवान को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देकर कर देश के करोड़ों कमजोरो व दलितों की मांग को पूरा करे। कार्यकारिणी ने प्रस्ताव पारित किया है कि आने वाले वाले दिनों में हमारे नेता रामविलास पासवान की प्रतिमा हर प्रदेश में लगाने का काम लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) द्वारा किया जाएगा।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हमारी पार्टी ने प्रस्ताव पास किया कि भारत की एक बड़ी आबादी युवाओं की है। आने वाले दिनों में भारत के युवा देश की ताकत बने इसके लिए युवाओं से जुड़ी हुई हर समस्या का समाधान खोजना होगा। युवाओं की बेहतर शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशने के लिए हमारी पार्टी केंद्र सरकार से देश में एक राष्ट्रीय युवा आयोग गठन की मांग करती है। इसके अलावा देश में सामाजिक व आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग से आने वाले लोगों की नियुक्ति न्यायपालिका के उच्च पदों पर हो सके। इसके लिए भारतीय न्यायिक सेवा प्रणाली को जल्द लागू किया जाए।

नीतीश कुमार पर बोला हमला

चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा, नीतीश कुमार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा व गलत नीतियों से बिहार व बिहारी का बहुत नुकसान हुआ है। परिणामस्वरूप बिहार में अपराध व भ्रष्टाचार चरम पर है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपनी कार्यकारिणी में प्रस्ताव पास कर केंद्र से बिहार सरकार को भंग कर बिहार में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की।

अंकिता के साथ नहीं हुआ था दुष्कर्म

फॉरेंसिक रिपोर्ट से सामने आया उस दिन का पूरा सच

देहरादून, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंकिता के साथ दुष्कर्म नहीं हुआ था। इस बात की पुष्टि फोरेंसिक रिपोर्ट में भी हो गई है। फोरेंसिक लैब से आई रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष खोली गई है।

बताया जा रहा कि एसआईटी ने इस मुकदमे की विवेचना लगभग पूरी कर ली है। जल्द ही अब चार्जशीट दाखिल की जा सकती है। अंकिता की हत्या के बाद इस बात की आशंका भी जताई जा रही थी कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है। इस बात को लेकर बहुत से लोगों ने जांच की मांग भी उठाई थी। पुलिस ने भी कार्रवाई की। इस क्रम में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी इस बात की जांच की गई, लेकिन रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई। इस बीच वैजानइल स्वैब के नमूनों को फोरेंसिक लैब भी भेजा गया था।

भ्रष्टाचार का जश्न मना रही है आम आदमी पार्टी : संबित पात्रा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी पर जश्न ए भ्रष्टाचार मनाने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने कहा है कि जो लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने आए थे आज वही सबसे कट्टर बेईमान पार्टी के रूप में उभरे हैं। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने मनीष सिसोदिया के साथ सीबीआई की पूछताछ के मामले में कहा कि कहा कि आज सुबह से ही सब आम आदमी पार्टी की नौटंकी और ड्रामे को देख रहे हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को एक ही किस्म की पार्टी बताते हुए उन्होंने आगे कहा कि कुछ दिनों पहले जब राहुल गांधी को जांच एजेंसी ने पूछताछ के लिए बुलाया था तब राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने भी ऐसा ही किया था।

उन्होंने आगे जोड़ा कि नवाब मलिक और संजय राउत की गिरफ्तारी के समय भी इसी तरह का दृष्य नजर आया था। अरविंद केजरीवाल द्वारा मनीष सिसोदिया की तुलना भगत सिंह से करने की कड़ी आलोचना करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ऐसा कर केजरीवाल ने भगत सिंह का अपमान किया है और वहीं भ्रष्टाचार के मामले में जांच एजेंसी द्वारा पूछताछ से पहले महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर सत्याग्रह ऑन करप्शन कर राहुल गांधी और मनीष सिसोदिया ने बापू का भी घोर अपमान किया है।

मूसेवाला हत्याकांड : आरोपी गुरमीत की निशानदेही पर हथियार बरामद, हत्या से 10 दिन पहले की थी रेकी

मानसा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाबी गायक और कांग्रेसी नेता शुभदीप सिंह सिद्धू मूसेवाला की रेकी करने के आरोपी गुरमीत की निशानदेही पर लुधियाना पुलिस ने तीन बोर की एक पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं। बटाला से लुधियाना पुलिस गुरमीत को प्रोडक्शन वारंट पर लाई है। पूछताछ में उसने बताया कि मूसेवाला की हत्या से 10 दिन पहले वह अपने साथियों के साथ रेकी करने गया था। गुरमीत ने खुलासा किया कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कनाडा से सिद्धू मूसेवाला की रेकी का निर्देश दिया था।

इसके बाद फॉर्च्यूनर कार लेकर वह सतबीर सिंह, मनदीप तूफान, मनप्रीत सिंह मनी रईया के साथ रेकी करने पहुंचा था। चारों हथियारों से लैस थे। डीसीपी क्राइम वरिंदर सिंह बराड़ ने बताया कि थाना सलेम टाबरी में दर्ज एक मामला मूसेवाला हत्याकांड से जुड़ा है।

मानहानि मामले में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद मनोज तिवारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा दायर मानहानि मामले में शीर्ष अदालत ने भाजपा सांसद की याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, इस मामले में तिवारी ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा जारी समन आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता की याचिका को स्वीकार कर लिया है। पीठ ने कहा, हमने मनोज तिवारी की अपील को खारिज कर दिया है और विजेंद्र गुप्ता की अपील को इस आधार पर स्वीकार कर लिया है कि विधि आयोग की रिपोर्ट का ठीक से पता नहीं चल पाया है।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा नेताओं के खिलाफ कथित रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। सिसोदिया ने भाजपा नेताओं सांसद मनोज तिवारी, हंस राज हंस, प्रवेश वर्मा, विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा, विजेंद्र गुप्ता, हरीश खुराना के खिलाफ दिल्ली सरकार के स्कूल कक्षाओं के संबंध में उनके खिलाफ कथित रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के लिए शिकायत दर्ज की थी।

अजीबोगरीब कॉन्ट्रैक्ट पर इस नवविवाहित जोड़ो ने किए साइन, अब मिलने लगा फ्री में पिज्जा

दिसपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम में 21 जून को एक शादी हुई। शादी के बाद ही कपल ने एक कागज पर हस्ताक्षर किए। जिसमें उन्हें हर माह फ्री में पिज्जा खाने को मिल रहा है।

इसके अलावा लिस्ट में हर दिन जिम जाना और हर 15 दिन बाद शॉपिंग करना भी शामिल है। शादी पर अजीबोगरीब कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने और पिज्जा खाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पिज्जा हट ने किया अपना वादा पूरा

शांति प्रसाद और मिंटू राय ने सात फेरे लेने के बाद एक कागज के टुकड़े पर हस्ताक्षर किए। दरअसल, करवा चौथ के मौके पर पिज्जा हट इंडिया ने कपल को पिज्जा प्रोवाइड कराने की इंस्टाग्राम पर घोषणा की थी। जिसके मुताबिक, हर माह एक साल तक कपल को पिज्जा हट की तरफ से पिज्जा उपलब्ध कराया जाएगा। अभी यह साफ नहीं है कि अन्य शर्तों को पूरा किया जा रहा है या नहीं। सालभर के लिए कपल एक ब्रांड एंबेसडर की तरह बन गए हैं। दोनों फ्री में पिज्जा का आनंद ले सकते हैं।

30 हजार से ज्यादा बार देखा वीडियो और 1400 मिले लाइक्स पिज्जा हट इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा कि 'अपने पति के साथ लंबे और सुखी जीवन के लिए हर माह पिज्जा फ्री। सभी पिज्जा पसंद करने वाले जोड़ों को करवाचौथ की शुभकामनाएं!' सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो में कपल को पिज्जा हट आउटलेट में जाते हुए देखा जा सकता है। साथ ही कपल पिज्जा खाने के साथ-साथ सेल्फी लेते हुए भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। साथ ही दोनों खुश नजर आ रहे हैं। पिछले चार दिनों में यह वीडियो 30 हजार से ज्यादा बार देखा गया और 1,400 से अधिक लाइक्स मिले है। वीडियो देखने के बाद कई यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी. एक यूजर ने लिखा, 'क्या यह फ्री पिज्जा के लिए एक निंजा टेक्निक है?'

कारोबारी की कार में मिले करोड़ों रुपये

घर में छापेमारी में लगा नोटों का ढेर, जेवरात भी किए जब्त

कोलकाता, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में एक कारोबारी की कार से आठ करोड़ की नकदी और आभूषण जब्त किए हैं। यह कार कारोबारी के फ्लैट की पार्किंग में खड़ी हुई थी। उनके दो बैंक खातों में करीब 20 करोड़ रुपये पाए गए हैं, जिन्हें फ्रीज कर दिया गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, रविवार तड़के क्लबटाउन रिवरडेल की पार्किंग में खड़ी कार से 2.2 करोड़ नकद, सोने और चांदी के आभूषण जब्त किए गए। शाम समय पुलिस ने कारोबारी शैलेश पांडे के फ्लैट पर छापा मारा। यहां से पुलिस ने 5.95 करोड़ रुपये जब्त किए। 14 अक्टूबर को केनरा बैंक के अधिकारियों ने कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि फर्जी दस्तावेजों से दो कंपनियों के नाम से खाते खोले गए है। साथ ही नरेंद्रपुर शाखा में दो बैंक खातों में ऑनलाइन लेन-देन किया गया।

दोनों खातों में 20 करोड़ पाए गए है, उन्हें फ्रीज कर दिया गया है। हालांकि, पुलिस ने अभी कारोबारी शैलेश पांडे और उनके भाई अरविंद पांडे को गिरफ्तार नहीं किया है। छापेमारी के दौरान फरार वह घर नहीं थे। पुलिस ने कहा कि, जिस कार में 2.2 करोड़ रुपये मिले है, अरविंद पांडे की बताई जा रही है। उसके बाद हावड़ा के शिबपुर में शैलेश पांडे के फ्लैट पर छापा मारा। पड़ोसी सुजीत गोस्वामी ने कहा कि पुलिस ने शैलेश पांडे के फ्लैट के दरवाजे के ताले तोड़े थे। यह नकदी तीन बेड के अंदर बैगों में छिपाई हुई थी।

पश्चिम बंगाल में युवक को चलती ट्रेन से फेंका

हाथापाई के बाद आरोपी ने दिया धक्का; साथी यात्री बनाते रहे वीडियो

कोलकाता, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम में युवक को चलती ट्रेन से फेंकने का मामला सामने आया है। दो युवक ट्रेन में सफर कर रहे थे, तभी उनकी बहस हो गई। मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इसके बाद आरोपी ने युवक को धक्का दे दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

वीडियो में दिख रहा है कि दोनों पहले किसी बात पर बहस कर रहे हैं। इसके बाद दोनों उठकर ट्रेन के दरवाजे के पास चले जाते हैं। देखते-देखते मामला हाथापाई तक जा पहुंच जाता है। इसी बीच दोनों में से एक व्यक्ति को गुस्सा आ जाता है और वह झगड़ा कर रहे दूसरे व्यक्ति को चलती ट्रेन से बाहर धक्का दे देता है। फिर अपनी सीट पर आकर बैठ जाता है। इस दौरान अन्य यात्री वीडियो बनाते रहते हैं, लेकिन झगड़ा रोकने की कोशिश नहीं करते।

इंटरसिटी एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान फेंका

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना शनिवार को बीरभूम जिले के तारापीठ रोड और रामपुरहाट रेल स्टेशन के बीच हुई। हावड़ा से मालदा जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस में लोग सफर कर रहे थे। तभी इनमें से दो लोग झगड़ने लगे। गुस्से में आकर एक व्यक्ति ने दूसरे को ट्रेन से फेंक दिया।

युवक की हालत गंभीर

पुलिस ने बताया कि घायल युवक की पहचान सजल शेख के रूप में हुई है, जो बीरभूम के रामपुरहाट का रहने वाला है। रेलवे पुलिस को सजल लहूलुहान हालत में ट्रैक पर मिला। उसे रामपुरहाट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल,आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 18 अक्टूबर, 2022

काल और भारतीय ज्ञान परंपरा

हृदय नारायण दीक्षित

भारतीय ज्ञान परम्परा में काल की प्रतिष्ठा है। काल उपास्य है। माना जाता है कि जीवन काल के अधीन है। वैदिक साहित्य से लेकर रामायण महाभारत तक काल की चर्चा है। ऋग्वेद(1.64.2) में कहते हैं, ''तीन नाभियों वाला कालचक्र गतिशील, अजर और अविनाशी है। इसके भीतर सभी लोक विद्यमान हैं।'' पृथ्वी, अंतरिक्ष और द्युलोक तीन नाभियां हैं। काल का चक्र इन्ही नाभियों या धुरियों पर गतिशील है। नाभि या धुरी महत्वपूर्ण है। धुरी गतिशील है। गति का परिणाम काल है। संपूर्ण अस्तित्व के भीतर परमाणुओं की गति है। गति सर्वत्र है। काल भी सर्वत्र है। सभी ग्रहों की गति भिन्न-भिन्न है। इसलिए प्रत्येक ग्रह पर काल का अनुभव भी भिन्न है लेकिन काल सर्वत्र है। अविनाशी है, अमर है, अजर है। यह कभी बूढ़ा नहीं होता। अथर्ववेद के 19वें काण्ड (सूक्त 53 व 54) में ऋषि ने काल की चर्चा की है, ''विश्व रथ है। काल अश्व है। काल अश्व विश्वरथ का वाहक है। यह सात किरणों व सहस्त्रों आंखों वाला है। यह सदा तरुण है। कभी जर्जर नहीं होता। सभी ल`क इसके चक्र हैं। इस पर कवि ज्ञानी ही आरोहण करते हैं।'' ध्यान देने योग्य बात है कि विद्वान ही इस रथ पर बैठने के पात्र बताए गए हैं। ठीक बात है - काल बोध के लिए ज्ञानी जैसी संवेदनशीलता व प्रतिभा चाहिए। रूद्र देवों के देव महादेव हैं और काल नियंता महाकाल हैं। महाकाल दिक्काल को आवृत करते हैं। अथर्ववेद (11.2.3) में ऋषि कहते हैं, ''रूद्र - शिव भव हैं। उनके सहस्त्रों शरीर और आंखें हैं।'' बताते है कि वे अंतरिक्ष मण्डल के नियंता हैं, उन्हें नमस्कार है। (वही 4) ऋषि अथर्वा रूद्र की स्तुति में भावुक हैं, ''हमारी ओर आती रूद्र शक्ति, हमारे ओर से वापस जाती शिव शक्ति, हमारे निकट उपस्थित शिव शक्ति को नमस्कार है।'' अथर्ववेद की तरह यजुर्वेद का 16वां अध्याय रूद्र की स्तुति है। यहां रूद्र की सर्वत्र उपस्थिति है। रूद्र महाकाल हैं। मध्य प्रदेश में उज्जयनी महाकाल की उपासना का दिव्य केन्द्र है। यहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्य भव्य महाकाल लोक का लोकार्पण किया है। सम्प्रति महाकाल की अंतर्राष्ट्रीय चर्चा है। उज्जयनी प्राचीन नगरी है। यह सिप्रा नदी के तट पर बसी हुई है। कालिदास के मेघदूत में सिप्रा की वायु कमलों की गंध के साथ सारसों की मीठी बोली दूर दूर तक फैला देती है। उज्जयनी में महाकाल का प्रतिष्ठित मंदिर है। कालिदास का यक्ष मेघदूत से महाकाल जाने के लिए कहता है, ''यदि तुम महाकाल के मंदिर में सांझ होने के पूर्व पहुंच जाओ तो वहां तब तक ठहर जाना जब तक सूर्य भली प्रकार आंखों से ओझल न हो जाए, जब महादेव की सांझ सुहानी आरती होने लगे तब तुम भी अपने गर्जन का नगाड़ा बजाने लगना।'' यक्ष कहता है, ''सांझ की पूजा हो जाने पर जब महाकाल तांडव नृत्य करने लगें, उस समय तुम सांझ की ललाई लेकर उन वृक्षों पर छा जाना जो उनकी ऊंची बांह के समान खड़े होंगे।'' कमल भारत का सांस्कृतिक प्रतीक है। कमल गंध देवों को भी प्रिय है। कालिदास को भी प्रिय है। यक्ष मेघ से कहता है, ''मानसरोवर के जल में सुनहरे कमल खिलते हैं। इसी तरह अलकापुरी के पास बारहमासी कमल हैं।'' कुबेर के भवन से उत्तर की ओर यक्ष का घर है। यक्ष कहता है, ''घर के भीतर बावणी की सीढ़ियों पर नीलम जड़ा हुआ है। इसमें बहुत से सुनहरे कमल खिले हुए होंगे।'' कालिदास का ध्यान कमल के फूल और गंध पर यों ही नहीं जाता। कमल वैदिक कवियों का भी आकर्षण है। कमल जल में उगने वाला फूल है। अथर्ववेद (10.8.43) में कहते हैं, ''नौ द्वारों वाला जीवन कमल - 'पुण्डरीकं नौ द्वारं' तीन गुणों से आच्छादित है। इसके भीतर आत्मतत्व रहता है। यह बात ब्रह्म ज्ञानी जानते हैं।'' ब्रह्म ज्ञान सर्वोच्च है। कमल निर्लिप्त सांसारिक जीवन का प्रतीक भी है। कमल जल में होकर भी जल से निर्लिप्त रहता है। कमल गंध की ओर ऋषियों का ध्यान जाता है। पृथ्वी सगंधा है। पृथ्वी का गुण गंध है। कवि ऋषि अथर्वा ने पृथ्वी सूक्त में कहा है, ''हे माता भूमि ! आपकी गंध कमल में प्रवेश कर गई है। इसी गंध को सूर्य पुत्री सूर्या के विवाह में वायुदेव ने ग्रहण कर विस्तृत किया था। आप हमको उसी गंध से आपूरित करें।'' रूप आंखों से देखे जाते हैं। लेकिन गंध दिखाई नहीं पड़ती। गंध सूक्ष्म है। सूंघने की इन्द्रिय की क्षमता से अनुभव में आती है। गंध का विवेचन आसान नहीं। कोई गंध तीखी होती है तो कोई भीनी। कोई गंध व्यक्तित्व को आनंद से भर देती है। कमल गंध को किस श्रेणी में रखें? क्या कमल गंध को सांस्कृतिक गंध नहीं कह सकते? हिन्दुत्व भौतिक पदार्थ नहीं है लेकिन हिन्दू होने की गंध समाज या राष्ट्र को गंधमादन बनाए रखती है। हिन्दुत्व सृष्टि के कण कण और काल के प्रत्येक क्षण क्षण में आत्मभाव की अनुभूति है। भृगु का काल चिंतन अथर्ववेद में है। उन्होंने मन को भी काल के अधीन बताया है लेकिन कभी कभी मन भी काल पर प्रभाव डालता प्रतीत होता है। भृगु के काल सूक्त में काल असाधारण व्याप्ति है। कहते हैं, ''काल ने ही सृष्टि सृजन किया है। सूर्य काल की प्रेरणा से तपते हैं। सभी प्राणी काल आश्रित हैं।'' यहां काल की व्याप्ति असीम कही गई है। ईरानी 'अवेस्ता' में काल की तरह एक देवता जुर्वान है' पर वे भारतीय चिंतन के काल जैसे सर्वसमुपस्थित नहीं हैं। भृगु कहते हैं, ''काल ने दिव्य लोक उत्पन्न किये। भूमि को भी उन्होंने उत्पन्न किया। भूत, भविष्य और वर्तमान काल आश्रित हैं।'' आगे कहते हैं, ''काल में तप हैं, काल में ब्रह्म हैं। काल सबका ईश्वर है।'' यहां काल की व्याप्ति अनंत है। वैदिक कवियों की देवों की व्याप्ति को असीम और अनंत बताने की शैली ध्यान देने योग्य है। भृगु कहते हैं, ''काल सभी भुवनों में व्याप्त है। सबका पोषण करता है। वह पहले सबका पिता है। बाद में वही सबका पुत्र है।'' वही भूत है, वही वर्तमान होता है। वही अनुभूत होकर सुख और दुख का अतिक्रमण करता है। भूत और वर्तमान अलग नहीं है। काल अखंड है। वैदिक मन्त्रों में काल के सरल विभाजन भी हैं। पहला शाश्वत कहा गया है। यह सदा से है, सदा रहता है। यह नित्य है। दूसरा तात्कालिक है। तात्कालिक काल का एक खण्ड है।

हिमाचल में चुनावी बिगुल

उन राजनीतिक पंडितों का अनुमान तब गलत साबित हो गया जब चुनाव आयोग ने सिर्फ हिमाचल प्रदेश के ही चुनाव की घोषणा की। गुजरात विधानसभा के चुनाव की तारीखें बाद में घोषित की जाएंगी। निर्वाचन आयोग के इस कदम को लेकर तरह-तरह के राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं। जितने मुंह उतनी बातें। कुछ लोगों का आरोप है कि निर्वाचन आयोग ने यह फैसला केंद्र सरकार के इशारे पर लिया है। अक्सर यह देखा गया है कि जब एक से अधिक राज्यों की विधानसभा के कार्यकाल में पांच महीने का अंतर रहता है, तो उनके चुनाव एक साथ करा लिए जाते रहे हैं। सभी के नतीजे भी एक ही दिन घोषित किए जाते हैं। पहाड़ी क्षेत्र हिमाचल प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल जनवरी 2023 तो गुजरात का फरवरी में समाप्त हो रहा है। नियम के अनुसार दोनों राज्यों के चुनाव एक साथ कराने की उम्मीद की जा रही थी। मगर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसने पिछले चुनाव के नियमों को ध्यान में रखते हुए तारीखें घोषित करने का फैसला किया है। उस वक्त भी पहले हिमाचल में और फिर गुजरात में चुनाव कराए गए थे। लेकिन यह तर्क कई लोगों को हजम नहीं हो रहा। विपक्षी इसे सत्तारूढ़ भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। कुछ लोग इसे दोनों राज्यों के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के आंकड़े की नजर से भी देख रहे हैं। हिमाचल और गुजरात में बेशक भाजपा की सरकार हो, लेकिन उस चुनाव में जीत के लिए भाजपा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। सबसे बड़ी बात तो यह है कि विधानसभा चुनावों से गुजरात में भाजपा की सीटें चुनाव दर चुनाव लगातार कम हो रही हैं। हिमाचल में भी पार्टी में अंदरूनी असंतोष सतह पर दिखाई दे रही है, जिससे पर पाना सरकार के लिए कड़ी चुनौती से कम नहीं है। पिछले चुनाव में हिमाचल के भाजपा के मुख्यमंत्री पद के दावेदार प्रेम कुमार धूमल खुद ही चुनाव हार गए थे। इस बात तो सत्तारूढ़ दल को सत्ता-विरोधी लहर का भय तो सता रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अलग-अलग चुनाव कराने से भाजपा को दोनों राज्यों में प्रचार और चुनावी रणनीति बनाने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। देखा जाए तो इस तरह का तर्क तो सभी राजनीतिक दलों पर लागू होता है। उन्हें भी उतना ही समय मिलेगा और उनके बड़े नेताओं को प्रचार का उतना ही मौका मिलेगा जितना कि भाजपा को। इसलिए इसे सत्तारूढ़ दल की रणनीति कहना उचित नहीं माना जाना चाहिए। यह तो सब जानते हैं कि चुनाव कराना कोई आसान काम नहीं है। राज्यों की भौगोलिक स्थितियों, मौसम आदि का ध्यान रखते हुए जरूरी इंतजाम करने पड़ते हैं। हिमाचल पहाड़ी राज्य है और वहां की ऊंचाई वाली जगहों पर मतदान केंद्र बनाना, मतदान कराना और फिर मतपेटियों को मतगणना केंद्रों तक पहुंचाना मैदानी इलाकों की अपेक्षा बड़ा दुरूह होता है। फिर दो राज्यों में एक साथ चुनाव कराने से चुनाव नतीजों के लिए तब तक लंबा इंतजार करना पड़ता है, जब तक दोनों राज्यों में मतदान की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। इस बार निर्वाचन आयोग ने हिमाचल में मतदान 12 नवंबर को तो मतगणना 8 दिसंबर को करने का ऐलान किया है। दोनों राज्यों में राजनीतिक पार्टियों ने पहले से ही चुनाव की तैयारियां शुरू कर रखी हैं। भाजपा के प्रमुख प्रचारक वहां जाकर कई रैलियां कर चुके हैं। गुजरात में तो आम आदमी पार्टी ने कई महीने पहले चुनावी बिगुल फूंक दिया था और वह पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रचार में लगी है। इसलिए, हिमाचल में पहले चुनाव कराने को सियासी रणनीति के रूप में देखने के बजाय अब पार्टियों को अपने चुनावी मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। जिससे वे चुनाव जीत सकें।

नए जमाने के नए वचन

रेखा शाह

सामने शादी के मंडप में चल रही शादी की रस्मों से मेरा उतना ही लेना देना है। जितना दूल्हे के दोस्तों का शादी की रस्म रिवाज से होता है या अनचाही फिल्म देखने को मजबूर एक दर्शक की मनस्थिति होती है। जो बस देख रहा या देखते है लेकिन उससे कुछ लेना देना नहीं है। लेकिन हां किसी के पूछने पर यही बताते है कि वह फिल्म को इंजॉय कर रहे है सो मैं भी यही बता रही हूं कि मैं शादी के हर रस्म को इंजॉय कर रही हूं। पर सच पूछिए तो मेरे शरीर का हर तंत्र खाने के रह रह कर उड़कर आ रहे खुशबू की तरफ लगा हुआ है।अब तक खाने के स्टालों के तरफ दसियो चक्कर जाकर लगा आएं हैं । बाद में जाकर कुछ मिले और कुछ खत्म हो जाए उस सिचुएशन का सामना नहीं करना चाहते .. आखिर लिफाफा भी वजनदार दिया है हम भारतीयों की मेंटालिटी होती है हर चीज को पाई पाई वसूल करना.. । मेरा फर्ज है कि मैं शिष्टाचार दिखाऊं। पर मैं भी क्या करूं आजकल लोग खाने के स्टालों पर शादी ब्याह में ऐसे टूटते हैं कि जैसे भीख बांटने किसी मोटे सेठ असामी को देखते ही भिखमंगे दौड़ते हैं। वही आजकल शादी ब्याह में लोगों का भी हाल रहता है ठेला- ठेली ,धक्कम -धक्की इस धक्का-मुक्की में खाना मुंह में कम और कपड़े ज्यादा खाते हैं ।पहले का सिस्टम ठीक था पातपंगत में बिठाकर राजा महाराजा के जैसे पूछ पूछ कर जिमाया जाता था। और महिलाओं को जनानखाने मे आदर के साथ खिलाया जाता था । पर अब तो भिखारियों की हालत है। बर्तन लेकर दौड़ो और टूट पड़ो। हां तो बता रहे थे.. सामने शादी चल रही है.. वह क्या है खाने पीने की बात आने पर बहुत कुछ भूल जाते हैं। सामने चल रही शादी में वर वधु को सातों वचन दिलाए जा रहे थे.. वैसे आजकल के जमाने में सात वचन में से दो चार वचन भी निभाया जाए तो दांपत्य सुखी नहीं अत्यंत सुखी रहता है..। और तभी पंडित जी ने सात वचन दिलाने के बाद स्पष्ट शब्दों में घोषणा किए - र्जजमान नए जमाने की शादी और नए जमाने को देखते हुए शादी के वचनों में दो वचनों की और एंट्री हुई है .. आठवां वचन है आप दोनों एक दूसरे को वचन दे कि सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर एक दूसरे की पोस्ट का सम्मान करेंगे और एक दूसरे को कभी ब्लॉक नहीं करेंगे.. अंतिम और नौवा वचन है आप दोनों एक दूसरे को सारे सोशल मीडिया अकाउंट के पासवर्ड शेयर करें तभी शादी संपूर्ण मानी जाएगी यह वचन अत्यंत ही महत्वपूर्ण है.. और शादीशुदा दांपत्य जीवन निर्बाध रूप से बिना कष्ट -भव -बाधा के चलते रहे इसके लिए,इसके लिए अत्यंत ही आवश्यक है। पंडित जी के वचन सुनकर दोनों दूल्हा-दुल्हन परेशान.. आखिर भरे मंडप में इंकार भी करें तो कैसे करें दूल्हा दुल्हन दोनों ने मरे -मराए मन से एक दूसरे को वचन दिया तथा पासवर्ड शेयर कर दिया.. लेकिन उनके हाव भाव देखकर.. उनकी बेबसी का साफ साफ अंदाजा लगाया जा सकता था। और इधर मैं ऊपर वाले का शुक्रिया अदा कर रही थी अच्छा हुआ आज के जमाने में मैंने शादी नहीं की एक शादी के लिए इतना बड़ा त्याग कौन करने जाए.. पासवर्ड.. शेयर ना बाबा ना.. किसी को देना मतलब र्आ बैल मुझे मारर्. या अपना सिर खुद ओखली में मुसलो के नीचे लाना। चलो भाई हम तो बच गये ।

जानलेवा बनती अजनबियों से अश्लील वीडियो कॉल्स

डॉ सत्यवान सौरभ

बहुत से लोग छेड़खानी और साइबरसेक्स के लिए वेबकैम का उपयोग करते हैं - लेकिन कभी-कभी जिन लोगों से आप ऑनलाइन मिलते हैं वे वे नहीं होते जो वे कहते हैं कि वे हैं। अपराधी नकली पहचान का उपयोग करके पीड़ितों से ऑनलाइन दोस्ती कर सकते हैं और फिर उन्हें अपने वेबकैम के सामने यौन क्रिया करने के लिए राजी कर सकते हैं, अक्सर शिकार को लुभाने के लिए एक आकर्षक महिला का उपयोग करते हैं। इन महिलाओं को वित्तीय प्रोत्साहन या धमकियों का उपयोग करके इन कार्यों में मजबूर किया गया हो सकता है। ये वेबकैम वीडियो अपराधियों द्वारा रिकॉर्ड किए जाते हैं जो फिर पीड़ितों के दोस्तों और परिवार के साथ छवियों को साझा करने की धमकी देते हैं। इससे पीड़ितों को बेहद शर्मिंदगी और शर्मिंदगी महसूस हो सकती है। पुरुष और महिला दोनों इस अपराध का शिकार हो सकते हैं, या तो उन्हें ब्लैकमेल किया जा सकता है या यौन कृत्यों को करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। बेहद आकर्षक महिला के नकली प्रोफाइल पहले से ही बनाए जाते हैं और उन्हें यथार्थवादी दिखने के लिए सावधानीपूर्वक देखभाल की जाती है, यानी प्रोफाइल की लंबी कालक्रम, नियमित अद्यतन, या आकर्षक और यथार्थवादी चित्रों को नियमित रूप से अपलोड करना आदि। इन नकली लेकिन वास्तविक प्रोफाइल से पहचाने गए लक्ष्यों के लिए मित्र अनुरोध भेजे जाते हैं। अनुरोध फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिंडर, डेटिंग या यहां तक कि वैवाहिक साइटों जैसे प्लेटफार्मों में अत्यधिक दोस्ताना और आकर्षक आकर्षक महिलाओं से हैं। इस घिनौने कृत्य के लिए, तकनीकी पहलुओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है और भोले-भाले शिकार का विश्वास हासिल करने के लिए 'सोशल इंजीनियरिंग' नामक मनोवैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। सोशल इंजीनियरिंग से तात्पर्य अपराधियों द्वारा धोखे और धोखाधड़ी के माध्यम से पीड़ितों को हेरफेर करने के लिए उपयोग की जाने वाली मनोवैज्ञानिक चाल से है। फिर स्कैमर्स उन्हें यौन लालच के वीडियो कॉल में शामिल होने के लिए लुभाते हैं और प्रेरित करते हैं, आमतौर पर गिरोह की महिला सहयोगियों को भद्दे वीडियो कॉल में लिप्त होने और इनबिल्ट या डाउनलोड किए गए स्क्रीन रिकॉर्डिंग ऐप का उपयोग करके उन्हें रिकॉर्ड करने के लिए प्रेरित किया जाता है। ये रिकॉर्ड की गई कामोत्तेजक क्लिप फिर जबरन वसूली के साधन बन जाते हैं जिससे पीड़िता को अनकहा आघात होता है। भारत में 70 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन (प्रत्येक अपने आप में एक शक्तिशाली कंप्यूटर की तरह काम कर रहे हैं) के साथ, सेक्सटॉर्शन के जाल फैलाने के लिए चारागाह हैं। यह भारतीय समाज में यौन इच्छाओं से जुड़े अत्यधिक पाखंड और कलंक के साथ मिलकर, लोगों को फंसाने के लिए एक अनुकूल प्रजनन स्थल की सुविधा प्रदान करता है। सेक्सटॉर्शन एक दर्दनाक, भयानक और अमानवीय उल्लंघन है जो पीड़ितों की उर्मा और सामाजिक स्तर से खेलता है। ऐसे में अपने आप को शिकार बनने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप इस बारे में बहुत सावधान रहें कि आप किसके साथ ऑनलाइन मित्रता करते हैं। खासकर यदि आप उनके साथ कुछ भी अंतरंग साझा करने पर विचार कर रहे हैं। घबराएं नहीं, पहला बड़ा कदम यह पहचानना है कि आप इसमें 'पीड़ित' हैं और जो कुछ हुआ है, उसमें आपकी मदद करने के लिए आपको समर्थन की आवश्यकता हो सकती है। ब्लैकमेल के तौर पर पैसे की बजाये उल्टा धमकाना सही उपाय हो सकता है लेकिन अनुभव से पता चलता है कि जहां पीड़ितों ने भुगतान किया है, वहां इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अपराधी अभी भी रिकॉर्डिंग पोस्ट नहीं करेंगे और वास्तव में आगे की मांगों के साथ वापस आने की अधिक संभावना है। संवाद न रखें, ब्लॉक कर दे क्योंकि इन धमकियों का जवाब देने से यह अपराधियों को संकेत मिलता है कि आप ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें अपनी फिरौती देने के लिए राजी किया जा सकता है। साथ ही आपके साथ क्या हुआ है इसकी रिपोर्ट करने के लिए आप अपने स्थानीय पुलिस बल (101) से संपर्क कर सकते हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है यदि आप इस मुद्दे से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यदि आपकी आयु 18 वर्ष से कम है, तो किसी विश्वसनीय वयस्क से बात करने पर विचार करें और बाल शोषण ऑनलाइन सुरक्षा के माध्यम से अतिरिक्त सहायता भी प्राप्त करें। इस अपराध के पीछे संगठित अपराध समूह ज्यादातर विदेशों में स्थित हैं। उनके लिए यह पैसा कमाने का एक कम जोखिम वाला तरीका है और वे कई पीड़ितों तक आसानी से ऑनलाइन पहुंच सकते हैं। पीड़ित अक्सर पुलिस को इन अपराधों की रिपोर्ट करने से चिंतित होते हैं क्योंकि वे शर्मिंदा होते हैं। जबकि सेक्सटॉर्शनिस्ट पीड़ितों को परेशान करने, शर्मिंदा करने, आघात करने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सकते हैं, यह उच्च समय है कि दानव को सिर के बल ले जाया जाए,और जागरूकता बढ़ाने और सेक्सटॉर्शन की बुराई के सामाजिक कलंक को दूर किया जाए। यह ध्यान देने योग्य है कि इंटरनेट कभी भी 'भूलता और माफ नहीं करता' और इसकी पहुंच और प्रसार बिजली से तेज और विशाल है। प्रभावशाली दिमाग वाली हमारी युवा पीढ़ी को यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए कि वे कभी भी अश्लील वीडियो कॉल में शामिल न हों और अगर कोई अजनबी अंतरंगता विकसित करने के लिए जल्दबाजी करता है, तो खतरे की घंटी बजनी चाहिए। रैकेटियों की रिपोर्ट करने और निडर होकर न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत है।

हिंदी भाषा के साथ क्षेत्रीय भाषाओं को समन्वयक होने की आवश्यकता

संजीव ठाकुर

भारत भौगोलिक सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधता वाला देश है। अनेकताओं के होने के बावजूद भारत की एकता अखंडता विश्व के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करती है। इन्हीं विभिन्नताओं में भाषाई विविधता भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है। भारत के लिए यह हमेशा कहा जाता रहा है कि,

कोस कोस में बदले पानी,
चार कोस पर बानी।

भारत में भाषाई विभिन्नताओं तथा विविधता के कारण भारत भाषाओं को लेकर काफी समृद्ध रहा है। और भारत की यही भाषाई विविधता तथा विभिन्नता वैश्विक स्तर पर भारत की एक विशिष्ट छवि निर्मित करती है, पूर्व काल से ही भारत देश में देश विदेश के भाषा प्रेमी भारत में आकर अनेक भाषाओं को सीखकर विद्वता से लाभान्वित हुए हैं। जैसे प्राचीन काल में चीनी यात्री व्हे नसांग व फाह्यान आदि भारत आकर भारतीय विविध भाषाओं का लाभ प्राप्त कर चुके हैं,और भारत का इतिहास भी इन्होंने रचा है। भारत में भाषाएं क्षेत्रीय हैं अलग-अलग प्रकार की हैं जैसे तमिल, तेलुगु,कन्नड़,मलयालम और इंडो चाइना परिवार से संबंधित भाषाओं में मणिपुरी,बोडो, गारो,खासी, लेपचा आदि शामिल है।

उत्तर भारत में पंजाबी, राजस्थानी,भोजपुरी, हरियाणवी आदि क्षेत्रीय भाषाओं में सम्मिलित है। प्राचीन भारत में ऋग वैदिक काल में संस्कृत भाषा भी मुख्य भाषा के रूप में मानी गई है। भारत में स्वतंत्रता काल में अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करने में भाषाई विविधता ने बड़ा महत्वपूर्ण कार्य किया है। पर स्वतंत्रता के बाद भाषा के आधार पर पृथक प्रत्येक राज्यों के निर्माण की मांग भी समय-समय पर तीव्रता से उठती रही है। इससे यह तो स्पष्ट हो जाता है कि विभिन्न भाषाएं न सिर्फ लाभ देती हैं किंतु चुनौतियां भी पेश करती हैं।

भाषाई आधार पर राज्य निर्माण की मांग एवं हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने पर विरोध दक्षिण भारत तथा उत्तर पूर्वी राज्य में उत्पन्न हुआ था। इनके अलावा उनकी अपनी स्थानीय भाषाओं जैसे राजस्थानी, मैथिली,डोंगरी आदि को भारतीय संविधान की आठवीं सूची में शामिल किया जाए,यह मांग लगातार उठती रही है। ऐसी भाषा ही विविधता पर विभिन्नता को लेकर यह सवाल समक्ष में आता है कि भाषाई स्वरूप क्या होना चाहिए। भाषाओं और बोलियों को राष्ट्रीय चरित्र निर्माण एवं राष्ट्रीय विकास के लिए बाधक तो किसी भी तरह नहीं होना चाहिए,बल्कि एक अच्छे समन्वयक की भूमिका निभानी चाहिए ।अन्यथा देश व समाज में कानून की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह उपस्थित होने लगेंगे। इसके अलावा एक जन्म भूमि, मातृभूमि के लोगों को भाषा के आधार पर फूट डालकर आपस में दुश्मनी करवाने का अंग्रेजों का तरीका फिर सामने आने लगेगा। जिससे राष्ट्रीयता की एकाग्रता भंग होगी। देश की हर भाषा एवं बोली को बोलने वाले लोगों को भाषाई मित्र, सहेली बन कर शालीनता का परिचय देना चाहिए। देश की विभिन्न भाषाओं बोलियों को एक दूसरे का पूरक होना चाहिए, एवं एक अच्छे समन्वयक की तरह राष्ट्र की संस्कृति साहित्य और विकास में योगदान दिया जाना चाहिए। समन्वयक भाषा से राष्ट्र के लिए अत्यंत आवश्यक है, यह लोगों के मध्य में सभी संचार तथा बोलचाल का सुगम माध्यम हो सकती है। जिससे विभिन्न समुदाय के लोगों में भाईचारा प्रेम शांति व सहयोग बढ़ता है। इससे समरसता भी निर्मित होती है और समाज में शक्ति के साथ शांति भी शामिल होती है। हर समाज में भाषा का बहुत ज्यादा महत्व तथा भूमिका होती है।समृद्ध भाषा राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देकर एकता और अखंडता को मजबूत करती है। विभिन्न भाषाएं ही भारत राष्ट्र की विशेषताएं हैं।

भाषा का समन्वय होना कई मायने में महत्वपूर्ण तथा प्रभावी है।यह वोट बैंक की राजनीति को भी दुर्बल करती है,राजनीतिक दलों द्वारा संकीर्ण मुद्दों तथा हितों को परे कर राष्ट्रीयता तथा राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देती है। भाषा पूरे देश में एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश जाने के लिए एक माध्यम का काम कर भारतीय पर्यटन को बढ़ावा देती है। जिससे विदेशी मुद्रा का लाभ भी होता है। सभी भाषाओं के एक सूत्र में पिरोने का समन्वय करने से क्षेत्रीय ता में कमी आ कर उग्रवाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद, क्षेत्रवाद की चुनौतियों को न्यून भी करती है।

सऊदी अरब में नया इस्लाम

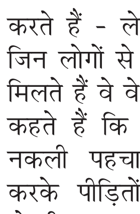
डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सऊदी अरब आजकल जितने प्रगतिशील कदम उठा रहा है, वह दुनिया के सारे मुसलमानों के लिए एक सबक सिद्ध होना चाहिए। लगभग डेढ़ हजार साल पहले अरब देशों में जब इस्लाम शुरू हुआ था तब की परिस्थितियों और आज की स्थितियों में जमीन-आसमान का अंतर आ गया है। इसके बावजूद दुनिया के ज्यादातर मुसलमान पुराने ढर्रे पर ही अपनी गाड़ी धकाते चले आ रहे हैं। सऊदी अरब उनका तीर्थ है। मक्का-मदीना उनका साक्षात स्वर्ग है। उसके द्वार अब औरतों के लिए भी खुल गए हैं। यह इतिहास में पहली बार हुआ है। वरना, पहले कोई अकेली मुस्लिम औरत हज या उमरा करने जा ही नहीं सकती थी। उसके साथ एक 'महरम' (रक्षक) का रहना अनिवार्य था। इसमें कोई बुराई उस समय नहीं थी, जब इस्लाम शुरू हुआ था। उस समय अरब लोग जहालत में रहते थे। औरतों के साथ पशुओं से भी बदतर व्यवहार किया जाता था लेकिन दुनिया इतनी बदल गई है कि अब औरतें अपने पांव पर खड़ी हो रही हैं। उन्हें हर समय अपनी रक्षा के लिए मर्दों की जरूरत नहीं है। अब वे अकेले ही मक्का-मदीना जा सकेंगी। सऊदी अरब में पहले औरतों को घरेलू प्राणी ही समझा जाता था। उन्हें स्कूल तक नहीं जाने दिया जाता था। 1955 में छात्राओं के लिए पहली बार स्कूल खोला गया। उनके लिए विश्वविद्यालय की पढ़ाई की शुरुआत 1970 में हुई। 2001 में पहली बार उनको परिचय-पत्र (आईडेन्टिटी कार्ड) दिए गए। 2015 में उन्हें पहली बार मताधिकार और 2018 में कार चलाने का लाइसेंस दिया गया। अब लड़कियों की जबरन शादी पर भी प्रतिबंध लग गया है। यह क्या है? यह इस्लामी सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं है बल्कि यह अरब की पुरानी और अप्रासंगिक हुई घिसी-पिटी परंपराओं से छुटकारा है। पैगंबर मुहम्मद ने अपने सिद्धांतों और व्यवहार से अरब जगत में उस समय जो नया उजाला फैलाया था, आज उसी को सऊदी अरब आगे बढ़ा रहा है। कोई आश्चर्य नहीं कि शीघ्र ही वह बुर्का और नकाब के बारे में भी कोई प्रगतिशील कदम उठा ले। तीन तलाक पर भारत ने जो क्रांतिकारी कानून बनाया है, उसे सारे इस्लामी देशों में लागू करवाने में भी सऊदी अरब को आगे क्यों नहीं आना चाहिए? यदि सऊदी अरब और ईरान-जैसे राष्ट्र डेढ़ हजार साल पुराने अपने पुरखों की नकल करते रहे तो वे इस्लाम की कुसेवा ही करेंगे। ऐसे इस्लाम के प्रति लाखों-करोड़ों मुसलमानों की कुरुचि हो जाएगी।

दिवाली पर सूर्य ग्रहण के चलते लगेगा सूतक

कब कर सकते हैं लक्ष्मी पूजा

ऐसे रहेगा ग्रहण काल
सूतक प्रारंभ - सुबह - 5.51 बजे से
ग्रहण स्पर्श - शाम - 4.51 बजे से
ग्रहण मोक्ष - शाम - 5.29 बजे

इस बार अमावस्या तिथि पर सूर्य ग्रहण का संयोग बन रहा है। जी दरअसल सबसे खास बात तो यह है कि दो दिन अमावस्या तिथि होने से सूर्य ग्रहण की पूर्व संध्या पर महालक्ष्मी पूजा कर दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। आप सभी को बता दें कि इसके अगले दिन सूर्य ग्रहण के 12 घंटे पूर्व सुबह से सूतक लगेगा। ऐसा होने के चलते दिनभर मंदिरों के पट बंद रहेंगे। जी हाँ और उसके बाद शाम के समय सूर्य ग्रहण समाप्त होगा और फिर मंदिरों की साफ-सफाई करके पट खोले जाएंगे। अंत में शयन आरती के पश्चात फिर मंदिर बंद कर दिए जाएंगे।

सूतक के पूर्व करें पूजा- 25 अक्टूबर को सुबह 5.51 बजे से ग्रहण का सूतक लगेगा इसलिए 24 अक्टूबर की रात्रि में ही महालक्ष्मी पूजन किया जाएगा। जी हाँ, हालाँकि ग्रहण काल से पहले सूतक के दौरान पूजा घर अथवा मंदिरों में देव प्रतिमाओं का स्पर्श नहीं करना चाहिए। इसी के साथ रात्रि में दीपावली पूजन के बाद सूतक लगने से पहले पूजा घर में रखे गए जेवर, रुपये को उठा लें और पूजा घर में पर्दा लगा लें।

मूर्तियों को स्पर्श न करें- सूतक लगने से पहले तक पूरी रात माँ महालक्ष्मी जी की पूजन कर सकते है। सूतक व ग्रहण काल मे देवमूर्ति का स्पर्श निषेध माना गया है। इस वजह से सूतक लगने के पहले ही पूजन स्थल पर रखे जेवर गहने नगद राशि आदि को उठा कर सुरक्षित जगह पर रख लेवें , पूजन स्थल में पर्दा लगा कर रख देवें।

ग्रहण में करें मंत्र जाप- ग्रहण का मोक्ष होने के पश्चात स्नान करके, जनेऊ, कलाई में बंधी मौली बदलकर पूजा घर की सफाई करके पूजन, आरती करें।

ग्रहण काल में भोजन न करें- जी दरअसल ऐसी मान्यता है कि ग्रहण काल में भोजन नहीं करना चाहिए। इस दौरान जितने अन्न का सेवन किया जाता है, उतने वर्ष तक अरुन्तुद नरक में वास करना पड़ता है। हालाँकि केवल बाल, वृद्ध, गर्भवती को ग्रहण के डेढ़ प्रहर यानी साढ़े चार घंटे पहले भोजन करने की छूट है।

धनतेरस के दिन मुख्य द्वार पर रखें ये चीजें

दिवाली का पर्व आने वाला है और इसके लिए सभी उत्साहित हैं। हालाँकि इस पर्व की शुरुआत धनतेरस के दिन से हो जाती है और ये भाई दूज के दिन से समाप्त होता है। आपको बता दें कि इन पांच दिनों में धनतेरस सबसे पहले आता है इसलिए इसका विशेष महत्व है। जी दरअसल ऐसी मान्यता है कि कई ऐसे उपाय हैं जिनको आजमाने से घर में धन और सुख-समृद्धि आती है। अब हम आपको उन उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं।

जी दरसल ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति धनतेरस के दिन मुख्य द्वार पर कुछ विशेष चीजें रखता है, उसके घर में सदैव समृद्धि बनी रहती है और धन की वर्षा होती है। इस साल धनतेरस 23 अक्टूबर की मनाया जाएगा और इस दिन यदि आप इन चीजों को मुख्य द्वार पर रखे।

माता लक्ष्मी के चरण- धनतेरस के दिन यदि आप मुख्य द्वार पर माता लक्ष्मी के चरण रखती हैं तो इससे घर के भीतर लक्ष्मी जी का आगमन होता है। जी हाँ, आप मुख्य प्रवेश द्वार के बाईं तरफ लक्ष्मी जी के चरण लगाएं और इस प्रकार लगाएं कि चरण बाहर से भीतर की तरफ आ रहे हों। ऐसा कहा जाता है ये लक्ष्मी माता के प्रवेश की ओर संकेत करता है।

प्रवेश द्वार पर स्वास्तिक बनाएं- अगर आप घर की समृद्धि चाहती हैं तो धनतेरस के दिन मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का चिह्न अवश्य बनाएं। जी दरअसल हिंदू धर्म में इस चिन्ह को लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है और ऐसा माना जाता है कि अगर आप धनतेरस के दिन मुख्य द्वार पर यह चिह्न बनाती हैं या फिर दरवाजे पर लटकाती हैं, तो माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मुख्य द्वार पर बंधनवार लगाएं - धनतेरस के दिन घर के मुख्य द्वार की अच्छी तरह से सफाई करें और ताजे फूलों तथा पत्तों का बंधनवार लगाएं। आम और अशोक के पत्तों का इस्तेमाल करें क्योंकि यह मुख्य रूप से फलदायी होगा।

मुख्य द्वार पर घी का दीया रखें - धनतेरस के दिन मुख्य द्वार पर घी का दीया जलाकर रखना चाहिए। जी हाँ और इसको प्रवेश द्वार के ठीक बाएं तरफ रखें।

तुलसी का पौधा - धनतेरस के दिन आपको घर के मुख्य द्वार पर तुलसी और मनी प्लांट का का पौधा रखना चाहिए। हालाँकि इस बात का ध्यान रखें कि ये पूरी रात के लिए घर के बाहर न छोड़ें बल्कि संध्या काल से रात्रि के समय तक ही इसे घर के बाहर रखें फिर इसे घर के भीतर कर लें।

काम कहीं से भी करें अपनी जिम्मेदारी के लिए सतर्क रहें

हमें अपने काम के लिए हर स्थिति में सतर्क रहना चाहिए। हम काम कहीं से भी करें, लेकिन अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करते रहना चाहिए। ये बात रामायण में श्रीराम के भाई भरत से सीख सकते हैं। जानिए भरत से जुड़ी खास बातें...

रामायण में श्रीराम, लक्ष्मण और सीता के लिए वनवास तय गया था। ये तीनों अयोध्या से वनवास के लिए निकल चुके थे।

कुछ ही समय बाद राम के वियोग में राजा दशरथ की मृत्यु हो गई थी। जब ये पूरा घटनाक्रम हुआ था, उस समय भरत और शत्रुघ्न अपनी नानी के यहां गए थे।

जब भरत और शत्रुघ्न अयोध्या लौटकर आए तो उन्हें पूरी बात मालूम हुई। श्रीराम, लक्ष्मण और सीता के वनवास जाने से भरत बहुत दुखी थी। भरत ने घर-परिवार और राज्य के सभी मंत्रियों से कहा कि मुझे ये राजपाठ नहीं चाहिए। हम राम को वापस अयोध्या ले आएंगे।

भरत की बात मानकर कौशल्या, सुमित्रा और कैकयी के साथ अयोध्या के सभी लोग श्रीराम को वापस बुलाने के लिए वन की ओर निकल पड़े। उन दिनों श्रीराम चित्रकूट में ठहरे हुए थे। भरत और अयोध्या के सभी लोग चित्रकूट पहुंच गए। भरत ने श्रीराम से कहा कि ये राज-पाठ मुझे नहीं चाहिए। आप वापस अयोध्या लौट चलें।

श्रीराम ने भरत को समझाते हुए कहा कि मैं अपने पिता राजा दशरथ के वचन का पालन करूंगा। यही मेरा कर्तव्य है कि मैं पिता के वचन को पूरा करूं।

भरत बार-बार श्रीराम को अयोध्या ले जाने के लिए जिद कर रहे थे। अंत में श्रीराम ने भरत को अपनी पादुकाएं दे दीं। भरत श्रीराम की पादुकाएं लेकर अयोध्या की ओर चल दिए, लेकिन उन्होंने अयोध्या नगरी में प्रवेश नहीं किया। बल्कि अयोध्या के बाहर नंदी ग्राम में एक कुटिया बनाकर रहने लगे।

नंदी ग्राम से ही भरत में अयोध्या का पूरा कामकाज बड़ी ही कुशलता से चलाया। भरत पूरे 14 वर्षों तक नंदी ग्राम में ही रहे। इस पूरे समय में अयोध्या में किसी तरह का कोई विवाद नहीं हुआ। पड़ौसी राजाओं ने राज्य पर आक्रमण नहीं किया। ये सब भरत की कुशलता की वजह से संभव हुआ।

भरत नंदी ग्राम में रहकर ही अयोध्या पर पूरी नजर रखते थे। हर एक बात के लिए वे हमेशा सतर्क रहते। भरत ने किसी को भी इस बात अहसास नहीं होने दिया कि अयोध्या में कोई राजा नहीं है।

भरत की सीख

भरत ने यहां हमें ये सीख दी है कि हम अपना काम कहीं से भी करें, लेकिन हमें अपनी जिम्मेदारियों के मामले में सतर्क रहना चाहिए। छोटी सी भी लापरवाही न करें, तभी काम एकदम परफेक्ट तरीके से पूरा हो सकता है।

दिवाली के दिन इस तरह करें शंख की पूजा

रातों-रात पलट जाएगी किस्मत

दिवाली का त्योहार बहुत ही नजदीक है। इस साल दिवाली 24 अक्टूबर 2022 को मनाई जाएगी। धनतेरस का त्योहार 22 अक्टूबर 2022 को मनाया जाएगा। वहीं नरक चतुर्दशी और दिवाली 24 अक्टूबर 2022 को मनाई जाएगी।

दक्षिणावर्ती शंख क्या है ?

भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और देवी दुर्गा के हाथों में जो शंख सुशोभित है वही दक्षिणावर्ती शंख कहलाता है। जिस शंख का मुंह दक्षिण भाग की ओर खुलता है उसे दक्षिणावर्ती शंख कहते हैं। भगवती मां लक्ष्मी और दक्षिणावर्ती शंख दोनों की उत्पत्ति समुद्र से हुई है। पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन से जो 14 रत्न प्राप्त हुए थे, उनमे से एक दक्षिणावर्ती शंख भी है।

दक्षिणावर्ती शंख के लिए उपाय

दिवाली के दिन दक्षिणावर्ती शंख घर लाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है की दक्षिणावर्ती शंख रखने से कभी धन की कमी नहीं होती।

दिवाली पर रात में मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान दक्षिणावर्ती शंख में गंगाजल भरकर पूजा की चौकी पर रखें दें।

साथ ही 'ॐ श्री लक्ष्मी सहोदराय नमः' का 108 बार जाप करें।

लक्ष्मी पूजन के बाद इसे लाल कपड़े में लपेट कर तिजोरी में रख दें।

ऐसा करने पर धन की समस्या नहीं होगी।

साथ ही धन की प्राप्ति होगी।

दक्षिणावर्ती शंख के लाभ

नकारात्मक शक्तियों का प्रवेश नहीं।

शत्रु नहीं पहुंचा पाते हानि

घर में लक्ष्मी जी का वास।

अगले 10 दिनों में बदलेगी 5 ग्रहों की चाल

लोगों की जॉब और बिजनेस में होंगे अचानक परिवर्तन, बाजार में बढ़ेगी उथल-पुथल

26 अक्टूबर के तक मंगल, सूर्य, शुक्र और बुध राशि बदलेंगे। शनि वक्री से मार्गी हो जाएगा। यानी सीधी चाल से चलने लगेगा। इन ग्रहों की चाल में होने वाले बदलाव का असर देश-दुनिया सहित मौसम और सभी राशियों पर पड़ेगा। इन ग्रहों का परिवर्तन होने पर लोगों की नौकरी और बिजनेस में अचानक बदलाव होंगे। सेहत और रोजगार संबंधी परिवर्तन भी आएंगे।

कैसी रहेगी ग्रहों की स्थिति

मुताबिक 16 अक्टूबर को मंगल, मिथुन राशि में आएगा। फिर 17 अक्टूबर को सूर्य, तुला राशि में प्रवेश करेगा। जो कि इस ग्रह की नीच राशि है। इसलिए लोगों को लेन देन में सावधानी रखनी चाहिए।

सरकारी नौकरी करने वालों की मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। 18 तारीख को शुक्र, तुला राशि में और 23 को शनि, मार्गी हो जाएगा।

महीने के आखिरी में 26 तारीख को बुध, तुला राशि में आ जाएगा। इन ग्रहों के असर से शेयर बाजार, आवासीय सेक्टर में उतार-चढ़ाव दिख सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में उन्नति की भी संभावना है। ऐसी घटनाएं भी सामने आ सकती हैं जिससे लोगों में गुस्सा और अवसाद बढ़ सकता है।

सूर्य, मंगल, बुध, शुक्र और शनि का परिवर्तन कैसे करेगा प्रभावित...

मंगल - मिथुन राशि में (26 अक्टूबर से 13 नवंबर तक) मंगल का असर शारीरिक ऊर्जा, ब्लड प्रेशर, स्वभाव में उत्साह, वीरता और गुस्सा, प्रॉपर्टी, व्हीकल, भाई, दोस्त, धातुओं में तांबे और सोने पर होता है। अगर मंगल का शुभ प्रभाव हो तो इन मामलों से जुड़ी परेशानियां होती है। वहीं शुभ प्रभाव से फायदा मिलता है।

शुभः मेष, सिंह और मकर

अशुभः वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ और मीन

सूर्य - तुला राशि में (17 अक्टूबर से 16 नवंबर तक) सूर्य ग्रह का असर शरीर में पेट, आंखें, दिल, चेहरे और हड्डियों पर होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से सिरदर्द, बुखार और दिल की बीमारियां होती हैं। आत्मविश्वास बढ़ता है। सम्मान और प्रसिद्धि मिलती है। जॉब और बिजनेस में तरक्की भी मिलती है।

शुभः वृष, सिंह, धनु और मकर

अशुभः मेष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, वृश्चिक, कुंभ और मीन

शुक्र - तुला राशि में (18 अक्टूबर से 11 नवंबर तक) इस ग्रह का असर इनकम, खर्चा, शारीरिक सुख-सुविधाएं, शौक और भोग-विलास पर होता है। यौन सुख संबंधी **मामलों में शुभ**-अशुभ बदलाव देखने को मिलते हैं। इसके अशुभ प्रभाव से खांसी और कमर के निचले हिस्सों में बीमारी होती है।

शुभः मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, कुंभ और मीन

अशुभः मेष, वृष और मकर

शनि - मकर राशि में मार्गी (17 जनवरी 2023 तक) 23 अक्टूबर को शनि मार्गी यानी सीधी चाल से चलने लगेगा। जो 17 जनवरी 2023 तक ऐसा ही रहेगा। जिससे शनि-मंगल का अशुभ योग बनेगा। क्योंकि शनि घनिष्ठा नक्षत्र में रहेगा जो कि मंगल का नक्षत्र है। जिससे कई लोग मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तनाव और डर बढ़ सकता है। देश में भी प्राकृतिक आपदाएं और दुर्घटनाओं की स्थिति बन सकती हैं।

शुभः सिंह, वृश्चिक और मीन

अशुभः मेष, वृष, मिथुन, कर्क, कन्या, तुला, धनु, मकर और कुंभ

बुध - तुला राशि में (26 अक्टूबर से 13 नवंबर तक) ग्रह के शुभ प्रभाव से शिक्षा, गणित, लेन-देन, निवेश और बिजनेस में फायदा मिलता है। इसके प्रभाव से फायदेमंद योजनाएं बनती हैं। इसके साथ ही शरीर में बुध का असर स्किन और आवाज पर पड़ता है। बुध के शुभ प्रभाव से इंसान चतुर बनता है।

शुभः वृष, कन्या, धनु, मकर और मीन

अशुभः मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक और कुंभ

बाइक राइड के दौरान लड़े थे श्रीराम और माधुरी के नैन, सुपर से भी ऊपर है यह प्रेम कहानी

बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक समय ऐसा था जब यहां पर धक धक गर्ल यानी माधुरी दीक्षित का सिक्का चलता था। हिंदी सिनेमा में फिल्म 'अबोध' से कदम रखने वाली माधुरी ने कम समय में लोगों को अपना दीवाना बना लिया था। उन्होंने अपने करियर में एक से एक फिल्म दी। लेकिन साल 1999 में माधुरी ने अमेरिकी डॉक्टर श्रीराम नेने से शादी रचाकर हर किसी को हैरान कर दिया था। माधुरी और श्रीराम नेने की शादी को पूरे 23 साल हो गए हैं। माधुरी दीक्षित ने जब श्रीराम नेने का हाथ थामा था तब वह अपने करियर के पीक पर थीं लेकिन फिर भी उन्होंने सिनेमा को छोड़कर अपने प्यार को चुना। आइए आपको आज के खास मौके पर उनकी लव लाइफ के बारे में बताते हैं।

माधुरी दीक्षित और श्रीराम नेने की पहली मुलाकात लॉस एंजलिस में हुई थी। मजेदार बात यह है कि डॉक्टर साहब को अभिनेत्री के बारे में कुछ भी नहीं पता था। इस बात का खुलासा उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में किया था। माधुरी ने बताया था कि डॉक्टर साहब से मेरी पहली मुलाकात संयोग से भाई की पार्टी (लॉस एंजेलिस) में हुई थी। वहां मैं यह जानकर हैरान थी कि उन्हें मेरे बारे में नहीं पता कि मैं एक एक्ट्रेस हूं और बॉलीवुड फिल्मों में काम करती हूं। श्रीराम नेने ने माधुरी दीक्षित से पहली मुलाकात में ही बाइक राइड का पूछ लिया था, जो माधुरी के लिए भी थोड़ा हैरानी भरा था। लेकिन यह चीज माधुरी को पसंद आई। वह डॉक्टर साहब के साथ पहाड़ों में बाइक राइड पर गई थी, जहां पर दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई। इंटरव्यू में माधुरी ने बताया था कि डॉ. नेने ने मुझसे पूछा था कि क्या आप मेरे साथ पहाड़ों पर बाइक राइड के लिए चलेंगी। मुझे ठीक लगा क्योंकि पहाड़ और बाइक दोनों थीं। लेकिन यह सफर आसान नहीं था। हालांकि, हमें वहीं जाकर एहसास हुआ कि हम एक-दूसरे से प्यार करने लगे हैं और फिर हमने डेटिंग शुरू कर दी।

मुस्लिम महिलाओं के लिए उर्वशी रौतेला ने दिया अपने बालों का बलिदान

ईरान में मचे बवाल पर कही ये बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. अब वो अपनी एक तस्वीर को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें एक्ट्रेस अपने बाल कटवातीं नजर आ रही हैं. कहा जा रहा है कि उर्वशी ने ईरानी महिलाओं द्वारा शुरू किए गए हिजाब आंदोलन के सपोर्ट में अपने बाल कटवाए हैं. उनका पोस्ट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. हाल ही में उर्वशी ने खुद को सोशल मीडिया पर 'बुली' की शिकार बताते हुए अपनी तुलना महसा अमिनी से की थी, जिनकी मौत के बाद ईरान में हिजाब आंदोलन शुरू हुआ. सोमवार को उर्वशी ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की, जिसमें वह अपने बाल कटवाती नजर आ रही हैं. फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मैंने बाल कटवा दिए! महसा अमिनी की गिरफ्तारी और मौत के बाद ईरानी महिलाओं और लड़कियों के समर्थन और उत्तराखंड की 19 वर्षीय लड़की अंकिता भंडारी के लिए मैंने बाल कटवाया. दुनिया भर में महिलाएं अपने बाल काटकर ईरानी सरकार के विरोध में एकजुट हो रही हैं. महिलाओं का सम्मान करें. बालों को महिलाओं की खूबसूरती का प्रतीक माना जाता है.' अपनी पोस्ट में उर्वशी ने आगे लिखा, 'सार्वजनिक रूप से बाल काटकर महिलाएं दिखा रही हैं कि उन्हें समाज के सौंदर्य मानकों की परवाह नहीं है और वे कुछ भी या किसी को यह तय नहीं करने देंगे कि वे कैसे कपड़े पहनती हैं, व्यवहार करती हैं या रहती हैं. एक बार जब महिलाएं एक साथ आती हैं और एक महिला के मुद्दे को पूरी नारी जाति का मुद्दा मानती हैं, तो नारीवाद में एक नया जोश दिखाई देगा.' उर्वशी इन दिनों आस्ट्रेलिया में भारतीय क्रिकेट टीम को वर्ल्डकप में सपोर्ट करने के लिए मौजूद हैं.

नयनतारा और निर्देशक विग्नेश शिवन के जुड़वां बच्चों के केस में बड़ा खुलासा, छह साल से शादीशुदा है कपल!

तमिल सिनेमा जगत की मशहूर जोड़ी अभिनेत्री नयनतारा और निर्देशक विग्नेश शिवन ने इस महीने की शुरुआत में पैदा हुए दो बच्चों के माता-पिता बनने के लिए सरोगेसी कानूनों का उल्लंघन किया या नहीं, इसकी जांच के दौरान मीडिया की खबरों में दावा किया गया कि दंपति ने एक हलफनामे में कहा था कि उन्होंने छह साल पहले शादी की थी. रिपोर्टों में दावा किया गया है कि तमिलनाडु स्वास्थ्य विभाग को सौंपे गए हलफनामे में दंपति ने कहा कि बच्चों को जन्म देने वाली सरोगेट मां नयनतारा की रिश्तेदार थी. माना जा रहा है कि दंपति ने यह भी कहा था कि उन्होंने छह साल पहले अपनी शादी का पंजीकरण कराया था.

विग्नेश शिवन की इस साल 9 जून को नयनतारा के साथ हुई भव्य शादी ने सुर्खियां बटोरी थीं. उन्होंने 9 अक्टूबर को घोषणा की थी कि नयनतारा और वह माता-पिता बन गए हैं, तो इसने सबको चौंका दिया. ऐसा इसलिए, क्योंकि एक जोड़े के लिए सरोगेसी का लाभ उठाने की एक शर्त यह है कि उनकी शादी को कम से कम पांच साल हो चुके हों.

बता दें, निर्देशक विग्नेश शिवन और उनकी पत्नी, अभिनेत्री नयनतारा के जुड़वा बच्चे हुए हैं. इस खुशखबरी की जानकारी कपल ने रविवार को सोशल मीडिया द्वारा दी. इंस्टाग्राम पर शिवन ने घोषणा करते हुए नवजात शिशुओं के पैरों की तस्वीरें साझा कीं. कैप्शन में उन्होंने लिखा है, "नयन और मैं अम्मा और अप्पा बन गए हैं. हमें जुड़वां बच्चों का आशीर्वाद मिला है. हमारी सभी प्रार्थनाएं, हमारे पूर्वजों का आशीर्वाद, सभी अच्छी अभिव्यक्तियों के साथ मिलकर, हमारे लिए दो धन्य बच्चों के रूप में एक साथ आए हैं."

रश्मिका मंदाना ने किया था विजय देवरकोंडा को प्रपोज? लेकिन, शादी की बात पर इसलिए मुकर गईं

नेशनल क्रश कही जाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। फिल्मों और अभिनय के अलावा अक्सर रश्मिका की पर्सनल लाइफ को लेकर भी आए दिन खबरें आती रहती हैं। लंबे वक्त से एक्ट्रेस का नाम साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ जोड़ा जा रहा है। बता दें कि दोनों की मुलाकात फिल्म 'गीता गोविंदम' के सेट पर हुई थी। यहीं से दोनों के बीच दोस्ती की शुरुआत हुई और यह दोस्ती वक्त के साथ पक्की होती गई। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस एक बातचीत के दौरान तो खुद यह कह चुकी हैं कि वह अपने पूर्व मंगेतर रक्षित शेट्टी से ज्यादा विजय देवरकोंडा को मानती थीं। एक बार एक मीडिया बातचीत के दौरान रश्मिका ने कहा था कि वह रक्षित शेट्टी के साथ अपने रिश्ते को खत्म होने का दर्द झेल रही थीं तब देवरकोंडा ने उनका बहुत साथ दिया। रश्मिका ने कहा कि उस मुश्किल वक्त में विजय देवरकोंडा ने उनकी काफी अच्छे से देखभाल की और उन्हें एक कंफर्ट जोन दिया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि विजय देवरकोंडा की मदद के बाद ही उन्हें यह अहसास हुआ कि इस सब से परे भी एक दुनिया है, जो उन्हें गले लगाने का इंतजार कर रही है। विजय देवरकोंडा को लेकर रश्मिका का कहना है कि वह एक सिंपल शख्स हैं, जो अपनी दुनिया में खुश रहता है। रश्मिका का कहना है, 'गीता गोविंदम' के दौरान हम सिर्फ दोस्त थे, लेकिन एक ऐसी चिंगारी थी, जिसे हम नजरअंदाज नहीं कर सकते थे। कभी-कभी, मेरा दिल कहता था कि 'वह स्पेशल है। हालांकि, 'डियर कॉमरेड' में एक साथ काम करना शुरू करने के बाद कुछ बदलाव देखने को मिले।' रश्मिका के मुताबिक, 'एक समय पर, मैंने विजय देवरकोंडा से अपने प्यार का इजहार किया था, लेकिन वह शुरू में झिझक रहा था, लेकिन उनके पास भी मेरे लिए एक स्पेशल फीलिंग थी, तब उन्होंने स्वीकार कर लिया कि जिस तरह से हमारा प्यार पनपा है, उससे हम खुश हैं। वह रक्षित शेट्टी की तरह असुरक्षित व्यक्ति नहीं है और न ही मुझे अपने करियर को पीछे छोड़ने की बात करता था। वह एक स्वतंत्र विचार वाले व्यक्ति हैं और चाहते हैं कि मैं हमेशा ऐसे ही रहूं।' रश्मिका की इन सभी बातों को सुनने के बाद उनके प्रशंसकों को लगा था कि अब वह और विजय देवरकोंडा जल्द शादी करेंगे। हालांकि, बाद में रश्मिका ने खुलासा किया था कि फिलहाल उनकी शादी करने की कोई योजना नहीं है। फिलहाल दोनों अपने-अपने करियर में एक अहम पड़ाव पर हैं। उन्होंने कहा था, 'मैं कम से कम अगले 5-7 साल तक शादी नहीं करने वाली।'

दुनिया की सबसे खूबसूरत महिलाओं में दीपिका पादुकोण एक मात्र भारतीय

हाल ही में विज्ञान के हिसाब से जोडी कॉमर को दुनिया में सबसे खूबसूरत महिला के चेहरे के रूप में चुना गया है। इस लिस्ट में दस महिलाओं के नाम घोषित किए गए हैं, जिनमें बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने भी अपनी जगह बना ली है। दीपिका पादुकोण एकमात्र भारतीय महिला हैं। जिनका नाम दुनिया की दस खूबसूरत महिलाओं की लिस्ट में शामिल हुआ है। तो चलिए जानते हैं कि इस लिस्ट में किस-किस का नाम शामिल है और दीपिका कौन से नंबर पर हैं।

सबसे पहले बता दें कि इस सूची को एक वैज्ञानिक के द्वारा जारी किया गया है। जिन्होंने दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला चेहरों की सुंदरता का अनुपात मापने में प्राचीन ग्रीक तकनीक को लागू करने के लिए कंप्यूटरीकृत मैपिंग स्ट्रैटेजी का इस्तेमाल किया है। जिसमें जोडी के चेहरे को रेशियो के हिसाब से 98.7 प्रतिशित स्कोर मिला है।

इस नंबर पर रहीं दीपिका पादुकोण

जानकारी के मुताबिक, यूके स्थित प्लास्टिक सर्जन, डॉ जूलियन डी सिल्वा ने जोडी कॉमर को स्टडी के हिसाब से दुनिया के सबसे खूबसूरत महिला चेहरे के लिए चुना है। इसमें अभिनेत्री जेंडाया, मॉडल बेला हदीद को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रखा गया है। वहीं इस लिस्ट में बेयॉन्से और किम कार्दशियन ने भी जगह बनाई है। बात करें दीपिका पादुकोण की तो वह दुनिया की 10 सबसे खूबसूरत महिलाओं की लिस्ट में नौंवे नंबर पर रहीं।

जोडी कॉमर के अलावा सेलेब्स के गोल्डन रेशियो स्कोर प्रतिशत में कुछ इस तरह से दिए गए हैं। जेंडाया (94.37), बेला हदीद (94.35), बेयॉन्से (92.44), एरियाना ग्रांडे (91.81), टेलर स्विफ्ट (91.64), जॉर्डन डन (91.39), किम कार्दशियन (91.28), दीपिका पादुकोण (91.22) और होयोन जंग (89.63)।

मैं इतना थक गई थी कि मैं और कुछ नहीं कर सकती थी : उर्फी जावेद

तेज म्यूजिक में भी सोती रहीं एक्ट्रेस

अपने ड्रेसिंग सेंस से लोगों के होश उड़ा देने वाली उर्फी जावेद जब भी कैमरे के सामने आती हैं तो लोग उनके कपड़े देखकर दंग रह जाते हैं. 15 अक्टूबर को उर्फी का बर्थडे था. इस बर्थडे सेलिब्रेशन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर छाए रहे, जिसमें उर्फी दोस्तों के साथ जमकर पार्टी करती नजर आईं. वहीं उर्फी ने पार्टी का एक ऐसा इनसाइड वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनकी हालत कुछ ऐसी दिख रही है, जिसे देखकर आप भी कहेंगे कि ये उर्फी ही है. उर्फी जावेद की पार्टी में उनकी हालत का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

ऐसी बन गई है हालत

उर्फी जावेद द्वारा शेयर किए गए वीडियो में आप देखेंगे कि उर्फी ने सिंपल ब्लैक टी-शर्ट पहनी हुई है और उसके साथ क्रीम कलर का शॉर्ट्स पहने सोफे पर लेटी हुई है. एक्ट्रेस को देखकर लगता है कि उन्होंने पार्टी में हद से ज्यादा एन्जॉय किया है.

इस वीडियो में जहां उर्फी चैन की नींद सो रही है वहीं वीडियो के पीछे उर्फी के कई दोस्त लाउड म्यूजिक में बर्थडे पार्टी एन्जॉय करते नजर आ रहे हैं. इस वीडियो को खुद उर्फी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'बर्थडे एक्सपेक्टेशन वर्सेज रियलिटी. मैं इतना थक गई थी कि मैं और कुछ नहीं कर सकती थी.

मलाइका अरोड़ा ने बताई एक्टिंग से दूरी की वजह

बोलीं- हिचकिचाहट की वजह से हुई दूर, लेकिन अगर कोई एक्साइटिंग रोल मिला तो जरूर करूंगी

मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपने एक्टिंग कमबैक के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अगर कोई एक्साइटिंग रोल मिला तो वो जरूर फिल्मों में काम करेंगी। साथ ही उन्होंने ये भी खुलासा किया कि वो 12 साल से एक्टिंग से क्यों दूर हैं।

मलाइका से ई-टाइम्स से बातचीत के दौरान पूछा गया कि उन्होंने किसी फिल्म में फुल फ्लेज्ड रोल क्यों नहीं किया? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'मुझे शायद हमेशा ही इस बात से हिचक रही है। लेकिन आने वाले समय में कोई एक्साइटिंग और मजेदार ऑफर मिला, तो मैं उसे जरूर करूंगी। मेरा मानना है कि कभी भी किसी भी चीज को मना नहीं करना चाहिए। भगवान की दया से मुझे ढेरों ऑफर मिल रहे हैं। अगर सच में मुझे कुछ एक्साइटिंग रोल मिला, जिसे सुनकर मैं खुश हो जाऊं तो मैं उसे जरूर करूंगी।'

मलाइका से आगे पूछा गया कि उन्हें डांस बहुत पसंद है, तो क्या आने वाले समय में वो कोई डांस फिल्म करेंगी? इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे इसका कोई आइडिया नहीं है। कुछ भी हो सकता है। मैं जिस तरह की इंसान हूं, उससे अलग तरह के रोल भी कर सकती हूं।'

मलाइका ने 20 साल की उम्र में काम शुरू कर दिया था और फिल्म 'दिल से' के सॉन्ग 'छैंया-छैंया' से रातों रात स्टार बन गई थीं। उसके बाद उन्होंने कई डांस नंबर्स में काम किया जैसे 'रंगीलो मारो ढोलना', 'मुन्नी बदनाम हुई', आदि। मलाइका एक्टर-प्रोड्यूसर के तौर पर इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं।

मलाइका आखिरी बार 2010 में आई फिल्म 'हाउसफुल' में एक्टर के तौर पर नजर आई थीं। इसके अलावा उन्होंने 2014 में आई फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' में कैमियो किया था।

शादी करने जा रही है 'कोई मिल गया' की एक्ट्रेस हंसिका

क्या जल्दी यंग दिखने के लिए लिया था इंजेक्शन?

ऋतिक रोशन की सुपरहिट फिल्म 'कोई मिल गया' तो आपने देखी ही होगी. फिल्म में रोहित (ऋतिक रोशन) के कई बच्चे दोस्त होते हैं, जिनमे से एक क्यूट लड़की ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा. हीरोइन को इंप्रेस करने के लिए रोहित को तरकीब बताने वाली वो लड़की अब काफी बदल गई है, और साउत की जानी-मानी स्टार बन गई हैं. जी हां, हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी की जो दिसंबर में शादी करने वाली हैं. 'कोई मिल गया' से पहले हंसिसा ने कई टीवी सीरियल्स में भी काम किया था.

450 साल पुराने पैलेस में करेंगी शादी

हंसिका मोटवानी अब अपने फैंस को बड़ा सरप्राइज देने जा रही हैं, वो साल के आखिरी महीने यानी दिसंबर में शादी के बंधन में बंध जाएंगी. मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक शादी के लिए जयपुर का 450 साल पुराना किला बुक किया गया है, जिसमें हंसिका का रॉयल वेडिंग होगी. साल की शुरुआत में हंसिका के अफेयर और शादी को लेकर चर्चा शुरू हुई थी, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि वो इस साल शादी के बंधन में बंध सकती हैं. अब एक टीवी चैनल ने इस बात की पुष्टि की है कि हंसिका की शादी जयपुर के मुंडोता फोर्ट एंड पैलेस में होगी.

अचानक बड़ी दिखने लगी थीं हंसिका

हालांकि अभी तक शादी की तारीख सामने नहीं आई है, लेकिन उस खास दिन के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं. पैलेस के एक सूत्र ने बताया कि दिसंबर में हंसिका की शादी की मेजबानी के लिए पैलेस पूरी तरह तैयार है. ये पैलेस दिल्ली के पांच घंटे की ड्राइव की दूरी पर है. हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड एक्ट्रेस के तौर पर की थी. 'कोई मिल गया' के बाद जब उन्होंने लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म 'आप का सुरूर' की तो लोग उन्हें देखकर हैरान हो गए थे. महज 4 साल में ही हंसिका इतनी यंग दिखने लगी थीं कि लोग तरह-तरह की बातें बनाने लगे. हंसिका मोटवानी की मां मोना पेशे से डर्मेटोलॉजिस्ट हैं, जो कई सेलिब्रिटीज का ट्रीटमेंट किया करती थीं. उनके प्रोफेशन और हंसिका के अचानक इतनी यंग नजर आने को लेकर कई तरह के दावे और आरोप लगने लगे. कई लोगों ने तो आरोप लगाया कि हंसिका को बड़ा दिखाने के लिए उनकी मां ने उन्हें इंजेक्श दिया, क्योंकि वो खुद डर्मेटोलॉजिस्ट हैं. इन दावों के साथ ऐसे कई आर्टिकल्स आपको इंटरनेट पर मिल जाएंगे. हालांकि कभी हंसिका या उनकी मां मोना ने इन अफवाहों और आरोपों पर कोई बयान नहीं दिया.

क्या आहार से भी प्रभावित होती है याददाश्त ?

तेजी से दौड़ती-भागती इस दुनिया में कुछ चीजों को भूल जाना सामान्य है। हाल ही में मिले किसी व्यक्ति का नाम भूल जाना, चीजों को रखकर उसे आसानी से ढूंढ न पाना, इस तरह की समस्याएं हम सभी को अक्सर होती रहती हैं, पर अगर यही समस्या आपको दिन में कई बार होने लगे तो ऐसी स्थिति को सामान्य नहीं माना जा सकता है। याददाश्त में कमजोरी की समस्या के चलते यदि आपका दैनिक जीवन प्रभावित होने लगे तो इस तरह की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक कमजोर याददाश्त की समस्या के कई कारण हो सकते हैं। खान-पान में कमी, जीवनशैली में खराबी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कई अन्य प्रकार की दिक्कतों में लोगों को कमजोर याददाश्त की समस्या हो सकती है। डॉक्टर कहते हैं, यदि जीवनशैली की कुछ आदतों को ठीक कर लिया जाए तो याददाश्त में कमी की दिक्कत को

काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में ऐसी ही कुछ सामान्य आदतों के बारे में जानते हैं, जिसके कारण लोगों को याददाश्त से संबधित दिक्कतें हो सकती हैं।

कमजोर यादादश्त की समस्या के क्या कारण हो सकते हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, आपको यह महसूस हो सकता है कि समय-समय पर आपकी याददाश्त कमजोर होती जा रही है। उम्र के साथ शरीर में होने के बदलाव के कारण ऐसा होना स्वाभाविक है, पर अगर कम उम्र में ही आपको बार-बार चीजें भूल जाती हैं तो इस बारे में सावधान हो जाने की जरूरत है। डॉक्टर कहते हैं, कई सारी स्थितियां आपकी याददाश्त को कमजोर कर सकती हैं। विटामिन बी-12 की कमी, नींद की समस्या, शराब या नशीली दवाओं का उपयोग, कैंसर उपचार जैसे किमोथेरेपी या रेडिएशन, सिर की चोट या मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी के कारण भी कुछ लोगों को यह दिक्कत हो सकती है।

तनाव कम लेने से याददाश्त में हो सकता है सुधार

हार्वर्ड की किताब इम्प्रोविंग मेमोरीः अंडरस्टैंडिंग एज-रिलेटेड मेमोरी लॉस में याददाश्त को कमजोर करने वाली कुछ आदतों का जिक्र मिलता है।

इस किताब में लेखक बताते हैं, जो लोग अधित तनाव लेते हैं उनमें अन्य लोगों की तुलना में याददाश्त की कमजोरी की समस्या अधिक हो सकती है। तनाव की स्थिति, नशे की ही तरह ही मस्तिष्क की यादों को संग्रहित करने की क्षमता को कमजोर करती जाती है। तनाव का प्रबंधन करके कमजोर याददाश्त की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

आहार से भी प्रभावित होती है याददाश्त

डॉक्टर कहते हैं, स्वस्थ आहार आपके मस्तिष्क के लिए भी उतना ही अच्छा माना जाता है जितना कि आपके हृदय के लिए। फल, सब्जियां और साबुत अनाज, मछली, बीन्स और प्रोटीन युक्त आहार को भोजन में शामिल करने से आपके याददाश्त की समस्या में सुधार हो सकता है। कमजोर याददाश्त की समस्या वाले लोगों को आहार में बादाम को जरूर शामिल करना चाहिए।

अच्छी नींद लेना बेहद आवश्यक

याददाश्त में कमजोरी की समस्या को कम करने में अच्छी नींद लेना काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। जिन लोगों को अक्सर चीजों को भूल जाने की समस्या रहती है उन्हें पर्याप्त नींद लेने को प्राथमिकता बनानी चाहिए।

वयस्कों को रात में सात से नौ घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए। हालांकि ध्यान रखें यदि आपको नींद न आने की समस्या है तो इसकी पूर्ति के लिए नींद की दवाइयों का सहारा न लें, यह और अधिक नुकसानदायक हो सकता है।

हार्ट अटैक और स्ट्रोक से बचने के लिए रात में 10 से 11 बजे के बीच में सो जाइए

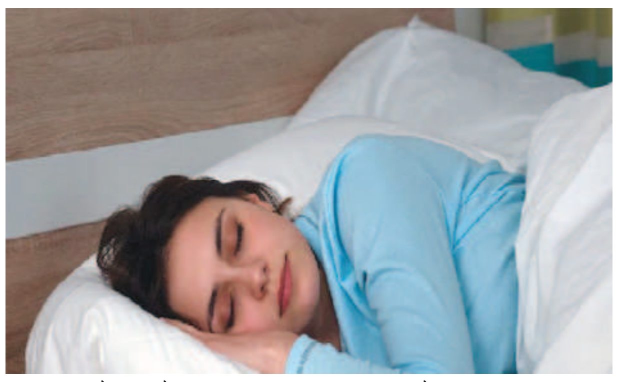

हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा घटाना है तो रात में 10 से 11 बजे के बीच सो जाइए। वैज्ञानिक इस समय को 'गोल्डन आवर' कहते हैं, उनका मानना है इंसान के सोने का समय और दिल की बीमारियों के बीच एक कनेक्शन पाया गया है। खासकर महिलाओं में जो देर से सोती हैं।

यह दावा इंग्लैंड की एक्सेटर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अपनी हालिया रिसर्च में किया है। शोधकर्ताओं का कहना है, अगर आप आधी रात में या काफी देर से सोने के लिए जाते हैं तो हार्ट डैमेज हो सकता है।

इंसान की नींद और दिल की बीमारी के बीच है ये कनेक्शन

शोधकर्ताओं का कहना है, इंसान की नींद और दिल की बीमारी के बीच एक कनेक्शन है। जो लोग देरी से सोते हैं वो सुबह देरी से उठते हैं, उनकी बॉडी क्लॉक डिस्टर्ब हो जाती है। हार्ट पर बुरा असर पड़ता है। इस तरह रात में जल्दी सोकर दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकते हैं।

88 हजार लोगों पर हुई रिसर्च

शोधकर्ताओं का कहना है, हमनें 43 से 74 साल के बीच के 88 हजार ब्रिटिश वयस्कों पर रिसर्च की। रिसर्च में शामिल लोगों के हाथ में ट्रैकर पहनाया गया।

ट्रैकर के जरिए उनके सोने और उठने की एक्टिविटी को मॉनिटर किया गया। इसके अलावा उनसे लाइफस्टाइल से जुड़े सवाल-जवाब भी किए गए।

ऐसे लोगों में 5 साल तक हार्ट डिजीज, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हार्ट फेल्योर का मेडिकल रिकॉर्ड रखा गया और इसकी तुलना की गई।

क्या कहते हैं रिसर्च के परिणाम

रिसर्च के रिजल्ट बताते हैं कि जिन मरीजों में हर रात 10 से 11 बजे के बीच नींद लेना शुरू किया उनमें हृदय रोग के मामले सबसे कम थे। वहीं, जो लोग आधी रात के बाद सोते हैं, उनमें यह खतरा 25 फीसदी तक अधिक होता है।

बॉडीक्लॉक को बिगड़ने से रोकती है नींद

यूरोपियन हार्ट जर्नल में पब्लिश रिसर्च कहती है, हम लोगों को प्रेरित कर रहे हैं कि जल्दी सोकर दिल की बीमारियों का खतरा कम किया जा सकता है। शोधकर्ता डॉ. डेविड प्लान्स कहते हैं, 24 घंटे चलने वाली शरीर की अंदरूनी घड़ी ही हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखती है। इसे सरकेडियन रिदम कहते हैं। देर से सोने पर सरकेडियन रिदम बिगड़ती है। इसलिए इसे बेहतर करने की जरूरत है।

कब्ज से हैं परेशान तो अलसी के बीज अपने आहार में शामिल करें

इंसान के स्वस्थ रहने के लिए स्वस्थ आहार का सेवन करना भी जरूरी होता है। फल और सब्जियां तो वैसे सेहत के लिए फायदेमंद होती ही हैं, लेकिन इसके अलावा कुछ प्रकार के बीज भी होते हैं, जिन्हें सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। इसमें अलसी के बीज भी शामिल हैं। अलसी के सेवन से स्वस्थ और निरोग रहने में मदद मिलती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि शरीर में प्रोटीन की पूर्ति के लिए हर उम्र के व्यक्ति को अपने आहार में अलसी के बीजों को शामिल करना चाहिए। इससे आप पर्याप्त पोषण पा सकते हैं। इसके अलावा अनेक बीमारियों में अलसी के बीज 'रामबाण औषधि' का काम भी करते हैं। कई रोगों के इलाज में इसके सेवन की सलाह दी जाती है। दरअसल, अलसी में फाइबर से लेकर मैंगनीज, थायामिन और मैग्नीशियम जैसे खनिज अच्छी खासी मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए बेहद ही उपयोगी होते हैं।

कब्ज से दिला सकता है राहत

अलसी के बीजों में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए इसका इस्तेमाल अक्सर कब्ज से छुटकारा पाने के लिए प्राकृतिक इलाज के रूप में किया जाता है। आप अपने आहार में अलसी को शामिल कर पाचन क्रिया में सुधार कर सकते हैं। इसके लिए एक गिलास पानी में एक बड़ी चम्मच पिसी हुई अलसी दिन में एक या दो बार पिएं, इससे आपकी कब्ज की समस्या ठीक हो जाएगी।

आंतों की समस्याओं से भी दिला सकता है राहत

अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाए जाते हैं, जिन्हें इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज और आंतों के सूजन में सुधार करने में उपयोगी माना जाता है। इसका सेवन मल त्यागने की प्रक्रिया को आसान बना देता है और साथ ही इससे आंतों की समस्याओं में भी राहत मिलती है।

दिल की बीमारियों को रखता है दूर

अलसी के बीज में पाए जाने वाले ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल को स्वस्थ रखने में भी

महत्वपूर्ण होते हैं। इससे दिल की धड़कन को सामान्य बनाए रखने में मदद मिलती है। अगर आप नियमित रूप से अलसी का सेवन करते हैं तो यह आपको दिल की कई बीमारियों से दूर रख सकता है। यह रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को भी कम करने में उपयोगी होता है।

अलसी के नुकसान

अधिक मात्रा में किसी भी चीज का सेवन नुकसानदायक ही होता है। अलसी के साथ भी ऐसा ही है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अलसी के बीज का अधिक मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे आंतों में रुकावट पैदा हो सकती है और साथ ही दस्त की समस्या भी हो सकती है। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को भी अलसी के सेवन से बचना चाहिए।

दिल, दिमाग और मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रखने के लिए हफ्ते में चार दिन सुबह टहलना जरूरी

45 साल की उम्र के बाद हमारे शरीर में कई तरह के परिवर्तन शुरू हो जाते हैं। सबसे अधिक असर स्किन, सेहत और क्षमता पर पड़ता है। जैसे- बाल पतले होना, दांतों में खराबी, हड्डियों में कमजोरी, पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन के स्तर में कमी, मेटाबॉलिज्म धीमे हो जाना और हृदय का कमजोर होना जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। महिलाओं में इसे मेनोपॉज कहा जाता है।

शरीर में होने वाले इन निगेटिव बदलावों को पौष्टिक खानपान और एक्सरसाइज की मदद से काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। अहमदाबाद के कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. मिलिंद प्रकाशकर से जानिए उम्र के इस पड़ाव पर किन बातों का ध्यान रखें

45 के बाद शरीर के 4 बड़े बदलाव और बचाव के तरीके

कद : लंबाई 1 से 3 इंच तक कम हो सकती है

45 की उम्र के बाद कोशिकाओं का क्षरण तेजी शुरू हो जाता है।

हड्डियों का घनत्व घटने लगता है। शरीर में पानी की मात्रा कम होने लगती है। इस उम्र के बाद लंबाई हर 10 साल में लगभग 1 सेमी कम हो जाती है। क्या करना चाहिएः हफ्ते में 4 दिन 30 मिनट वेट एक्सरसाइज

वेट, रजिस्टेंस एक्सरसाइज हड्डियों के लिए बेस्ट हैं। ये ग्रेविटी के विरुद्ध काम करने के लिए मजबूर करती हैं, हड्डियां मजबूत होती हैं।

दिल : 400 एमएल तक ब्लड कम पंप होता है

धड़कन 60 बीट प्रति मिनट से कम हो सकती है। हर दशक के बाद रक्त पंप की क्षमता 5 से 10% तक कम हो जाती है। 25 की उम्र में दिल 2.4 लीटर ब्लड पंप करता है जबकि 45 की उम्र में घटकर 2 लीटर रह जाता है। क्या करना चाहिएः मैक्सिमम हार्ट रेट के 80% के साथ 30 मिनट कार्डियो। 220 में से वर्तमान उम्र घटाने पर मैक्सिमम हार्ट रेट जानी जा सकती है। इसकी 80% क्षमता के साथ हफ्ते में 4 दिन 30 मिनट का कार्डियो करें।

मेटाबॉलिज्म : शरीर की क्रियाएं प्रभावित होती हैं

आराम की अवस्था में जो कैलोरी बर्न होती है उसे आरएमआर कहते हैं। काम करने में जो कैलोरी बर्न होती है उसे एनईएटी कहा जाता है। इन क्रियाओं के माध्यम से बर्न होने वाली कैलोरी में 30 फीसदी तक की कमी आ जाती है। क्या करना चाहिएः डिनर के बाद 15 मिनट जरूर टहलें भले ही आप अधिक एक्सरसाइज न करें, लेकिन डिनर के बाद 15 मिनट की वॉक ज़रूर करनी चाहिए। मेटाबॉलिज्म सुधरेगा।

दिमागः वजन 5% तक घटने लगता है

40 के बाद मस्तिष्क का वजन हर 10 साल में लगभग 5% तक घटने लगता है। न्यूरॉन्स के बीच कनेक्शन में कमी आने लगती है। ब्लड फ्लो भी कम होता है। नए नाम याद करने, शब्द रिकॉल करने में दिक्कत आती है।

क्या करना चाहिएः सभी पांचों इंद्रियों का करें भरपूर इस्तेमाल। बेहतर याददाश्त के लिए सभी इंद्रियों आंख, नाक, कान, जीभ और त्वचा का उपयोग करना चाहिए। ये हमारी भावनाओं से जुड़ी होती हैं।

पांडु रोग क्या है ?

प्रश्न : मेरी उम्र 24 वर्ष है ।काफी कमजोरी आ गई है।हमारे वैद्यजी कहते हैं की पांडु रोग हो गया है। यह क्या है ? और इसको दूर करने के उपाय क्या है? कृपा कर बताएं।

– निरंजन शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : पांडु वह रोग है जिसमें रक्त में रक्त कणिकाओं की गुणात्मक और मात्रात्मक कमी होने से रोगी का रंग पीताभ हो जाता है। इसके पूर्व रूप में हृदय में अत्यधिक स्पंदन,(पल्पिटेशन) मुख का सूखना , पसीना कम आना, और शरीर में थकावट होना आदि होते हैं ।

इसके प्रमुख लक्षणों में : पीतभासता, भोजन के पचाने की शक्ति में कमी, भोजन में अरुचि, अत्यधिक लालास्राव, थकावट , कमजोरी, शरीर की कांति का ह्रास, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, ज्वर, ठंडे पदार्थों से अरुचि, हाथ पैरों में दर्द व ऐंठन, शरीर में भारीपन, श्रम पर श्वासकष्ट आदि मिलते हैं । मोटी भाषा में इसे ₹एनीमिया₹ या खून की कमी भी का सकते हैं ।

ऊंझा मंडूर भस्म को शहद में मिलाकर चाटने से लाभ होता है। ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया, धात्री लोह टिकिया , आमलकी रसायन, लोहासव, पंचासव आदि का भोजन के बाद वैद्यकीय संरक्षण में प्रयोग खून की कमी को दूर करता है।

खट्टे व नमकीन पदार्थ, पचने में भारी भोजन , बहुत अधिक पानी पीना , धूप में फिरना, बहुत ज्यादा मेहनत करना ,अधारणीय वेगों का धारण करना आदि का पाण्डुरोग में निषेध है।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। रात में कम दिखाई देता है। आंख की झिल्ली पर सफेद निशान भी आ गए हैं। क्या इस का आयुर्वेद में इलाज है ?

– प्रभाकर राव, वरंगल

उत्तर : रात में कम दिखाई देना या नहीं दिखाई देना रतौंधी कहलाता है। ऐसी स्थिति जीवनीय तत्व -ए की कमी से उत्पन्न होती है। आहार में जीवनीय तत्वों की कमी, लंबे समय तक अपच की स्थिति, बार-बार जुलाब लेने की आदत के चलते ऐसी हालत हो सकती है। जीवनीय तत्व ए की कमी है अक्सर बड़ी उम्र वालों या बच्चों में ही होती है। इसकी कमी से आंख की झिल्ली पर सफेद दाग जिन्हें बिटाट स्पॉट कहते हैं-पनप सकते हैं। इलाज नहीं किए जाने पर अंधेपन का

खतरा बना रहता है।

आयुर्वेद में इसका इलाज है। सुबह-शाम गाय के गुनगुने दूध में त्रिफला घृत मिलाकर पीने से जल्दी ही लाभ होता है। इसी दूध के साथ ऊंझा सप्तामृत लौह टिकिया लेवें। दूध, घी, मक्खन आदि का प्रयोग करें । हर रोज गाजर और चुकंदर के 50 मिलीलीटर रस में 10 मिलीलीटर शहद मिलाकर पीने से जीवनीय तत्वों के अभाव की पूर्ति होती है। सभी प्रकार के पीले फल- उदाहरण के लिए -आम, पपीता, संतरा, मौसमी आदि भरपूर मात्रा में प्रयोग पोषक तत्वों के संग विटामिन ए भी पहुंचाते हैं। यह औषधि क्रम 6 से 8 महीने तक धैर्य पूर्वक चालू रखें। इससे अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 70 वर्ष है। मेरे घुटनों में भयंकर दर्द होता है । उठने- बैठने, चलने -फिरने में कठिनाई होती है। पेट साफ नहीं रहता। कब्ज की शिकायत है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– भवानीशंकर वर्मा , सिकंदराबाद

उत्तर : बढ़ती उम्र में संधिवात की समस्या आम हो गई है। इसे ही आस्टियों आर्थराइटिस कहते हैं। घुटनों की संधियों में स्थित श्रेष्ठ कफ 'सायनोवियल फ्लुइड' कम हो जाने से हड्डियों में घर्षण होने के कारण संधिशोथ और तीव्र पीड़ा होने लगती है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वातगजांकुश रस व ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस की गोली भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा महारास्नादि क्वाथ १५-१५ मिलीलीटर को 3 गुने निवाए पानी में मिलाकर लेवें। दर्द व सूजन दोनों ही कम होने लगेंगे।औरा रुमाटाईज टिकिया या ऊंझा रुमूव कैप्सूल को सोंठ मिश्रित दूध से लेने पर दर्द में बहुत जल्दी राहत मिलने लगती है। ऊंझा महानारायण तेल या रुमाटाईज तैल की मालिश करें। ऐसा करने से तुरंत फायदा होने लगता है।

गरिष्ठ भोजन, भोजन पर भोजन, तीखे मिर्च मसालेदार भोजन, बासी भोजन, वात वर्धक आहार-विहार का त्याग करें। ताजा ,संतुलित, सुपाच्य व पौष्टिक भोजन करें। तनाव, चिंता से दूर रहें। हल्का व्यायाम करना प्रारंभ कर दें। धीरे-धीरे दर्द में आराम होने लगेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

तुलसी कई बीमारियों का है रक्षा कवच, जानें इसके सेवन से क्या होता है लाभ

प्राचीन काल से तुलसी की पूजा की जाती रही है. कई ग्रंथों में इसके औषधीय गुणों के कारण इसका इस्तेमाल कई बीमारियों को दूर करने के लिए किया जाता है. अधिकांश हिंदू घरों में तुलसी का पौधा होता है. इसका अगर साइंटिफिक तरीकों पर विचार करें तो तुलसी रात के समय ऑक्सीजन का उत्सर्जन करता है. लेकिन बाकी पौधे ऐसा नहीं करते हैं. आयुर्वेद में तुलसी के पौधे के हर भाग को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बताया गया है. इसमें कई औषधीय गुण होते हैं. तो आइए जानते हैं इसमें मौजूद खूबियों के बारे में जो कई रोगों से बचाता है. यदि कहीं चोट लग जाती है तो तुलसी के पत्ते को फिटकरी के साथ मिलाकर लगाने

से घाव तुरंत ठीक हो जाता है. तुलसी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल तत्व घाव को पकने नहीं देता है. इसके पत्ते को तेल में मिलाकर लगाने से जलन भी कम होती है.

अनियमित पीरियड्स को दूर करने में है मददगार

यदि महिलाओं को पीरियड्स में अनियमितता की शिकायत है तो तुलसी के बीज का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है. इसके अलावा तुलसी के पत्तों का नियमित सेवन करने से मासिक चक्र की अनियमितता भी दूर होती है.

दस्त की समस्या से मिलता है छुटकारा

यदि आप दस्त की समस्या से बहुत परेशान हैं तो तुलसी के पत्तों का सेवन लाभकारी होता है. इसके पत्ते को जीरे के साथ मिलाकर पीस लिया जाता है और उसे दिन में 3 से 4 बार चाटना होता है. ऐसा करने से दस्त रुक जाती है.

यौन रोगों की समस्या को करता है दूर

तुलसी के बीज का इस्तेमाल पुरुषों में होने वाली शारीरिक कमजोरी के लिए बेहद फायदेमंद है. इसका नियमित सेवन करने से यौन-दुर्बलता और नपुंसकता को दूर करने में काफी हद तक मददगार होता है.

बढ़ाता है चेहरे की चमक

तुलसी स्कीन संबंधी बीमारियों के लिए फायदेमंद है. इसका इस्तेमाल करने से चेहरे पर कील-मुहांसे खत्म हो जाते हैं और चेहरा क्लीन हो जाता है.

कैंसर का खतरा होता है कम

कई रिसर्चों में बताया गया है कि तुलसी का बीज कैंसर के इलाज में कारगर होता है. हालांकि, इस बारे में अभी तक पुष्टि नहीं हुई है.

सांस की दुर्गंध को करता है दूर

तुलसी के पत्ते का इस्तेमाल करने से सांस की दुर्गंध को दूर करने में काफी हद तक फायदेमंद होते हैं. नेचुरल होने के कारण इसका कोई साइडइफेक्ट भी नहीं होता है. यदि आपके मुंह से बदबू आ रही हो तो तुलसी के कुछ पत्तों को चबा लें. इससे दुर्गंध चली जाती है.

-निर्मला बैद

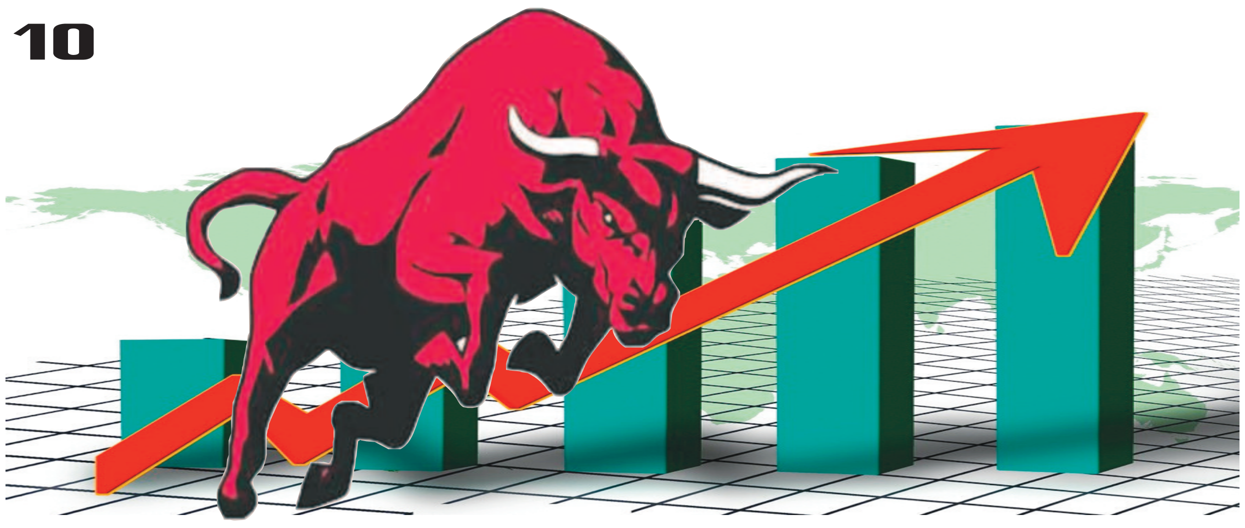

नए क्षेत्रों को भी मिल सकते हैं 35000 करोड़, नए रोजगार होंगे पैदा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। साइकल, चमड़ा, वैक्सीन की कुछ सामग्री और दूरसंचार के कुछ उत्पादों के लिए 35,000 करोड़ की पीएलआई योजना पर सरकार विचार कर रही है। इससे घरेलू विनिर्माण को जहां बढ़ावा मिलेगा, वहीं रोजगार भी पैदा होंगे। सूत्रों ने बताया, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को खिलौनों के साथ कुछ केमिकल और शिपिंग कंटेनर्स तक भी बढ़ाया जा सकता है। इस प्रस्ताव पर अभी चर्चा हो रही है।

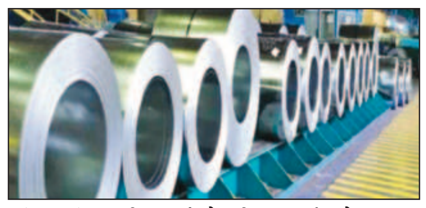

अंतर-मंत्रालयी चर्चा में पीएलआई को इन सभी क्षेत्रों तक बढ़ाने पर बात हुई है। इन उद्योगों से और कुछ विभागों से इस तरह की मांग आने के बाद यह फैसला लिया गया है। सरकार 2 लाख करोड़ रुपये की पीएलआई योजना को 14 क्षेत्रों तक बढ़ाई है। एक अधिकारी ने बताया, इस 2 लाख करोड़ में से अभी कुछ रकम बची है। इसे अन्य क्षेत्रों में लगाए जाने की योजना पर अभी चर्चा चल रही है। एक अधिकारी ने बताया कि पीएलआई योजना का उद्देश्य भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाना है। साथ ही आधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना है। दक्षता सुनिश्चित करने के साथ अर्थव्यवस्था और निर्यात बढ़ाने का भी लक्ष्य है।

तेजी में बंद हुआ शेयर बाजार:सेंसेक्स 491 अंक बढ़कर 58,410 पर बंद हुआ, निफ्टी 126 अंक चढ़ा; बैंकों के शेयर सबसे ज्यादा भागे

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार (17 अक्टूबर) को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 491 अंकों की तेजी के साथ 58,410 पर बंद हुआ। निफ्टी 126 अंक बढ़कर 17,311 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयरों में तेजी रही। वहीं सिर्फ 7 शेयरों में ही गिरावट देखने को मिली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, रिलायंस, मारुति और कोटक बैंक समेत 37 शेयर्स निफ्टी-50 के गेनर्स रहे। वहीं हिंडाल्को, एलटी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचसीएल टेक और ब्रिटानिया समेत 13 शेयर्स निफ्टी के लूजर्स रहे। एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 9 में तेजी रही। पीएसयू बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.47% की तेजी देखने को मिली। बैंक, प्राइवेट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में 1% से ज्यादा की बढ़त दिखी। इनके अलावा फार्मा, ऑटो, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर में मामूली तेजी देखने को मिली। वहीं मीडिया, मेटल और रियल्टी सेक्टर में गिरावट रही। शुक्रवार को ग्लोबल मार्केट के पॉजिटिव संकेतों का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया था। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार तेजी में बंद हुआ था। सेंसेक्स 684 अंकों की तेजी के साथ 57,919 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 171 अंक बढ़कर 17,185 पर बंद हुआ था।

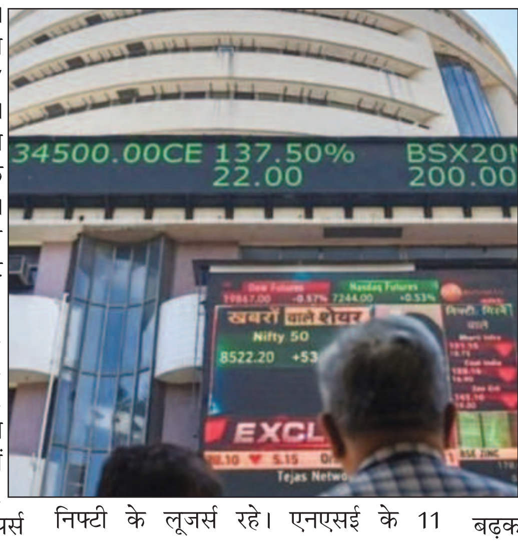

दूध के बाद अब प्याज हुआ महंगा, नई फसल आने तक रुलाएगा

कुछ ही दिन में 50 किलो पहुंचेगा भाव

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दूध की कीमतों में आए उबाल के बाद अब प्याज रुलाने को तैयार है। देश भर में प्याज की कीमतों में तेजी आई है। द प्रिंट प्रेस जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह में आवश्यक वस्तुओं की दरों में लगभग 60-80% की वृद्धि देखी गई है। बता दें पिछले हफ्ते देश के दो सबसे बड़े मिल्क ब्रांडों अमूल और मदर डेयरी ने इनपुट लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए फुल क्रीम दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। समाचार पोर्टल ने कहा है कि कीमतों में उछाल तब तक जारी रहेगा जब तक कि नवंबर के

पहले सप्ताह तक ताजा फसल बाजार में नहीं आ जाती। खबर के मुताबिक प्याज का खुदरा मूल्य कई जगहों पर 40 प्रति किलोग्राम को पार कर गया है। व्यापारियों ने कहा है कि प्याज बहुत जल्द 50 प्रति किलोग्राम के पार भी जा सकता है। अक्टूबर की शुरुआत में खुदरा बाजार में प्याज 15 से 25 प्रति किलोग्राम के बीच उपलब्ध था। स्टॉक (गोदाम) से प्याज का खरीद मूल्य एक पखवाड़े पहले की तुलना में लगभग 30-40% अधिक है। इसलिए, प्याज का खरीद मूल्य 15 और 30 प्रति किलोग्राम के बीच है। एक व्यापारी ने कहा कि रबी की फसल आने के बाद कीमतों में स्थिरता आएगी। कुल प्याज उत्पादन में रबी प्याज का योगदान 70% है। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) ने गुजरात को छोड़कर सभी बाजारों में अमूल गोल्ड (फुल क्रीम) और भैंस के दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। अमूल गोल्ड का रेट 61से बढ़ाकर 63 प्रति लीटर हो गया है, जबकि आधा लीटर के पैक की कीमत 31 के मुकाबले 32 हो गई है। भैंस के दूध की कीमत 63 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 65 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

त्योहारों पर मिला है उपहार तो भरना होगा टैक्स,अन्य स्रोतों का इनकम है

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन में उपहारों का लेनदेन सामान्य बात है। कंपनियां भी अपने कर्मचारियों को दिवाली पर बोनस के रूप में नकदी या उपहार देती हैं। अगर आपको भी दशहरा में कोई उपहार मिला है या दिवाली में मिलने वाला है तो आयकर नियमों के तहत आपको टैक्स का भी भुगतान करना होगा। आयकर कानून-1961 की धारा 56(2) के तहत मिले उपहारों को 'अन्य स्रोतों से आय' माना जाता है। अगर आपको एक वित्त वर्ष में 50,000 रुपये से अधिक कीमत का उपहार मिला है तो इस पर स्लैब के हिसाब से टैक्स भी चुकाना होगा। आयकर कानून के

मुताबिक, अगर कंपनी से कोई गिफ्ट वाउचर मिला है या 5,000 रुपये से कम राशि का तोहफा मिला है तो टैक्स नहीं लगेगा। पर, एक वित्त वर्ष में यह रकम 5,000 से अधिक होती है तो इसे वेतन का हिस्सा माना जाता है। इस पर कर्मचारी को टैक्स देना होता है। दोस्तों से मिले उपहार को 'अन्य स्रोतों से आय' माना जाता है। इसके लिए एक वित्त वर्ष में 50,000 रुपये की सीमा तय है। अगर आप दोस्तों से एक वित्त वर्ष में 50,000 रुपये से अधिक कीमत का उपहार लेते हैं तो टैक्स का भुगतान करना होगा। अगर उपहार में चल-अचल संपत्ति मिली है तो उसकी कीमत और स्टांप शुल्क की कीमत के बीच के अंतर की रकम को कर योग्य माना जाता है। मान लीजिए, अगर कोई आपको संपत्ति ट्रांसफर करता है और उसकी असली कीमत एवं स्टांप शुल्क की कीमत के बीच 50,000 रुपये से ज्यादा का अंतर है तो उसे कर योग्य माना जाएगा।

यात्री वाहनों का निर्यात बढ़ा, दोपहिया में नरमी, मारुति सबसे आगे

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश का यात्री वाहनों (पीवी) का निर्यात चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में दो फीसदी बढ़कर 1,60,590 इकाई पर पहुंच गया। हालांकि, इस दौरान वाणिज्यिक,दोपहिया और तिपहिया समेत कुल वाहनों के निर्यात में गिरावट आई है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के मुताबिक, 2021-22 की समान अवधि में 1,57,551 यात्री वाहन निर्यात हुए थे। आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान वाणिज्यिक, दोपहिया और तिपहिया समेत कुल 12,54,560 वाहनों का निर्यात किया गया। पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 14,10,711 रहा था। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, यात्री वाहनों के निर्यात मोर्चे पर बेहतर स्थिति रही है। लेकिन, कुल वाहनों का निर्यात बेहतर नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय मुद्राओं की तुलना में डॉलर में मजबूती के साथ एशिया व लैटिन अमेरिका के विभिन्न देशों को विदेशी मुद्रा की सुरक्षा के लिए आयात प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर किया गया। इसका असर भी दिखा। सियाम के मुताबिक, सितंबर तिमाही में कारों का निर्यात 5 फीसदी घटकर 97,300 इकाई रह गया।

वैन के निर्यात में भी गिरावट आई है। हालांकि, यूटिलिटी वाहनों का निर्यात 16% बढ़कर 63,016 इकाई पहुंच गया।

देश में पांच साल में आ सकता है 475 अरब डॉलर का एफडीआई

एमएनसी ने भारत को आकर्षक निवेश गंतव्य माना

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुधारों और विकास दर पर ध्यान देने से भारत पांच वर्षों में 475 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल कर सकता है। ईवाई और भारतीय उद्योग परिसंघ की रिपोर्ट के मुताबिक, 71 फीसदी बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) ने अपने वैश्विक विस्तार के लिए भारत को आकर्षक निवेश गंतव्य माना। 96 फीसदी एमएनसी ने कहा कि वे लंबे समय के लिए, भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में सकारात्मक हैं। एमएनसी ने जीएसटी, विभिन्न क्षेत्रों में

डिजिटल प्रथाओं को बढ़ावा देने और कराधान में पारदर्शिता सहित अन्य सुधारों की सराहना की। ज्यादातर बहुराष्ट्रीय कंपनियों को लगता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तीन-पांच वर्षों में बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारत में पिछले दशक में एफडीआई में लगातार वृद्धि देखी गई है। 2021-22 में रिकॉर्ड 84.8 अरब डॉलर की एफडीआई आई थी। ईवाई इंडिया के पार्टनर (कर एवं नियामक सेवाएं) सुधीर कपाड़िया ने कहा, भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक उभरते हुए विनिर्माण केंद्र, बढ़ते उपभोक्ता बाजार और सरकारी-निजी क्षेत्रों के डिजिटल परिवर्तन में एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में देखा जा रहा है। एमएनसी को उम्मीद है कि सरकार कारोबारी सुगमता को जारी रखने के साथ मुक्त व्यापार समझौता शीघ्रता से करेगी। इसके साथ ही जीएसटी में भी जरूरी सुधार करेगी।

अडानी ने खरीदी यह कंपनी, अब घाटे में आई सितंबर तिमाही में हुआ 91 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीमेंट बनाने वाली कंपनी एसीसी लिमिटेड ने सोमवार को सितंबर तिमाही के नतीजें जारी कर दिए। कंपनी को एक साल पहले की तुलना में जुलाई से सितंबर के बीच 91 करोड़ का नेट घाटा हुआ है। सालभर पहले इसी तिमाही कंपनी को 449 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। एनालिस्ट्स को सितंबर तिमाही में 133 करोड़ के लाभ की रिपोर्ट की उम्मीद की थी। बता दें कि कंपनी ने जून तिमाही में 222 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया था। एसीसी ने स्टॉक एक्सचेंजों को एक फाइलिंग में कहा कि साल-दर-साल में नेट सेल्स 7% बढ़कर 3,910 करोड़ हो गई। एबिटा (ब्याज, कर, डिप्रेशिएशन और परिशोधन से पहले की कमाई) 712 करोड़ के मुकाबले 16 करोड़ थी, जो कि फ्यूल लागत में भारी वृद्धि के कारण काफी हद तक प्रभावित हुई है। एबिटा मार्जिन 0.4% पर आया, जो एनालिस्ट के 6% की उम्मीद से काफी कम है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में एसीसी की सीमेंट की मात्रा सालाना आधार पर 4% बढ़ी, जबकि रेडी मिक्स कंक्रीट में सालाना आधार पर 10% की वृद्धि दर्ज की गई। एसीसी अडानी सीमेंट का एक हिस्सा है। हाल ही में गौतम अडानी की कंपनी ने एसीसी का अधिग्रहण किया है। कंपनी सीमेंट और रेडी-मिक्स कंक्रीट के भारत के प्रमुख प्रोडक्शन में से एक है। कंपनी के पास 17 निर्माण स्थल हैं, 83 से अधिक कंक्रीट प्लांट हैं। कंपनी के शेयर बीएसई पर 0.64% बढ़कर 2,258.00 पर कारोबार कर रहे थे।

अगले 14 दिन में 9 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अक्टूबर महीना आधे से ज्यादा निकल चुका है। फेस्टिव सीजन के कारण महीने के शुरुआती दो हफ्तों में कई दिन बैंक बंद रहे। अगले 14 दिनों यानी 18 से 31 अक्टूबर के दौरान कुल 9 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। अगर आपको आने वाले दिनों में बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है तो जल्द निपटा लें। रिजर्व बैंक के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार 17 अक्टूबर के बाद दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज सहित अन्य कई अवसरों पर बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, राज्यों और शहरों में बैंकों की छुट्टियां अलग-अलग होती हैं। कई राज्यों के वहां के स्थानीय प्रमुख त्योहारों पर ही बैंकों में अवकाश होता है। ऐसे में यहां देख लें कि आपके राज्य और शहर में बैंक कब-कब बंद रहेंगे। 22 से 24 अक्टूबर तक सभी जगह बैंक बंद रहेंगे।

रेलवे ने आईएफआरसी के अध्यक्ष अमिताभ बनर्जी को हटाया

वित्तीय गड़बड़ी और पद के दुरुपयोग का आरोप

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेलवे ने अपने सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) 'इंडियन रेल फाइनेंस कॉरपोरेशन' (आईआरएफसी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अमिताभ बनर्जी को कथित वित्तीय गड़बड़ी और पद के दुरुपयोग को लेकर हटा दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। हाल ही में सरकार ने 'नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड' (एनएचएसआरसीएल) के प्रबंध निदेशक को भी भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त कर दिया था, उसके कुछ दिनों बाद अब यह बड़ी कार्रवाई की गई है। आईआरएफसी, रेलवे के स्वामित्व वाला सार्वजनिक क्षेत्र

का उपक्रम (पीएसयू) है, जो रेलवे को रोलिंग स्टॉक की खरीद और बुनियादी ढांचे की संपत्ति के निर्माण के लिए पैसा उधार देता है। सूत्रों के मुताबिक, रेलवे ने अक्टूबर 2020 में बनर्जी के खिलाफ विजिलेंस जांच को मंजूरी दी थी। इस जांच में पाया गया कि बनर्जी जनवरी 2020 में अपने परिवार के साथ नई दिल्ली के ग्रीन पार्ट एक्सटेंशन में चार बेडरूम वाले घर में शिफ्ट हो गए। उसके बाद उन्होंने जनवरी 2020 में अपने घर को आईआरएफसी 'गेस्ट हाउस' में तब्दील कर दिया और करीब दो लाख रुपये प्रतिमाह किराया लेते रहे। आईआरएफसी अधिकारी अमिताभ बनर्जी के खिलाफ रेलवे द्वारा यह कार्रवाई करने का फैसला एक पूर्व कर्मचारी की शिकायत की जांच के बाद लिया गया है। रेल मंत्रालय ने आईआरएफसी की निदेशक (वित्त) शैली वर्मा को तीन महीने के लिए सीएमडी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए कहा है। वहीं बनर्जी ने सभी आरोपों का खंडन किया है।

आरके सिंह: गैर-जीवाश्म ईंधन से होगा बिजली उत्पादन, 2030 तक 65 प्रतिशत होगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में बिजली उत्पादन क्षमता को जल्द ही गैर-जीवाश्म ईंधन पर केंद्रित करने की तैयारी चल रही है।

इसको लेकर बिजली एवं ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा है कि 2030 तक बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत से अधिक होगी। भारतीय उद्योग परिसंघ के हरित ऊर्जा पर आयोजित एक सम्मेलन में ऊर्जा मंत्री ने कहा, भारत ने बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने का लक्ष्य तय किया है। 2030 तक 90 गीगावाट से अधिक सौर उपकरण निर्माण क्षमता होगी। वर्तमान में यह क्षमता 20 गीगावाट है। ऊर्जा मंत्री ने बताया, लगभग 15-20 गीगावाट सौर उपकरण विनिर्माण क्षमता निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा भारत में उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 40 गीगावाट क्षमता वाले संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने उच्च दक्षता वाले सौर उपकरणों के विनिर्माण में बदलाव करने का भी आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि देश में पहले ही 170 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है, जबकि अन्य 80 गीगावॉट निर्माणाधीन है। देश की 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की योजना है।

सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए गुड न्यूज

धनतेरस-दिवाली से पहले आज इतना हो गया सस्ता

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनतेरस-दिवाली से पहले सर्राफा बाजार से अच्छी खबरें आने लगी हैं। कुछ दिन पहले तक राकेट बने सोने के भाव में गिरावट जारी है। सोमवार यानी आज सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। चांदी आज 590 रुपये प्रति किलो सस्ती खुली तो सोना 123 रुपये प्रति 10 ग्राम नीचे। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक आज 24 कैरट सोने का भाव 50315 रुपये पर खुला। वहीं, चांदी 590 रुपये प्रति किलो सस्ती होकर 55452 रुपये पर आ गई। आईबीजेए द्वारा जारी यह औसत रेट है। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। आपके शहर में हो सकता है कि इस सोना-चांदी इस रेट से 500 से 2000 रुपये तक महंगा या सस्ता बिक रहे हों। सोने की कीमत के अलावा किसी भी गहने को तैयार करने में श्रम लगता है। इसके साथ इस पर नगीना यानी स्टोन भी लगाए जाते हैं। आमतौर जिस गहने को बनाने

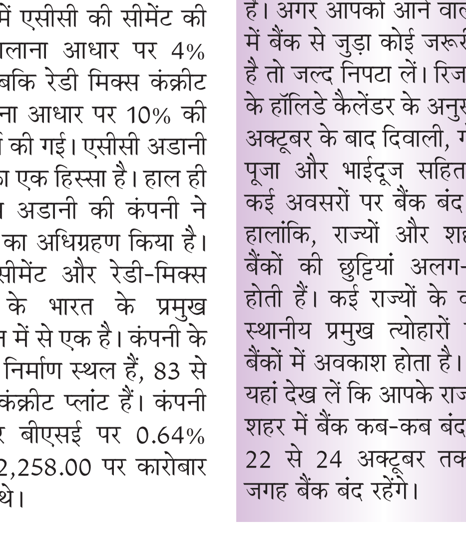

में सुनार (कारीगर) ज्यादा समय लगाते हैं या स्टोन का बारीक काम करते हैं उन पर मेकिंग चार्ज उतना ज्यादा होता है। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5939 रुपये सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 20556 रुपये सस्ती है। जीएसटी समेत 24 कैरेट सोने का भाव 51824 रुपये है। 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब जीएसटी के साथ 51617रुपये पर पहुंच गई है। आज यह 50114 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 46089 रुपये प्रति 10 ग्राम है। अब 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ सोने की कीमत 47471 रुपये है। 18 कैरेट गोल्ड का रेट 37736 रुपये पर है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 38868 रुपये हो गई है। 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 29434 रुपये प्रति 10 ग्राम है। इसमें जीएसटी जोड़ लें तो इस सोने का भाव 30317 रुपये पर पहुंच गया है। हालमार्क वाली ज्वैलरी पर हॉलमार्क का निशान और कुछ अंक जैसे 999, 916, 875 लिखे होते हैं। इन्हीं अंकों में आपके सोने की शुद्धता का राज छुपा होता है। ध्यान रहे हालमार्क के निशान के साथ 999 नंबर वाले सोने की ज्वैलरी 24 कैरेट की होती है। 999 का मतलब इसमें सोने की शुद्धता 99.9 फीसदी है। इसी तरह 23 कैरेट सोने पर 995, वहीं 22 कैरेट सोने पर 916, 21 कैरेट पर 875, 18 कैरेट पर 750 अंक पड़े होते हैं।

चीन चित, अब 40% लाइटिंग देसी

गलवान में संघर्ष के बाद से देश के लाइटिंग बाजार पर बढ़ा भारत का दबदबा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली नजदीक आते ही रोशनी के इस त्योहार के लिए लाइटिंग का बाजार सज गया है। 1,000 करोड़ रुपए के इस बाजार पर कई साल से चाइनीज प्रोडक्ट्स का 100% कब्जा था। हालांकि गलवान संघर्ष के बाद चीन के प्रति उठा गुस्सा अब तक कायम है।

1,000 करोड़ रुपए के इस बाजार पर कई साल से चाइनीज प्रोडक्ट्स का 100% कब्जा था

ग्राहक मेड इन इंडिया झालर पसंद कर रहे हैं। यही कारण है कि बाजार में 30-40% ऐसी झालर बिक रही हैं। खास बात यह है कि जहां चीनी झालर की वारंटी नहीं होती, वहीं भारतीय झालर पर 3-4 सीजन की वारंटी दी जा रही है। इस साल डिजाइनर (जॉय) लाइटिंग की डिमांड ज्यादा है। ओरिएंट इलेक्ट्रिक के ईवीपी पुनीत धवन ने बताया कि दिवाली पर जॉय लाइटिंग का बिजनेस 80-100 करोड़ का होता है। इस साल घरेलू कंपनियां अच्छी गुणवत्ता की झालरें लाई हैं। इनमें दीए, भगवान गणेश, स्वस्तिक जैसी डिजाइन शामिल हैं। 40-50 हजार डीलर्स के जरिए झालर उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब कमरे और इस्तेमाल के हिसाब से अलग-अलग लाइट खरीदी जा रही हैं। कलर चेंजिंग और डिम होने वाली लाइट के अलावा रिमोट कंट्रोल्ड, मोबाइल और लैपटॉप से नियंत्रित होने वाली लाइटिंग की डिमांड भी है। ये सभी तरह की लाइट देश में ही असेंबल हो रही हैं। बीते 5 सालों में एनर्जी सेविंग लाइटिंग आने से बिजली की खपत में भी काफी कमी आई है। इलेक्ट्रिक लैम्प एंड कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के मुताबिक, देश में एलईडी लाइटिंग कारोबार 23,000 करोड़ रु. का है। इसमें कंज्यूमर लाइटिंग की हिस्सेदारी 60% है। भारत में कुल लाइटिंग में एलईडी की हिस्सेदारी 92% तक है। हालांकि निर्माण बहुत कम है। अब भी एलईडी के 65% कॉम्पोनेंट्स के लिए चीन और अन्य देशों पर निर्भरता है। ओरिएंट इलेक्ट्रिक के अतुल जैन अधिक स्कीम के बाद लाइटिंग निर्माताओं के हौसले बुलंद हैं। फिनिश्ड प्रोडक्ट में चीन पर निर्भरता खत्म-सी हो गई है। 85% असेंबलिंग यहीं होने लगी है।

गलवान-डोकलाम जैसा खतरा और बढ़ा

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की मीटिंग में गलवान को जिनपिंग की उपलब्धि बताया, आगे भी सत्ता उन्हीं के पास

बीजिंग, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीसीपी की 20वीं कांग्रेस रविवार यानी 17 अक्टूबर को बीजिंग में शुरू हुई। यह मीटिंग 22 अक्टूबर तक चलेगी। द हिंदू और एचटी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मीटिंग में हुई चर्चा से ज्यादा जिस बात ने सबका ध्यान खींचा, वह था गलवान झड़प का वीडियो दिखाना। इस दौरान गलवान में लड़ने वाले कमांडर को भी बुलाया गया था। इसे जिनपिंग सरकार की उपलब्धि के तौर पर दिखाया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स में इसे भारत को लेकर जिनपिंग का एजेंडा बताया गया। भारत को खतरा इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि सीसीपी की मीटिंग के बाद शी जिनपिंग का कार्यकाल बढ़ाने का ऐलान तय माना जा रहा है। वहां किसी भी राष्ट्रपति को अधिकतम दो कार्यकाल देने का नियम जिनपिंग पहले ही खत्म करा चुके हैं। इससे उनके जिंदगीभर राष्ट्रपति रहने का रास्ता साफ हो गया है।

अब सिलसिलेवार तरीके से जानते हैं कि कैसे जिनपिंग को चीन में माओ और जियाओपिंग के समकक्ष खड़ा किया गया है। इन चार पॉइंट से समझिए कि कैसे चीन में उनकी लार्जर देन लाइफ इमेज बनाई जा रही है...

जिनपिंग के खिलाफ बयान देने पर सजा

पिछले साल यानी 2021 में चाइना कम्युनिस्ट पार्टी का कॉनक्लेव हुआ था। इसमें 'ऐतिहासिक संकल्प-पत्र' जारी किया गया था। तमाम प्रस्तावों के अलावा इस मीटिंग की खास बात यह रही कि जिनपिंग के खिलाफ बयानबाजी को अपराध की कैटेगरी में डाल दिया गया। यानी जिनपिंग के खिलाफ बोलने पर सजा का प्रावधान है।

दो टर्म ही राष्ट्रपति रहने की कंडीशन खत्म

जिनपिंग 2012 में सत्ता में आए थे। जिनपिंग से पहले राष्ट्रपति रहे सभी नेता पांच साल के दो कार्यकाल या 68 साल की उम्र होने पर रिटायर होना होता था। 2018 में चीन ने राष्ट्रपति पद के लिए दो टर्म की बाध्यता खत्म कर दी थी।

ऐसे में जिनपिंग पूरी उम्र के लिए राष्ट्रपति बने रह सकते हैं। जिनपिंग का दूसरा कार्यकाल 2023 में खत्म हो रहा है, लेकिन ये तय माना जा रहा है कि वे तीसरा कार्यकाल भी लेंगे।

चीन के सबसे ताकतवर नेता बने जिनपिंग

शी जिनपिंग 2012 में पहली बार चीन के राष्ट्रपति चुने गए थे। पहला टर्म खत्म होने के बाद सीसीपी की बैठक में उन्हें दोबारा राष्ट्रपति चुन लिया गया। राष्ट्रपति के लिए दो कार्यकाल की सीमा खत्म होने के बाद जिनपिंग अब माओत्से तुंग के बाद चीन के सबसे शक्तिशाली नेता बन गए हैं।

जिनपिंग के विचार संविधान में शामिल किए

चाइना कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीसीपी कांग्रेस ने जिनपिंग के लिए अधिकतम दो बार राष्ट्रपति बनने की शर्त तो हटाई ही, उन्हें दूसरी बार पार्टी प्रमुख भी चुना गया। वहीं, सीसीपी ने उनके विचारों को संविधान में शामिल करने का फैसला किया था।

जिनपिंग के आजीवन चीन का राष्ट्रपति बने रहना लगभग तय होने के बाद अब चार पॉइंट में यह जान लेते हैं कि जिनपिंग का राष्ट्रपति बने रहना भारत के लिए खतरा कैसे हैं...

भारत-चीन बॉर्डर पर टकराव बढ़ सकता है

भारत और चीन के बीच चार हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबा बॉर्डर है। इसमें कई जगह पर विवाद है। डोकलाम और गलवान घाटी के विवाद भी इसी तरह के थे। जिनपिंग को आजीवन प्रेसिडेंट बने रहने की आजादी से असीमित ताकत मिल जाएगी। ऐसे में चीन बॉर्डर के साथ लाइन ऑफ कंट्रोल पर अपनी ताकत दिखा सकता है। इससे भारत की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

बीआरआई और पाकिस्तान में कॉरीडोर को बढ़ावा

जिनपिंग के प्रेसिडेंट रहने के दौरान ही चीन का बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव यानी बीआरआई प्रोजेक्ट शुरू हुआ था। इसके जरिए वन बेल्ट वन रोड के जरिए चीन दुनिया भर के देशों को जोड़ रहा है। भारत के पड़ोसी देशों में इस सड़क से चीनी सैन्य बलों की आवाजाही आसान हो जाएगी। वहीं, जिनपिंग की अगुआई में चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर को बढ़ावा मिलेगा, जिसका भारत विरोध करता रहा है।

भारत को तीन तरफ से घेरने की रणनीति

चीन के कर्ज तले दबकर श्रीलंका बदहाल हो चुका है। अब चीन उसका हंबनटोटा पोर्ट इस्तेमाल कर रहा है। हाल ही में चीन का जासूसी जहाज भी वहां पहुंचा था। इधर, पाकिस्तान को चीन लगातार सैन्य सहायता दे रहा है। इनमें आधुनिक हथियार भी शामिल हैं, जिनका सीधा टारगेट भारत ही है। वहीं, नेपाल में भी चीन बीआरआईI के जरिए अपना दखल बढ़ा रहा है।

पाकिस्तान उपचुनाव: इमरान या शहबाज किसका चलेगा सिक्का, आम चुनाव से पहले दिखेगी ताकत

इस्लामाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी राष्ट्रीय असेंबली की सभी आठ सीटों पर उपचुनाव लड़ रही थी. ये सीटें अप्रैल में उनकी सरकार गिरने के बाद उनके सांसदों के इस्तीफे की वजह से खाली हुई थीं. पाकिस्तान में राष्ट्रीय और प्रांतीय असेंबली की 11 सीटों पर रविवार को उपचुनाव हुआ. वोटों की गिनती जारी है. फाइनल नतीजे की घोषणा फिलहाल नहीं हुई है. पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई 6 सीटों पर आगे चल रही थी. बताया जा रहा है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी इस उपचुनाव में अधिक सीट जीत सकती है.

इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी राष्ट्रीय असेंबली की सभी आठ सीटों पर उपचुनाव लड़ रही थी. ये सीटें अप्रैल में उनकी सरकार गिरने के बाद उनके सांसदों के इस्तीफे की वजह से खाली हुई

थीं. अगले साल अक्टूबर में पाकिस्तान में आम चुनाव होने हैं. इससे पहले इमरान खान चुनाव कराने की मांग कर सकते हैं.

आम चुनाव से पहले दिखेगी ताकत

अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव अपनी लोकप्रियता परखने का एक मौका है. पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के मुताबिक, राष्ट्रीय असेंबली की आठ और प्रांतीय असेम्बली की तीन सीटों पर सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ जो शाम पांच बजे तक चला. पंजाब प्रांत में राष्ट्रीय और प्रांतीय असेंबली की तीन-तीन सीटों पर जबकि खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रीय असेंबली की तीन सीटों तथा सिंध प्रांत में दो सीटों पर उपचुनाव हुआ है.

101 उम्मीदवार मैदान में

ईसीपी के आंकड़ों के मुताबिक, इन चुनाव में कुल 101 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें से पंजाब में 52, सिंध में 33 और केपी में 16 प्रत्याशी हैं. इन निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 44.72 लाख मतदाता पंजीकृत हैं. मतदान प्रक्रिया सुचारू लेकिन धीमी गति से चल रही है. अधिकारियों ने शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े उपाय किए थे और संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पुलिस और अर्धसैनिक रेंजरों के अलावा नियमित जवानों को भी तैनात किया गया था. ईसीपी ने पूरे देश में मतदान प्रक्रिया की निगरानी के लिए इस्लामाबाद में एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया था. इस उपचुनाव में मुख्य मुकाबला पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और पीटीआई के बीच है. देखना होगा कि इसमें इमरान खान बाजी मारते हैं या शहबाज शरीफ का सिक्का चलता है.

रूस का कीव पर ईरानी ड्रोन से हमला

राजधानी में 4 जगह धमाके ; 10 अक्टूबर को रूसी सेना ने 9 शहरों में दागी थीं 83 मिसाइलें

रिहायशी इलाके पर रूस की ड्रोन स्ट्राइक

कीव, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन की जंग 7 महीने बाद बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। रूस ने सोमवार सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर कामीकाजे ड्रोन से हमला किया है। 4 धमाकों की आवाज सुनाई दी है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री यरमक ने कहा- राजधानी कीव के शेवचेनकिव्स्की शहर में रूसी सेना ने ईरान में बने कामीकाजे ड्रोन से हमला किया है। इसमें कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इनमें से एक बिल्डिंग पूरी तरह से तबाह हो गई। इसमें दो लोगों के फंसे होने की जानकारी मिली है। 18 लोगों के घायल होने की भी खबर है।

हमले में इस्तेमाल किए गए कामीकाजे ड्रोन का नाम शाहीद-136 है। इस ड्रोन को ईरान का सबसे खतरनाक हथियार माना जाता है। यूक्रेन जंग में अपनी पकड़ मजबूत बनाने के मकसद से रूसी सेना ईरानी ड्रोन से हमले कर रही है। इस ईरानी ड्रोन को सुसाइड ड्रोन भी कहा जाता है। इसका वजन 200 किलोग्राम है। इस ड्रोन की रेंज 2500 किलोमीटर है। ईरानी ड्रोन शाहीद-136 का निशाना अचूक है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरानी ड्रोन के जरिए रूस, यूक्रेनी रडार सिस्टम को निशाना बना रहा है।

यूक्रेन की एयर फोर्स के मुताबिक, सेना ने पिछले 13 घंटों में कुल 37 कामीकाजे ड्रोन मार गिराए हैं। ओडेसा में 6 ड्रोन और माइकोलाइव में 9 ड्रोन को मार गिराया गया है। 3 क्रूज मिलाइलों को भी तबाह कर दिया गया है।

रूस ने 10 अक्टूबर को राजधानी कीव समेत 9 शहरों पर 83 मिसाइलें बरसाई थीं। इसमें 12 लोग मारे गए थे। रूस ने ये बड़ा हमला कर्च ब्रिज पर हुए धमाके के बदले में किया था। 8 अक्टूबर को यूक्रेन ने रूस का कर्च ब्रिज उड़ा दिया था। ये ब्रिज रूस को क्रीमिया से जोड़ता है।

रोज सात बच्चे हो रहे चाइल्ड एब्यूज का शिकार

इंटरपोल ने रिपोर्ट का हवाला देकर जताई चिंता

विदेश डैस्क, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इ इसके मुताबिक अंतर्राष्ट्रीय चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉयटेशन डेटाबेस को देखने के बाद चौंकाने वाली बात सामने आई है। इसमें दिखा है कि औसत रूप से हर रोज सात बच्चा चाइल्ड एब्यूज का शिकार बन रहा है। इंटरपोल ने चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज को लेकर चिंता जताई है। इंटरपोल के सिक्योरिटी जनरल जर्गेन स्टॉक ने सोमवार को इस पर अपनी बात रखी। इसके मुताबिक अंतर्राष्ट्रीय चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉयटेशन डेटाबेस को देखने के बाद चौंकाने वाली बात सामने आई है। इसमें दिखा है कि औसत रूप से हर रोज सात बच्चा चाइल्ड एब्यूज का शिकार बन रहा है। इसके अलावा इंटरपोल ने अपराधों के आर्थिक रूप से भी समाज पर असर पड़ने की बात कही है।

इंटरपोल के सेक्रेट्री जनरल जर्गेन स्टॉक ने कहा कि हर दिन सात बच्चे चाइल्ड एब्यूज का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉयटेशन डेटाबेस का हवाला दिया। साथ ही कहा कि अभी तक 30 हजार विक्टिम्स की पहचान की गई हैं। स्टॉक ने कहा कि बच्चे दुनिया में सबसे आसान शिकार हैं। इन्हें इस तरह के उत्पीड़न से बचाने के लिए हमें अपनी लड़ाई को और ज्यादा तेज करना होगा।

इंटरपोल के मुताबिक वास्तविक दुनिया के साथ-साथ आभासी दुनिया में भी हिंसा में इजाफा हुआ है। इसके चलते सामाजिक और आर्थिक रूप से बुरा असर पड़ रहा है। इंटरपोल के सेक्रेट्री जनरल ने कहा कि इन अपराधों के असर से सरकार और व्यापार भी अछूते नहीं हैं। ऑर्गनाइज्ड क्राइम करोड़ों डॉलर की कमाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि फैक्ट यह है कि चुराई गई संपत्तियां अपराधियों के ही ही हाथ में रह जा रही हैं। यह एक बड़ी चिंता का विषय है।

यूक्रेन में रेप के लिए रूसी सैनिकों को दी जा रही वियाग्रा

संयुक्त राष्ट्र की दूत का बड़ा दावा

कीव, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इससे पहले कनाडा में यूक्रेन की राजदूत ने भी रूसी सैनिकों पर यौन हिंसा का आरोप लगाया था. उन्होंने कहा था कि रूस यौन हिंसा को युद्ध के हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है. रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग में यूक्रेनवासियों के साथ रेप और हिंसा की खबर सामने आई है. हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने इस पर चिंता जताई थी. अब संयुक्त राष्ट्र की दूत प्रमिला पैटन ने दावा किया है यूक्रेन के लोगों का रेप करना और यौन हिंसा करना रूसी सेना की रणनीति का हिस्सा है. प्रमिला पैटन ने एक इंटरव्यू में एएफपी को बताया है कि, "यूक्रेन में रूसी सेना की ओर से किए जा रहे रेप, यौन हिंसा और अमानवीय व्यवहार रूस की सैन्य रणनीति का हिस्सा है.

उन्होंने ये भी दावा किया है यूक्रेन में महिलाओं का रेप करने के लिए रूस अपने सैनिकों को वियाग्रा दे रहा हैं. उन्होंने कहा, यूक्रेन की महिलाओं की ओर से दी गई गवाही से ये साफ है कि इस चरह कगी घटनाएं रूस की सैन्य रणनीति का हिस्सा है. पैटन ने कहा, जब महिलाओं को कई दिनों तक बंधक बनाकर रखा जाता है और बलात्कार किया जाता है, जब छोटे लड़कों और पुरुषों के साथ बलात्कार करना शुरू होता हैं, जब आप प्राइवेट पार्ट को चोट पहुंचाने वाली घाटनों को देखते हैं, जब आप महिलाओं को वियाग्रा से लैस रूसी सैनिकों के बारे में गवाही देते सुनते हैं, तो यह स्पष्ट रूप से एक सैन्य रणनीति समझ में आती है.

इससे पहले कनाडा में यूक्रेन की राजदूत ने भी रूसी सैनिकों पर यौन हिंसा का आरोप लगाया था. उन्होंने कहा था कि रूस यौन हिंसा को युद्ध के हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है और दुष्कर्म और यौन प्रताड़ना के मामलों को युद्ध अपराध माना जाना चाहिए. राजदूत यूलिया कोवालिव ने कनाडा हाउस ऑफ कॉमन्स की एक समिति के समक्ष सोमवार को कहा कि रूस के सैनिक यौन अपराधों को अंजाम दे रहे हैं और बच्चों को भी नहीं बख्श रहे. उन्होंने कहा कि दुष्कर्म और यौन प्रताड़ना के मामलों की जांच युद्ध अपराध के तौर पर की जानी चाहिए. बता दें, हाल ही में रूस ने यूक्रेन पर एक के बाद एक कई मिसाइलें दागी थी जिसके बाद यूक्रेन के कई शहरों में तबाही छा गई थी.

खौफनाक सजा से डरकर मौत को लगाया गले!

शादीशुदा संग भागने पर तालिबान ने सुनाया ये फरमान

काबुल, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में महिलाओं पर तालिबानी अत्याचार कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं. अब एक और मामला सामने आया है जहां एक महिला ने शुक्रवार को आत्महत्या कर ली क्योंकि उसे तालिबान ने सबके सामने पत्थर मारने की सजा सुनाई थी. दरअसल महिला को यह सजा एक शादीशुदा शख्स के साथ घर से भागने के आरोप के चलते सुनाई गई थी. यह खबर स्थानीय मीडिया ने प्रसारित की है जिसमें तालिबान का हवाला दिया गया है. महिला ने पब्लिक ह्यूमिलिएशन से बचने के लिए यह कदम उठाया है. जिस युवक के साथ महिला घर से भागी थी उस शख्स को तालिबान ने गुरुवार को फांसी की सजा दी थी.

तालिबानी अधिग्रहित अफगानिस्तान के घोर इलाके के पुलिस प्रवक्ता अब्दुल रहमान ने बताया कि स्थानीय महिला जेल नहीं होने की वजह से आरोपी महिला को सबके सामने पत्थर मारने की सजा सुनाई गई थी. वहीं तालिबान के सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि महिला ने अपने ही दिपट्टे से खुदकुशी कर ली है. महिला सजा भुगतने से पहले ही अपनी जान दे दी. बता दें कि हाल ही में पूरे देश में महिलाओं के घर से भागने की वारदातें बढ़ी हैं, वहीं तालिबान ने यह निश्चय किया है कि उन्हें सबके सामने पत्थर मारने या कोड़े मारने की सजा सुनाई जाएगी.

ये मामले तब सामने आ रहे हैं जब तालिबान ने महिलाओं पर कई बड़े प्रतिबंध लगाए हैं. जैसे कि महिलाएं ग्रेड 6 से ऊपर स्कूल जाकर पढ़ाई नहीं कर सकती हैं. तालिबान ने अफगानिस्तान पर सत्ता काबिज करने के बाद महिलाओं के अधिकारों और स्वतंत्रता पर कई सारे प्रतिबंध लगाए थे. इसी दौरान महिलाओं को बड़े पैमाने पर कार्यक्षेत्रों से बाहर किया गया था. इसी वजह से महिलाएं अफगानिस्तान में मानवाधिकार क्राइसिस झेल रही है.

पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही! सूखी जमीन नहीं मुर्दों को कहां दफनाएं?

इस्लामाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुसीबतों का दौर यहीं खत्म नहीं होता, हाल ही में अधिकारियों ने 'मौत की दूसरी लहर' की चेतावनी दी है. अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित 3.3 करोड़ लोगों के मलेरिया, डेंगू, बुखार, दस्त और त्वचा रोगों से जूझने की संभावना है. पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही! सूखी जमीन नहीं... मुर्दों को कहां दफनाएं?पाकिस्तान में बाढ़...कई जिंदगियां तबाह.

पाकिस्तान में भारी बारिश के बाद पैदा हुए बाढ़ के हालात ने कई जिंदगियां तबाह कर दीं. भारी मानसूनी बारिश और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पाकिस्तान इस साल जबरदस्त बाढ़ आई, जिसके चलते 1700 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई. यहां हालात ऐसे हो गए हैं कि शवों को दफनाने के लिए कब्रिस्तान में जमीन तक नसीब नहीं हो रही. क्योंकि बाढ़ के कारण कब्रिस्तान भी टापू बन गए हैं. शवों

को दफनाने के लिए पानी को हटाकर जमीन की तलाश की जा रही है. इस बातों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान में बाढ़ से हालात कितने खराब हो हैं.

पड़ोसी मुल्क में बाढ़ के कारण लोग अपनों के शवों को नहीं दफना पा रहे. पाकिस्तान के एक नागरिक अली अकबर बिलख-बिलखकर इस बात पर रोने लगे कि उन्हें अपनी मां को दफनाने के लिए कब्रिस्तान में दो गज जमीन भी नसीब नहीं हो रही.

अपने गांव के कब्रिस्तान में अकबर बाढ़ के पानी के बीच कुछ सूखी जमीन की तलाश कर रहे हैं, ताकि वह अपनी मां को दफना सके, लेकिन लाख प्रयासों के बावजूद ऐसा नहीं हो पा रहा. बाढ़ की वजह से मुल्क के तमाम कब्रिस्तान जलमग्न हो गए हैं. लोग अपनों को खोने से ज्यादा दुखी इस बात से हैं कि उन्हें कहां और कैसे दफनाया जाए.

बाढ़ की वजह से अकबर की इनकम का एकमात्र सोर्स खेती की जमीन भी नष्ट हो गई है. उन्हें भोजन और साफ पीने का पानी खोजने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है. ज्यादा बाढ़ की वजह से उनके घर की एक दीवार भी ढह गई. यही नहीं, बीमारी फैलाने वाले मच्छरों का झुंड भी पैदा हो गया है. 28 वर्षीय अकबर की मां का निधन मलेरिया की वजह से हो गया. वह रो-रोकर बिलख-बिलख कर कह रहे हैं कि उनके परिवार के साथ एक झटके में इतना बुरा कैसे हो गया. उन्हें सबसे ज्यादा जो बात तड़पा रही है, वो यह कि कई कब्रिस्तानों को खंगालने के बावजूद उन्हें मां के शव को दफनाने के लिए जमीन नहीं मिली.

सूखी जमीन नहीं... मुर्दों को कहां दफनाएं? इस सवाल ने कई परिवारों को गहन पीड़ा में डाल दिया है. जब से पाकिस्तान के अधिकांश हिस्सों में रिकॉर्ड तोड़ बाढ़ आई है, लाखों लोग पलायन करने पर मजबूर हुए हैं. कई गांव इस समय जलमग्न है. स्कूल, सड़कें और अस्पताल जैसे जरूरी बुनियादी ढांचे भी तबाही का मंजर देख रहे हैं. चार महीने के जलप्रलय में लगभग 1700 लोग मारे गए हैं. इनमें से कई बाढ़ के पानी में डूब के मरे हैं.

भारतीय छात्रों को लुभाने के लिए कनाडा ने बदले अपने नियम!

ओटावा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा ने विदेशी स्टूडेंट्स के लिए अपने नियमों में बदलाव किया है. इससे भारतीय स्टूडेंट्स को भी फायदा होने वाला है. आइए ऐसे ही पांच फायदों के बारे में जाना जाए.

कनाडा ने अपने यहां पढ़ने आने वाले विदेशी स्टूडेंट्स के लिए कई सारे फायदों का ऐलान किया है. इमिग्रेशन रेफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा की तरफ से कई सारे बदलावों का ऐलान किया है. इसमें स्टूडेंट्स को मजबूत बनाने के लिए उठाए गए कदम, वर्किंग आवर पर लगे प्रतिबंध को हटाने जैसे फैसले शामिल हैं. हर साल लाखों स्टूडेंट्स हायर एजुकेशन के लिए कनाडा में पढ़ाई करने जाते हैं. इसमें बड़ी संख्या भारतीय स्टूडेंट्स की भी होती है, जो वहां की टॉप यूनिवर्सिटीज में यूजी और पीजी कोर्सेज में एडमिशन लेते हैं.

विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, महामारी की शुरुआत होने से पहले 2019 में 1,32,620 भारतीय स्टूडेंट्स पढ़ाई के लिए कनाडा गए. 2020 में कोविड की वजह से ये नंबर घटकर 43,624 हो गया. मगर 2021 में ये संख्या एक बार फिर 1,02,688 पर पहुंच गई. दरअसल, अफॉर्डेबिलिटी, वर्क और परमानेंट रेजिडेंस जैसे कई फैक्टर्स की वजह से कनाडा भारतीय स्टूडेंट्स के बीच खासा पॉपुलर है. कनाडा में उच्च शिक्षाके लिए अमेरिका के बाद भारतीय स्टूडेंट्स के लिए कनाडा दूसरा सबसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन बनकर उभरा है.

कनाडा को इस बात की जानकारी है कि 2022-2023 से स्टडी परमिट रखने वाले लोगों की संख्या लगभग 7,53,000 इंटरनेशनल स्टूडेंट्स तक बढ़ने वाली है. इसका सीधा मतलब है कि कनाडा में पढ़ाई करने आने वाले स्टूडेंट्स के लिए अधिक मौके होने वाले हैं. ऐसे में भारतीय स्टूडेंट्स को भी बड़ी संख्या में स्टडी परमिट मिलने वाला है.

बाइडेन ने हिजाब प्रदर्शन का सपोर्ट किया : ईरानी राष्ट्रपति बोले- यूएस प्रेसिडेंट आतंक भड़का रहे ; ईरान के धार्मिक नेता ने अमेरिका को 'शैतान' कहा था

तेहरान, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के बीच अराजकता और आतंक भड़काने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को दोषी ठहराया है।

हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ईरान में जारी हिजाब विरोधी प्रदर्शनों का समर्थन किया। उन्होंने कहा- 'मैं ईरान में विरोध कर रहे लोगों के साहस से हैरान हूं। अमेरिका, ईरान की बहादुर महिलाओं के साथ खड़ा है।

ईरान सरकार को लोगों के मौलिक अधिकारों समझना चाहिए और उनकी रक्षा करनी चाहिए। उन्हें हिंसा खत्म कर देनी चाहिए।'

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा- 'अमेरिकी राष्ट्रपति, जो अपने बयानों से दूसरे देश में अराजकता, आतंक और अशांति भड़का रहे हैं, उन्हें ये याद दिला दिया जाना चाहिए की ईरान के धार्मिक नेता आयोतोल्लाह रुहोल्लाह खोमेनी ने अमेरिका को शैतान कहा था।' अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के देशव्यापी हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के समर्थन पर ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने भी आपत्ति दर्ज की है। उन्होंने

कहा- 'बाइडेन ने दंगों का समर्थन करके ईरान के आंतरिक मामलों में दखल दिया है।

उनका कहना है हाल के दिनों में अमेरिकी प्रशासन ने कई तरह से ईरान में अशांति को भड़काने की कोशिश की हैं।'

हिजाब नहीं पहनने पर जुर्माना

ईरान में वैसे तो हिजाब को 1979 में मेंडेटरी किया गया था, लेकिन 15 अगस्त को प्रेसिडेंट इब्राहिम रईसी ने एक ऑर्डर पर साइन किए और इसे ड्रेस कोड के तौर पर सख्ती से लागू करने को कहा गया। साथ ही जुर्माना भी लगाया गया। 1979 में ईरान इस्लामिक रिपब्लिक हो गया। शियाओं के धार्मिक नेता आयोतोल्लाह रुहोल्लाह खोमेनी को ईरान का सुप्रीम लीडर बना दिया गया। यहीं से ईरान दुनिया में शिया इस्लाम का गढ़ बन गया। खोमेनी ने महिलाओं के अधिकार काफी कम कर दिए।

ब्रिटेन से वापस भारत आ सकता है कोहिनूर हीरा!

विदेश मंत्रालय ने कही बड़ी बात

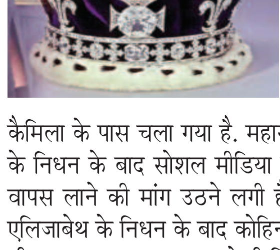

लंदन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। महारानी के बेटे प्रिंस चार्ल्स के सिंहासन संभालने के साथ ही 105 कैरेट का हीरा उनकी पत्नी डचेस कॉर्नवॉल कैमिला के पास चला गया है. महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद सोशल मीडिया पर कोहिनूर को भारत वापस लाने की मांग उठने लगी है. ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद कोहिनूर हीरे पर बहस छिड़ी थी. इस पर अलग-अलग दावे भी किए जा रहे थे. भारत ने साफ संकेत दिए कि दुनिया के सबसे बड़े हीरों में शुमार कोहिनूर को ब्रिटेन से वापस लाने के रास्ते तलाशता रहेगा. विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि ब्रिटेन के सामने भारत समय-समय पर इसकी मांग उठाता रहा है और आगे भी जारी रखेगा. कोहिनूर की मांग को लेकर विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता अरिंदम बागची कहा कि कुछ साल पहले संसद में इस मुद्दे पर सरकार की प्रतिक्रिया को बताया गया था. उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि भारत सरकार ने कुछ साल पहले संसद में इसका जवाब दिया था. हमने कहा है कि हम समय-समय पर ब्रिटेन सरकार से बात करते रहे हैं और हम मामले का संतोषजनक समाधान निकालने के तरीकों और साधनों का पता लगाना जारी रखेंगे. कोहिनूर को लेकर अलग-अलग दावे किए जाते हैं. कोई कहता है कि कोहिनूर 12वीं शताब्दी के जगन्नाथ मंदिर का है तो कोई कहता है कि महाराजा दलीप सिंह ने 1849 में 108 कैरेट का कोहिनूर हीरा महारानी विक्टोरिया को दे दिया था. इसके अलावा ये भी दावे किए जा रहे हैं कि ये मुगल काल का है. 1937 में इसे महारानी के ताज में लगा दिया गया था. ब्रिटिश मीडिया में ऐसी अटकले हैं कि अगले साल छह मई को होने वाले कार्यक्रम में जब कैमिला को महारानी का खिताब दिया जाएगा, तब वह ताज पहन सकती हैं.

50% बच्चे यौन उत्पीड़न के शिकार

सेक्स एजुकेशन न मिलने से समझ नहीं पाते, गुजरात-एमपी-राजस्थान में इसकी पढ़ाई बैन, वहीं सबसे ज्यादा केस

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। 1 अक्टूबर 2020 को दिल्ली के सीलमपुर में 10 साल के बच्चे की जान चली गई। पुलिस जांच में पता चला कि उसके साथ उसकी ही उम्र के 3 दोस्तों ने रेप किया था। उसके प्राइवेट पार्ट में रॉड डाल दी। बुरी तरह जख्मी बच्चा दर्द से छटपटाता रहा, लेकिन 3 दिन तक किसी को घटना के बारे में बता नहीं सका। आखिर में मां ने समझा-बुझाकर पूछा, तब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन 13 दिन तक इलाज के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका। राजस्थान के उदयपुर में 13 साल की एक बच्ची को बहलाकर एक व्यक्ति रेप करता रहा। पीड़िता के प्रेग्नेंट होने के कुछ महीनों के बाद परिवार को पता चला, तो आरोपी पकड़ा गया। डॉक्टरों के मुताबिक अबॉर्शन से पीड़िता की जान को खतरा था, इसलिए उसका इलाज शुरू किया गया। अस्पताल में डिलीवरी के बाद बच्ची कोमा में चली गई और बाद में उसकी मौत हो गई। इस मामले में आरोपी पहले से शादीशुदा और 2 बच्चों का बाप निकला।

नवरात्रि में डांडिया-गरबा नाइट्स जैसे इवेंट्स धूमधाम से आयोजित होते हैं। इस दौरान कंडोम की बिक्री में बूम आने की मीडिया रिपोर्ट्स आम हैं। इन रिपोर्ट्स के मुताबिक नवरात्रि के दौरान खासकर गुजरात जैसे राज्यों में न सिर्फ कंडोम की बिक्री में 20 से 35 फीसदी तक की बढ़ोतरी होती है, बल्कि 'अनप्रोटेक्टेड सेक्स' के बाद प्रेग्नेंसी रोकने वाली इमर्जेंसी गोलियों की डिमांड

भी बढ़ जाती है।

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि त्योहार के बाद अबॉर्शन और 'सेक्शुअली ट्रांसमीटेड इंफेक्शंस (एसटीआई)' के मामलों में भी बढ़ोतरी देखने को मिलती है। यही नहीं, पेरेंट्स इन इवेंट्स में जाने वाले बच्चों की जासूसी तक करवाते हैं।

3 मामले। तीनों का अलग नेचर। इनमें से 2 बच्चों के यौन शोषण से जुड़े हैं, तो तीसरा मामला टीनेजर्स और युवाओं से संबंधित है। लेकिन, क्या इनमें आपस में भी कोई संबंध है?

दिल्ली की घटना में बेटे की जान जाने के बाद उसकी मां बिलखते हुए कहती हैं कि 3 दिन तक उनका लाडला तकलीफ सहता रहा। सिर्फ दोस्तों के पीटने की बात बताता रहा। उस पर जाने क्या गुजरी होगी, वह घर पर सच नहीं बता सका। काश कि बता देता तो समय पर इलाज शुरू हो जाता और जान बच जाती। वहीं, उदयपुर की घटना में बच्ची समझ ही नहीं सकी कि उसे बहलाने वाले के इरादे क्या हैं, वह उसके साथ क्या कर रहा है।

यह दोनों घटनाएं बताती हैं कि भारत में तमाम बच्चों को किस तरह के खौफनाक हालात और दर्दनाक स्थितियों से गुजरना पड़ता है। इसकी पुष्टि भारत सरकार की एक स्टडी से भी होती है। 2007 में 13 राज्यों के सवा लाख बच्चों पर हुई इस स्टडी में चाइल्ड एब्यूज की भयावह तस्वीर सामने आई। इसमें पता चला कि देश के 66% बच्चे फिजिकल एब्यूज यानी मारपीट के शिकार हैं। जबकि, 50% बच्चे यौन उत्पीड़न और 50% इमोशनल वायलेंस झेलते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स से लेकर कंपनियां और एक्सपर्ट्स तक इस बात की पुष्टि करते हैं कि नवरात्रि के दौरान गर्भनिरोधकों की बिक्री बढ़ जाती है। लेकिन, इसका संबंध नवरात्रि से नहीं, बल्कि इस दौरान होने वाले डांडिया जैसे इवेंट्स से है। लेकन, ऐसा सिर्फ डांडिया नाइट्स के दौरान ही नहीं, बल्कि वैलेंटाइंस इवेंट्स से लेकर उन सारे आयोजनों में होता है, जहां बड़ी संख्या में युवा जुटते हैं। एक-दूसरे से घुलते-मिलते हैं और प्यार में पड़ते हैं।

साइकेट्रिस्ट डॉ. राजीव मेहता कहते हैं कि ऐसा होना नेचुरल है। खाना और पानी की तरह ही सेक्स इंसान की बेसिक जरूरत है। जब अपोजिट जेंडर वाले युवा मिलते हैं, तो उनका एक-दूसरे की तरफ आकर्षित होना स्वाभाविक है। इस दौरान उनमें हॉर्मोंस का स्राव होता है। उनमें भी चाहत पैदा होती है। ऐसे में कुछ युवा संबंध भी बनाते हैं। इसे जितना दबाया जाएगा, यह उतना ही बढ़ेगा। यही वजह है कि 2016 में ब्राजील में हुए रियो ओलिंपिक्स गेम्स के दौरान वहां की खेल समिति ने खिलाड़ियों को 4,50,000 कंडोम बांटे थे। इसी तरह, 2010 में दिल्ली में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान खेल गांव में हर रोज 640 कंडोम इस्तेमाल किए गए थे।

पाकिस्तान दुनिया का सबसे खतरनाक देश

सैन्य तानाशाही से आतंकियों के हाथ परमाणु बम लगने का खतरा

इस्लामाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 15 अक्टूबर को पाकिस्तान को दुनिया का सबसे खतरनाक देश बताया। देखा जाए तो पाकिस्तान दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। उसके पास 5वीं सबसे बड़ी मिलिट्री है। परमाणु हथियार के मामले में छठे नंबर पर है; लेकिन पाकिस्तान के खराब आर्थिक हालात, राजनीति अस्थिरता और शिक्षा और जॉब के अभाव में तेजी से बढ़ती आबादी, साथ ही सेना का सत्ता पर अघोषित नियंत्रण ही पाकिस्तान को सबसे खतरनाक देश बनाता है।

1971 की बात है। पाकिस्तान को एक शर्मनाक हार के साथ ही अपना पूर्वी हिस्सा यानी आज का बांग्लादेश गंवाना पड़ा था। वहीं दूसरी ओर भारत अपने दम पर मई 1974 में न्यूक्लियर एक्सप्लोसिव डिवाइस की टेस्टिंग कर रहा था।

17 सितंबर 1974 को पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के जनक कहे जाने वाले अब्दुल कादिर खान उस वक्त के प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को एक लेटर लिखते हैं। वह उन्हें परमाणु बम बनाने का ऑफर देते हैं। खान उस समय फिजिकल डायनामिक्स रिसर्च लेबोरेटरी नीदरलैंड में काम कर रहे होते हैं। दिसबंर 1974 में भुट्टो खान से मिलते हैं और उन्हें पाकिस्तान के लिए परमाणु बम बनाने के लिए और प्रयास करने को कहते हैं। अगले साल यानी 1975 में खान जिस लेबोरेटरी के लिए काम कर रहे थे वहां से

सेंट्रीफ्यूज की ड्राइंग यानी डिजाइन के साथ उस लिस्ट को भी चुरा लेते हैं जहां से इसके लिए इक्विपमेंट मिलते हैं।

चोरी करने के बाद 15 दिसंबर 1975 को अब्दुल कादिर खान नीदरलैंड से भाग आते हैं। इसके बाद खान की मदद से पाकिस्तान साल 1998 में परमाणु ताकत बनता है। यानी पाकिस्तान के परमाणु हथियार को बनाने की शुरुआत ही चोरी से हुई।

पाकिस्तान को परमाणु ताकत बनाने के बाद 1980 के दशक के मध्य में खान दुबई, मलेशिया और अन्य जगहों पर ब्लैक मार्केट के जरिए सेंट्रीफ्यूज, कॉम्पोनेंट्स और डिजाइन बेचने का काम करने लगते हैं। खान के कस्टमर्स में ईरान शामिल था, जिसने पाकिस्तानी मॉडल के आधार पर यूरेनियम-संवर्धन परिसर का निर्माण किया।

अब्दुल कादिर खान इसके साथ ही कम से कम 13 बार उत्तर कोरिया का दौरा करते हैं। माना जाता है कि खान ने अपने ब्लैक मार्केट के जरिए उत्तर को भी परमाणु टेक्नोलॉजी मुहैया कराई। साथ ही खान ने अपनी लेबोरेटरी में उत्तर कोरियाई लोगों की मदद से पाकिस्तान के लिए गोरी बैलेस्टिक मिसाइल बनाई।

खान यहीं नहीं रुके। उन्होंने लीबिया को भी परमाणु टेक्नोलॉजी बेची, जिसके बाद से लीबिया ने अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम शुरू किया, लेकिन 2003 में अमेरिका ने बलपूर्वक इसे रोक दिया।

अब्दुल कादिर ने 2004 में सार्वजनिक रूप से माना था कि उन्होंने दुनिया के कई देशों को परमाणु तकनीक और सामग्री उपलब्ध करवाई है। उन्होंने ईरान, उत्तर कोरिया और लीबिया को भी परमाणु हथियार बनाने के लिए आवश्यक सामग्री और डिजाइन देने की बात कबूल की थी। पाकिस्तानी सरकार ने ईरान और उत्तर कोरिया को न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने के मामले में 31 जनवरी 2004 को अब्दुल कादिर खान को गिरफ्तार किया था। हालांकि, 5 फरवरी 2004 में उस वक्त के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने उन्हें क्षमादान दे दिया था। 1947 में पाकिस्तान के बनने के बाद से अब तक पाकिस्तान में 3 दशक से ज्यादा समय तक सैन्य तानाशाहों का राज रहा है। इस दौरान पाकिस्तान में 4 सैन्य सरकारें बनीं और सत्ता का कंट्रोल जनरल अयूब खान, जनरल याह्या खान, जनरल जिया-उल-हक और जनरल परवेज मुशर्रफ के पास था।

देखा जाए पाकिस्तान में पहली बार तख्तापलट के बाद से हर बार एक ही कॉमन रिएक्शन सुनने को मिलता रहा हैं। जिसमें चुनी हुई नागरिक सरकार की अक्षमता, भ्रष्टाचार और देश के लिए खतरे के दावे को सबसे ऊपर दिखाया जाता है।

यही वजह है कि पाकिस्तानी में 75 साल में 31 प्रधानमंत्री बने, लेकिन एक भी पीएम 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सका है। एक्सपर्ट कहते हैं कि पाकिस्तान में काफी लंबे अर्से तक रहे सैन्य शासन ने सेना को सरकार के समूचे तंत्र में पैठ बनाने का मौका दिया है। राजनीतिक दलों, न्यायपालिका, नौकरशाही और मीडिया- आज सभी वर्गों में सेना के समर्थक हैं। इसलिए सेना के साथ मतभेद रखने वाले लोकतांत्रिक ढंग से चुने गए राजनीतिक नेता को सत्ता से बेदखल करने के लिए अब किसी तरह की फौजी बगावत की जरूरत नहीं रह गई है।

2013 में जब पाकिस्तान के 70 साल के इतिहास में पहली बार पांच साल के नागरिक शासन के बाद तय समय पर चुनाव हुए तो बहुत से लोगों को लगा कि पाकिस्तान में लोकतंत्र आ गया है, लेकिन 28 जुलाई 2017 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रधानमंत्री नवाज शरीफ अयोग्य ठहराया जाना, सीधे तौर पर इस बात की याद दिलाता है कि पाकिस्तान को आज भी 'आभासी सरकार' यानी डीप स्टेट ही चला रहा है और सरकार को अपदस्थ करने के लिए सैन्य बगावत के अलावा और भी तरीके हो सकते हैं।

1947 में पाकिस्तान की कश्मीर पर कब्जे की कोशिश पूरी तरह नाकाम रही। इस युद्ध में पाकिस्तानी आर्मी, एयरफोर्स, नेवी, इंटेलिजेंस ब्यूरो और मिलिट्री इंटेलिजेंस की नाकामी के चलते खुफिया एजेंसी की जरूरत पड़ी। 1948 में ब्रिटिश आर्मी ऑफिसर मेजर जनरल विलियम कावथोर्न ने आईएसआई का गठन किया।

देखा जाए तो आईएसआई खुफिया एजेंसी के बजाय आतंक की एजेंसी के तौर पर ज्यादा जानी जाती है। इसमें भी अमेरिका का बड़ा हाथ है। 80 के दशक में जब अमेरिका की जासूसी एजेंसी सीआईए ने अफगानिस्तान में सोवियत यूनियन की फौजों को खदेड़ने के लिए वहां मुजाहिदीनों को तैयार करना शुरू किया तो उसके इस काम में सबसे ज्यादा मदद आईएसआई ने की। यानी यहां से उसने आतंकियों को तैयार करने की ट्रेनिंग ली।

यही लड़ाके आगे चलकर संगठित होकर तालिबान के रूप में दुनिया के सामने आए। आईएसआई हमेशा इन आरोपों का नकारता रहा है। 2011 में जब पाकिस्तान के एबटाबाद में कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन मारा गया था, तब आईएसआई की दोहरी भूमिका को लेकर सवाल उठे थे। अमेरिकी एजेंसियों ने कहा था कि आईएसआई को लादेन के पाकिस्तान में होने की पूरी जानकारी थी, लेकिन इसे छुपाया गया।

भूपेश कैबिनेट में कई फैसलों पर लगी मुहर

हितग्राहियों को 1866 करोड़ का भुगतान, आदिवासी आरक्षण पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का प्रस्ताव

रायपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में सोमवार को कैबिनेट की बैठक हो रही है। सबसे पहले दो मिनट का मौन रखकर मनोज मंडावी को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हितग्राहियों को 1866 करोड़ रुपए का भुगतान किए,। इस बीच अरहर,मूंग, और उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने की घोषणा की है। मनोज मंडावी को याद करते हुए सीएम ने कहा कि,एक बहुत अच्छा साथी हमने खोया है।

दिवाली से पहले किसानों को बड़ा उपहार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हितग्राहियों को किया 1866 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। ये भुगतान राजीव किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना तथा राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों को किया गया है। अरहर, मूंग एवं उड़द की फसलों की बुआई करने वाले किसानों के हित में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बड़ा निर्णय लेते हुए कहा है कि, धान खरीदी के बाद अब समर्थन मूल्य में अरहर, मूंग एवं उड़द भी छत्तीसगढ़ सरकार खरीदेगी। अरहर एवं उड़द की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य 6600 रूपए प्रति क्विंटल और मूंग फसल की फसल 7755 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी होगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किस्त के रूप में प्रदेश के 23 लाख 99 हजार 615 किसानों को 1745 करोड़ रूपए दिए। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत 4 लाख 66 हजार 880 हितग्राहियों को 115 करोड़ 80 लाख 32 हजार रूपए और गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 5 करोड़ 59 लाख रूपए की राशि का ऑनलाइन भुगतान किया।

बताया जा रहा है, इस बैठक में आरक्षण पर बिलासपुर उच्च न्यायालय का फैसला ही चर्चा का केंद्र रहने वाला है। सरकार इस मामले में कोई महत्वपूर्ण फैसला ले सकती है। इसके अलावा सरकार से जुड़े कई प्रस्तावों पर चर्चा होनी है। कैबिनेट में विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज मंडावी के निधन पर शोक भी जताया गया।

आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने पिछले सप्ताह इसकी जानकारी दी थी। उनका कहना था, हमारी सरकार इस मामले को लेकर

विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी कर रही हैं। इस मामले को 17 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक में भी रखेंगे। कवासी लखमा ने कहा, आरक्षण मामले को भाजपा ने अच्छी तरीके से कोर्ट में नहीं रखा। इसकी वजह से आदिवासी समाज को नुकसान हुआ है। हमारी सरकार सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को अच्छे वकीलों के माध्यम से रखेगी। अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी जैसे वकील अब इस मामले पर सरकार का पक्ष रखेंगे। आबकारी मंत्री ने कहा, हम भी चाहते हैं कि आदिवासी समाज को 32% आरक्षण मिले, ताकि बस्तर और सरगुजा का आदिवासी समाज विकास के पथ पर आगे बढ़े।

इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी आबादी के अनुपात में आरक्षण देने की बात करते रहे हैं। उन्होंने कहा है, कांग्रेस आबादी के अनुपात में आरक्षण की पक्षधर है। हम चाहते हैं कि संविधान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज को जो अधिकार मिला हुआ है वह बना रहे। यही नहीं पिछड़ा वर्गों के लिए मंडल आयोग ने जो सिफारिशें की हैं वह भी मिले और संसद ने सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए आरक्षण की जो व्यवस्था की है वह भी लागू रहे। बिलासपुर उच्च न्यायालय के फैसले के बाद इसे किस तरह किया जाए उसपर मंथन जारी है।

आदिवासी समाज सड़कों पर है

आरक्षण पर उच्च न्यायालय के फैसले के बाद आदिवासी समाज में भारी बेचैनी है। इसको लेकर सर्व आदिवासी समाज और उनसे जुड़े संगठन लगातार सड़कों पर है। कई जिलों में प्रदर्शन और चक्का जाम हुए हैं। सर्व आदिवासी समाज के भारत सिंह धड़े ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात कर अध्यादेश लाकर 32% आरक्षण देने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि सरकार आरक्षण बचाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। 2018 के चुनाव में कांग्रेस की सबसे बड़ी जीत बस्तर और सरगुजा संभाग के आदिवासी बहुल सीटों पर हुई है। इन्हीं वोटरों के दम पर कांग्रेस लोकसभा चुनाव में भी दो सीटें जीत पाई। आरक्षण मामले में अदालत में सरकार की हार ने प्रदेश की राजनीति को भी गर्म कर दिया है। प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने कांग्रेस और राज्य सरकार पर राजनीतिक हमला तेज कर दिया है।पिछले दिनों भाजपा ने राजभवन तक मार्च कर 32% आरक्षण बहाल करने की मांग की थी।

आरक्षण मामले में अब तक क्या हुआ है

राज्य सरकार ने 2012 आरक्षण के अनुपात में बदलाव किया था। इसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग का आरक्षण 32% कर दिया गया। वहीं अनुसूचित जाति का आरक्षण 12% किया गया। इस कानून को गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी। बाद में कई और याचिकाएं दाखिल हुईं।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 19 सितम्बर को इसपर फैसला सुनाते हुये राज्य के लोक सेवा आरक्षण अधिनियम को रद्द कर दिया। इसकी वजह से आरक्षण की व्यवस्था खत्म होने की स्थिति पैदा हो गई है। शिक्षण संस्थाओं में भी आरक्षण खत्म हो गया है। भर्ती परीक्षाओं का परिणाम रोक दिया गया है। वहीं कॉलेजों में काउंसलिंग नहीं हो पा रही है।

केंद्रीय परिवहन मंत्री के आप्त सचिव से मिले सांसद

जमशेदपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के आप्त सचिव वैभव डांगे शहर पहुंचे। उन्होंने बिष्टुपुर स्थित सांसद कार्यालय में विद्युत वरण महतो से मुलाकात की। सांसद ने आप्त सचिव को बताया कि पारडीह काली मंदिर से लेकर बालीगुमा तक फ्लाईओवर का डीपीआर बनकर तैयार है। शीघ्र ही एनएचएआई की ओर से टेंडर निकाला जाएगा। सांसद ने भारतमाला योजना के तहत पारडीह काली मंदिर से पटमदा-कटिन- बांदवान होते हुए बांकुड़ा व दुर्गापुर तक एनएच रोड का निर्माण, चाईबासा से हाता रोड, मुसाबनी-डुमरिया-आस्ती गुड़ाबांदा होते हुए ओडिशा बाम्बे चौकी तक एनएच रोड का निर्माण को लेकर बातचीत की। सांसद ने सेंट्रल रोड फंड से सुसनी वाया हाथी खेदा तक, आगूईडांगरा से बांगुड़दा हुडूमविल होते हुए बनकुचिया मोड़ से खिजूरडीह तक, एनएच 6 कालियाडिंगा से चित्रेश्वर रंगुनिया कुमारडूबी होते हुए एनएस-6 जगन्नाथपुर तक पथ निर्माण की मांग की।

अनंत सिंह की पत्नी व महागठबंधन उम्मीदवार नीलम देवी के लिए नीतीश करेंगे प्रचार? सस्पेंस बरकरार

पटना, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की दो विधानसभा सीटों, मोकामा और गोपालगंज, में उपचुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। इन दोनों सीटों पर राजद और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। दोनों पार्टियों की ओर से स्टार प्रचारकों की लिस्ट भी जारी कर दी गई है। सबसे ज्यादा चर्चित सीट मोकामा है, जहां से पूर्व विधायक अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी मैदान में हैं। नीलम देवी महागठबंधन की उम्मीदवार हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि महागठबंधन के मुखिया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नीलम देवी के लिए चुनाव प्रचार करेंगे?

बता दें कि अनंत सिंह कभी जदयू के ही विधायक थे और नीतीश कुमार के बेहद खास हुआ करते थे, लेकिन बाद के दिनों में रिश्ते बिगड़ से गए। अनंत सिंह चुनाव जीते भी तो राजद के टिकट पर और उसके पहले निर्दलीय विधायक के तौर पर भी जीत हासिल की। लेकिन इस बार अनंत सिंह की बजाय उनकी पत्नी नीलम देवी राजद की उम्मीदवार हैं।

जदयू ने फिलहाल उपचुनाव में अपने नेताओं को नहीं उतारा है। राजद के नेता स्थानीय स्तर पर लगे हुए हैं। तेजस्वी यादव से लेकर दूसरे नेताओं का भी कार्यक्रम बनना है, लेकिन नीतीश कुमार पर ही सबकी नजरें टिकी हुई है।

नीलम देवी के चुनाव प्रचार वाले पोस्टर बैनर में नीतीश कुमार की तस्वीर नजर आ रही है। इतना ही नहीं, जिस अनंत सिंह से ललन सिंह के 36 के आंकड़े हैं, उनकी तस्वीर भी नीलम देवी के पोस्टर में नजर आ रही है। लेकिन ललन सिंह से लेकर नीतीश कुमार क्या वाकई जमीन पर उतर कर नीलम देवी के लिए वोट मांगेंगे? यह सवाल अभी भी सस्पेंस वाला है।

नक्सलियों ने 4 वाहनों को फूंका, तोड़फोड़ भी की

खदान में 40 से ज्यादा वर्दीधारी माओवादी पहुंचे और वारदात को अंजाम देकर भाग गए

कांकेर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की कायराना हरकत थमने का नाम नहीं ले रही है। एक बार फिर से माओवादियों ने उत्पात मचाया है और खदान में खड़ी 4 वाहनों को भूंज दिया है। इसके अलावा एक गाड़ी में तोड़फोड़ की है। मामला सिकसोड़ थाना क्षेत्र का है। दरअसल, चारगांव में लोहा खदान है। वहां बहुत सी गाड़ियां भी काम में लगी हुई हैं। रोज की तरह रविवार को भी वहां काम चल रहा था। इसी दौरान देर रात करीब 3 बजे 40 से ज्यादा वर्दीधारी नक्सली पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने वहां के कर्मचारियों को धमकाना शुरू कर दिया था। वहीं खदान में खड़ी 4 वाहनों में आग लगा दिया। बताया जा रहा है कि जिन गाड़ियों में नक्सलियों ने आग लगाई है। उसमें एक बोलेरो, एक सूमो और 2 हाइवा शामिल हैं। साथ ही एक हाइवा गाड़ी में तोड़फोड़ भी की है। वारदात को अंजाम देने के बाद नक्सली वापस जंगल की ओर भाग गए हैं। इधर, घटना के वक्त जो कर्मचारी मौजूद थे। वो काफी डर हुए हैं। उन्होंने तुरंत ही इस बात की सूचना प्रबंधन को दी थी। प्रबंधन ने पुलिस को भी इस घटनाक्रम के बारे में बताया है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कर्मचारियों से भी पूछताछ कर रही है।

कूलर में छिपाए गए थे पिस्टल, कट्टा और कारतूस

बिलासपुर गोलीकांड के बाद हथियारों का जखीरा बरामद, यूपी-बिहार से लाए गए, 4 गिरफ्तार

बिलासपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में गोलीकांड के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने अवैध हथियारों का जखीरा बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक युवक अपने घर के कूलर में दो देसी पिस्टल और कारतूस छिपाकर रखा था। उसे पकड़ने के बाद पुलिस ने उसके तीन साथियों को भी दबोच लिया। उनके पास से दो पिस्टल, 12 बोर का दो कट्टा, दो एयरगन और आठ जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने यह कार्रवाई की है।

एसएसपी पारुल माथुर ने बताया कि पचपेड़ी में किराना व्यापारी लड़के की गोली मारकर हत्या करने के बाद सभी थानेदारों के साथ ही एसीसीयू की टीम को अवैध हथियार रखने वालों की जानकारी जुटाकर उनकी धरपकड़ करने के निर्देश दिए गए थे। इस दौरान एसीसीयू की टीम को सूचना मिली कि तोरवा क्षेत्र के लालखदान निवासी जय सिंह चौहान के पास देसी पिस्टल है, जिसे लेकर घूमते देखा गया है। जानकारी मिलते ही एसीसीयू प्रभारी हरविंदर सिंह और उनकी टीम ने जयसिंह चौहान को पकड़कर पूछताछ की। तब पता चला कि वह अपने घर के कूलर में एक देसी पिस्टल, एक 315 बोर का देसी पिस्टल, एयरगन और कुछ जिंदा कारतूस रखा है, जिसे पुलिस ने जब्त किया।

पुलिस की पूछताछ में उसने अपने तीन साथियों को भी देसी पिस्टल और कट्टा उपलब्ध कराने की जानकारी दी। पुलिस ने तीनों युवकों को भी दबोच लिया। पूछताछ में इन युवकों से भी पुलिस ने देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया। युवक कट्टा और पिस्टल दिखाकर डराते धमकाते रहते हैं।

एसएसपी पारुल माथुर ने बताया कि लालखदान में पिछले लंबे समय से दो गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। एक-दूसरे गुट के लोग अपने गुर्गे तैयार करते रहे हैं और उन्हें अवैध हथियार तक उपलब्ध कराते हैं। पुलिस को जानकारी मिली थी कि कुछ लोग बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से बाहर से हथियार मंगवाकर अपने पास रख रहे थे। अभी इस केस की जांच जारी है और आगे भी अवैध हथियार मिलने की उम्मीद है।

पकड़े गए आरोपी जयसिंह चौहान ने पुलिस को बताया कि वह उत्तरप्रदेश और बिहार से देसी पिस्टल और कट्टा खरीदकर लाया था। उसने यह भी बताया कि राहुल तिवारी और उमेश श्रीवास के पास भी हथियार है और कई बार दोनों उससे जिंदा कारतूस मांग चुके हैं। पुलिस ने दोनों को पकड़ा तो उन्होंने अंकित वर्मा के पास अवैध हथियार होने की जानकारी दी। पूछताछ में यह भी पता चला है कि सभी युवक उत्तरप्रदेश और बिहार से 20 से 30 हजार रुपए में हथियार खरीदकर लाए थे।

एसीसीयू प्रभारी हरविंदर सिंह ने बताया कि पचपेड़ी क्षेत्र में हुए गोलीकांड के बाद आसपास के क्षेत्र की पड़ताल की जा रही थी। इस दौरान पूछताछ में पता चला कि शहर में कुछ युवकों के पास हथियार है। पिछले कुछ दिनों से नशे की हालत में एक युवक को पिस्टल लेकर घूमता देखा गया था। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने जानकारी जुटाई गई। फिर लालखदान में दबिश देकर जयसिंह चौहान को पकड़ा लिया गया। इसके बाद तीन अन्य आरोपी भी दबोच लिए गए।

'जल्दबाजी करेंगे तो ठोकर खाएंगे'

अशोक गहलोत का सचिन पायलट पर निशाना

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट का नाम लिए बिना निशाना साधा है। सीएम गहलोत ने कहा कि जिन लोगों को बिना रगड़ाई किए पद मिल गया। वे लोग जल्दबाजी कर रहे हैं। जल्दबाजी करेंगे तो ठोकर खाएंगे। उन्हें पार्टी में जमे रहना चाहिए। सब्र रखना चाहिए। अवसर आने पर पार्टी उन्हें मौका देगी। लीडरशिप चांस जरूर देती है। सीएम गहलोत ने जयपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जो लोग जो लोग पार्टी छोड़कर चले गए, अवसरवादी थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद और आरपीएन सिंह को पार्टी ने अच्छे पोर्टफोलियो दिए थे।

गहलोत ने पायलट पर तोड़ी चुप्पी

बता दें, राजस्थान में कांग्रेस विधायक की बैठक के बहिष्कार के बाद सीएम गहलोत ने सचिन पायलट को लेकर पहली बार चुप्पी तोड़ी है। सीएम गहलोत ने हालांकि, सचिन पायलट का नाम नही लिया, लेकिन इशारा पायलट की तरफ ही माना जा रहा है। सीएम गहलोत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में मेरी भी खूब रगड़ाई हुई। लेकिन जो लोग पार्टी छोड़कर चले गए है, वे अवसरवादी है। उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को गहलोत समर्थक विधायकों ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर दिया था। गहलोत समर्थकों ने सचिन पायलट को सीएम बनने का विरोध करते हुए स्पीकर सीपी जोशी को इस्तीफा दे दिया था।

गांधी परिवार के साथ रिश्ते तर्क से परे

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचे सीएम गहलोत ने कहा कि मैं खड़गे का प्रस्तावक बना हूं। खड़गे भारी मतों से चुनाव जीतेंगे। इससे पहले सीएम गहलोत ने कहा कि गांधी परिवार के साथ रिश्तें तर्क से परे हैं। आगे भी ऐसे ही रहेंगे। जब सीएम गहलोत से पूछा गया कि गांधी परिवार के साथ रिश्ते कैसे है, तब उन्होंने कहा- गांधी परिवार से रिश्ते ऐसे जो तर्क से परे। आगे भी इस तरह के रिश्ते रहेंगे। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि 19 तारीख के बाद भी मेरे गांधी परिवार के साथ वैसे रहेंगे जो पिछले 50 साल है। आप लोग मेरी चिंता करते हो, संदेह पैदा करते हो, चिंता करते हो मेरी, बड़ी मेहरबानी है प्रेस वालों की। पता नहीं आगे क्या होगा। गांधी परिवार से रिश्तें कैसे रहेंगे। इसका जवाब मैं दे चुका है।

राजस्थान के जयपुर- बीकानेर और श्रीगंगानगर में भूकंप के झटके

रिक्टर स्केल पर 3.6 तीव्रता रही

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आज भूकंप के झटके महसूस किए गए है। राजधानी जयपुर समेत बीकानेर और श्रीगंगानगर में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। रात 12 बजकर 36 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर 3.6 तीव्रता रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि आज जिस तरह का भूकंप का झटका महूसस हुआ, इससे पहले कभी महसूस नही किया। भूकंप के साथ जहां कंपन तो हुआ, इसके साथ ही तेज आवाज भी सुनाई दी। लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति नहीं हुई। अधिकारियों के अनुसार किसी प्रकार के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है।

जालौर में भूकंप के झटके

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार जालोर में रात 2:26 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां ज्यादा तीव्रता वाल भूकंप रहा। रिक्टर स्केल में पर इसकी तीव्रता 4.6 बताई जा रही है। हालाकि, इस दौरान किसी के भी हादसे की खबर नहीं है। बता दें इससे पहले चूरू जिले में 13 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर दो मिनट पर भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये थे। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 मापी गई थी। हालांकि, लोग घरों से बाहर निकल गए, लेकिन इस दौरान किसी प्रकार के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। 18 फरवरी को भी जयपुर में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

8 महीने पहले सीकर में आया था भूकंप

बता दें करीब 8 महीने पहले सीकर में भूकंप आया था। लोग घरों से बाहर निकले थे। मौसम विभाग के मुताबिक भूकम्प की तीव्रता 3.8 रही। यह जमीन से 5 किलोमीटर नीचे आया और इसका केंद्र सीकर का देवगढ़ रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि आज जिस तरह का भूकंप का झटका महूसस हुआ, इससे पहले कभी महसूस नही किया। भूकंप के साथ जहां कंपन तो हुआ, इसके साथ ही तेज आवाज भी सुनाई दी।

मंत्री गुढ़ा बोले- पायलट का समय जल्द आएगा

सचिन की उम्र में गहलोत सीएम बन गए थे, यूथ को भी साइडलाइन नहीं कर सकते

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए वोटिंग सोमवार दोपहर 4 बजे पूरी हो गई। दो डेलिगेट्स के प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बनाए गए बूथ पर 414 में से 396 डेलिगेट्स ने वोट डाले। मतदान प्रक्रिया सोमवार सुबह 10 बजे शुरू हुई थी। बैलेट पेपर से वोटिंग हुई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधायक दिव्या मदेरणा, सचेतक महेंद्र चौधरी समेत 396 डेलिगेट्स ने वोट डाले । वहीं, सचिन पायलट ने दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में वोट डाला। इससे पहले वोटिंग नियम में भी रातों-रात बदलाव किया गया है।

गहलोत बोले- मेरे और गांधी परिवार के रिश्ते तर्क से परे

विधायक दल की बैठक के बहिष्कार के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गांधी परिवार से रिश्तों को लेकर चल रही चर्चाओं पर पहली बार सीएम ने बयान दिया है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में अध्यक्ष चुनाव में वोट देने पहुंचे गहलोत ने कहा- मेरे गांधी परिवार के रिश्ते तर्क से परे हैं। गांधी परिवार से वो रिश्ता पहले भी था है और रहेगा। राजस्थान सीएम बदलाव पर आगे क्या होगा? इस सवाल पर गहलोत ने कहा कि आप लोग मेरी चिंता करते हो, आगे क्या होगा? गांधी परिवार से मेरे रिश्ते 19 अक्टूबर के बाद भी वैसे ही रहेंगे जो 50 साल से रहे हैं। इसके आगे का जवाब खड़गेजी चुनाव जीतने के बाद ही आपको देंगे।

मंत्री गुढ़ा बोले- पायलट की उम्र में गहलोत सीएम बन गए थे

सीएम गहलोत के युवाओं को सब्र करने वाले बयान पर पलटवार किया है। मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि सचिन पायलट की उम्र में गहलोत मुख्यमंत्री बन गए थे। उनके जमाने में परसराम मदेरणा, नवलकिशोर शर्मा सहित 20 से 30 नेताओं को साइडलाइन करके एक लाइन के प्रस्ताव से सीएम बनाया गया था। गहलोत पहली बार सीएम बने तो काम भी अच्छा किया, क्योंकि नौजवान थे तो काम अच्छा किया।

गुढ़ा ने कहा कि अनुभव को साइड नहीं कर सकते हैं, लेकिन यूथ को भी साइडलाइन नहीं कर सकते। आदि शंकराचार्य 33 साल की उम्र में नाम करके चले गए थे। विवेकानंद 36 साल में दुनिया से चले गए थे, सिकंदर 27 साल की उम्र में दुनिया जीतकर चला गया था। नौजवानों ने रिजल्ट दिए हैं।

धारीवाल, जोशी, राठौड़ अब माफी मांग रहे, पायलट सीएम बनेंगे

गुढ़ा ने कहा कि पायलट का समय जल्दी आएगा। पायलट सीएम बनेंगे। अध्यक्ष के चुनाव के बाद पायलट का समय आएगा। जो नेता पहले कह रहे थे कि आलाकमान को नहीं मानेंगे, आज वे माफी मांग रहे हैं। हमारे सचेतक को ले लीजिए, धारीवाल को ले लीजिए और धर्मेंद्र राठौड़ को ले लीजिए अब माफी मांग रहे हैं। मैं अपने स्टेंड पर कायम हूं।

अध्यक्ष चुनाव में पीसीसी में 414 में से 393 डेलिगेट्स ने वोट डाले हैं। जबकि 6 नेता वोट डालने नहीं पहुंचे। 15 नेताओं ने दिल्ली और दूसरी जगह वोट डाला। विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नारायण सिंह, कांग्रेस नेता लीला मदेरणा, राघवेंद्र मिर्धा, श्रवण कुमार, विधायक वाजिब अली वोट डालने नहीं पहुंचे। वाजिब अली ऑस्ट्रेलिया हैं। नारायण सिंह और श्रवण कुमार बीमार हैं। उधर, मल्लिकार्जुन खड़गे के पक्ष में एकतरफा वोटिंग होने के पूरे आसार हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद खड़गे के प्रस्तावक के तौर पर उन्हें वोट देने की अपील कर चुके हैं।

किसान आक्रोश सम्मेलन में बोले पूनिया- कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे पाखंड

सच्चाई है तो स्पीकार स्वीकार करें, एमएलए इस्तेमाल कर रहे सरकारी बंगले,गाड़ी,सिक्योरिटी

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। BJP प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने सीकर के लक्ष्मणगढ़ में बीजेपी के किसान आक्रोश सम्मेलन में मंच से संबोधन में शेखावाटी बोली में कहा- राजस्थान में कांग्रेस के 80 विधायकों ने इस्तीफा दे रखा है। इस्तीफा देकर रखने वालों का तो धर्म होता है कि वो अपना पूजा-पाठ करें। व्रत करें, उपवास करें। जो मर्जी हो वो करें। पर बंगला भी सरकार का, गाड़ी भी सरकार की तोड़ रहे हैं। सिपाही भी सरकार के ले रखे हैं। रोटी भी सरकार की खा रहे हैं। इसलिए या तो कांग्रेस पाखंड है या विधायकों के इस्तीफे पाखंड है। अगर सच्चाई है, तो स्पीकर को उन इस्तीफों को स्वीकार कर लेना चाहिए। मुझे लगता है स्वीकार किया तो.... राजस्थान में पिछले 4 से से अस्थिरता की दोषी कांग्रेस पार्टी है।

बीजेपी ने प्रदेश की गहलोत सरकार के 4 साल के शासनकाल के खिलाफ आज से आंदोलन की शुरुआत कर दी है। एक ओर आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए वोटिंग हो रही है। दूसरी ओर बीजेपी आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के विधानसभा क्षेत्र सीकर के लक्ष्मणगढ़ में विशाल किसान आक्रोश सम्मेलन कर रही है। किसान आक्रोश सम्मेलन में बाजरा की समर्थन मूल्य पर खरीद की मांग, किसान कर्जमाफी, सुचारू बिजली, फसली खराबे की गिरदावरी करवाकर भुगतान करने, खाद-बीज की उपलब्धता, बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी जैसे मुद्दे बीजेपी उठाएगी। लक्ष्मणगढ़ के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भाजपा का विशाल किसान आक्रोश सम्मेलन हो रहा है। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के साथ फोटो वाली पोस्ट ट्वीट कर राजस्थान किसान जन आक्रोश सम्मेलन के 4 एजेंडे बताए हैं।

सम्मेलन को बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के अलावा शेखावाटी के 3 जिलों- सीकर,चूरू,झुंझुनूं के सांसद और बीजेपी विधायक मौजूद हैं।

राजस्थान में 6 डिग्री तक गिरा तापमान

बाड़मेर को छोड़ सभी शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री से नीचे आया

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में धीरे-धीरे सर्दी बढ़ती जा रही है। बाड़मेर को छोड़कर सभी शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है। रेगिस्तानी इलाकों में भी अब लोगों को गुलाबी सर्दी का अहसास होने लग गया। वहीं, मौसम शुष्क और साफ रहने से दिन में तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है। मौसम में दिन-रात के तापमान में अंतर बढ़ने से लोग वायरल बीमारियों की चपेट में भी आ रहे है।

पिछले एक सप्ताह की रिपोर्ट देखे तो पाली, उदयपुर, बूंदी, कोटा, भीलवाड़ा, चूरू, धौलपुर, टोंक, बूंदी, बारां, जालोर, करौली में रात का न्यूनतम तापमान में 4 से लेकर 6 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई है। शेखावाटी बेल्ट चूरू, सीकर के अलावा उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, जालोर में रात में पारा 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने लगा है। इससे इन एरिया में रात में लोग अब हल्के गर्म कपड़ों का ओढ़ने लगे है। जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, पाली में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने के कारण रात में लोगों को हल्की सर्दी महसूस होने लगी है। टू-व्हीलर चालकों को देर रात गाड़ियों पर चलने पर ठंड का अहसास होने लग गया। वहीं ग्रामीण इलाकों में शहरों की तुलना में सर्दी ज्यादा महसूस होने लगी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक प्रदेश में अगले 3-4 दिन मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा और तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा।

हाड़ौती अंचल में 6 डिग्री नीचे आया तापमान

राज्य में एरिया वाइज देखे तो हाड़ौती अंचल में सर्दी का असर तेजी से बढ़ा है। यहां बूंदी में 11 अक्टूबर तक न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस से ऊपर था, जो एक सप्ताह में गिरकर आज 17 डिग्री सेल्सियस से पर पहुंच गया। इसी तरह कोटा में तापमान 23.3 से गिरकर 18.8 पर और बारां में 23.2 से 17.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। चूरू, सीकर में तो पिछले दो दिनों से पारा 15 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला गया है।

एक तरफ जहां रात में लगातार गिर रहा है और सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। वहीं, दिन में तेज धूप लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है।

दो दिन गुजरात चुनाव प्रचार पर गहलोत, रोड शो करेंगे

राजस्थान के बेरोजगार जताएंगे विरोध, उपेन बोले- राजस्थान में मुकदमे लगाएं, तब गुजरात आएं

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत आज 2 दिन के लिए गुजरात में कांग्रेस पार्टी के चुनाव प्रचार पर जा रहे हैं। लेकिन गुजरात में राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष उपेन यादव के नेतृत्व में सैकड़ों बेरोजगार युवाओं ने उनका विरोध जताने का फैसला लिया है। उपेन यादव ने कहा- गहलोत सरकार ने राजस्थान में गांधीवादी धरना-प्रदर्शन पर रोक लगा दी। जिसके कारण हमें गुजरात जाना पड़ा। कांग्रेस सरकार की पहले बजट की घोषणाएं आज भी अधूरी हैं। लखनऊ समझौते और मंत्रियों के लिखित समझौते की मांगें भी पूरी नहीं हुईं। उलटे वादा याद दिलाने के लिए आंदोलन किया, तो मुकदमा दर्ज कर हमें जेल में डाल दिया। इसलिए गुजरात आना पड़ा है। अब ये लड़ाई हम अंतिम सांस तक लड़ेंगे। गुजरात में चुनाव प्रचार के लिए आने पर सीएम गहलोत और कांग्रेस नेताओं का विरोध होगा। उपेन यादव समेत राजस्थान के ये बेरोजगार युवा गुजरात में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ माहौल तैयार कर रहे हैं। राजस्थान की गहलोत सरकार की वादाखिलाफी और बेरोजगार युवाओं के रोजगार, भत्तों की मांगों पर आंदोलन कर कांग्रेस को पॉलिटिकली नुकसान पहुंचा रहे हैं।

राजस्थान में एक साल में करीब 65 से 70 लाख अभ्यर्थी अलग-अलग नौकरियों के लिए प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं में बैठते हैं। गैर-सरकारी संस्था सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़े

बताते हैं कि राजस्थान में बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। आबादी के लिहाज से यह राज्य देश में सातवें नंबर पर है। राजस्थान में हर दूसरा ग्रेजुएट बेरोजगार है। इनकी संख्या 20.67 लाख है। जो देश भर में सबसे ज्यादा है। कुल बेरोजगारों की संख्या भी यहां 65 लाख है। जो सबसे ज्यादा है। देश के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्यों की तुलना में यह डेढ़ से तीन गुना तक ज्यादा है। इसके अलावा बिहार, झारखंड और हरियाणा में पढ़े-लिखे लोगों में बेरोजगारी दर ज्यादा है। तीनों राज्यों में हर तीन में से एक ग्रेजुएट बेरोजगार है। गुजरात में 13 ग्रेजुएट में एक बेरोजगार है।

गहलोत गुजारत में चुनाव प्रचार के बाद कल शाम उदयपुर से जाएंगे दिल्ली

सीएम अशोक गहलोत कुछ ही देर में स्पेशल प्लेन से अहमदाबाद पहुंचेंगे। दोपहर पौने 4 बजे हेलीकॉप्टर से पाटन के राधनपुर पहुंचकर जनसभा को संबोधित करेंगे। शाम पौने 6 बजे अहमदाबाद लौटकर वहीं नाइट स्टे करेंगे। 18 अक्टूबर को गहलोत सुबह 10 से 12 बजे तक अहमदाबाद में स्थानीय कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। दोपह 12.30 बजे प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। दोपहर 2.30 बजे बनासगांठा के थारड़ पहुंचकर रोड शो और जनसभा करेंगे। शाम 5.30 बजे गहलोत हेलीकॉप्टर से उदयपुर पहुंचेंगे। फिर शाम 6 बजे उदयपुर से स्पेशल प्लेन से दिल्ली निकल जाएंगे। शाम 7 बजे गहलोत का दिल्ली पहुंचने का प्रोग्राम है। दिल्ली में गहलोत का कांग्रेस के सीनियर नेताओं से मुलाकात का कार्यक्रम प्रस्तावित है। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव होने के बाद 19 अक्टूबर को काउंटिंग होनी है।

गुजरात में कांग्रेस के सीनियर नेताओं,मंत्रियों का विरोध जताएंगे बेरोजगार

उपेन यादव के नेतृत्व में राजस्थान के बेरोजगार 2 अक्टूबर से ही गुजरात में डेरा डाले हुए हैं। बेरोजगारों ने गुजरात दौरे पर मुख्यमंत्री के घेराव की घोषणा की है। उपेन यादव ने कहा है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होंगी, तब तक विरोध औरं गहलोत सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। सूत्रों के मुताबिक राजस्थान के बेरोजगार युवा गुजरात में चुनाव प्रचार के लिए आने वाले कांग्रेस के सीनियर नेताओं, राजस्थान के मंत्रियों का भी विरोध जताएंगे। पिछले 15 दिन से ये युवा बेरोजगार सड़कों, मंदिरों और सार्वजनिक जगहों पर रात गुजार रहे हैं। आरोप है कि गहलोत सरकार सुनवाई नहीं कर रही है। लेकिन बेरोजगारों को नजरअंदाज करना कांग्रेस को विधानसभा और आगामी लोकसभा चुनाव दोनों में भारी पड़ेगा।

होटल मैनेजर का पत्नी बदलने का खेल

दोस्तों से रिलेशन बनाने का बनाया दबाव, मना किया तो पीटा

बीकानेर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीकानेर के होटल में पति ने पत्नी बदलने (वाइफ स्वैप) का खेल खेला। दोस्तों के साथ पत्नी को फिजिकल रिलेशन का दबाव बनाया। मना किया तो मारपीट की। ये आरोप मध्यप्रदेश के भोपाल के कोहेफिजा इलाके की रहने वाली महिला ने होटल मैनेजर पति मोहम्मद अम्मार पर लगाए हैं। महिला का पति बीकानेर के एक होटल में मैनेजर है। मामला भोपाल के महिला थाने में दर्ज कराया है। हालांकि बीकानेर पुलिस इस पूरे मामले से खुद को अनजान बता रही है।

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि उसका पति बीकानेर के होटल में मैनेजर है। पति ने होटल के कमरे में बंद करके मोबाइल छीन लिया। वाइफ स्वैप गेम का हिस्सा बनने के लिए दबाव डाला। मना करने पर पति ने मारपीट की, जिसके निशान बॉडी पर बन गए। अप्राकृतिक रूप से फिजिकल रिलेशन भी बनाए। महिला ने ये भी आरोप लगाया कि उसके पति को शराब और ड्रग्स की लत है। इसके चलते लड़कियों के साथ ही लड़कों से भी रिलेशन बनाता रहता है।

जयपुर में सौतेले भाई ने बहन से की छेड़छाड़

संबंध बनाने से मना करने पर पीटा, विरोध कर शोर मचाने पर दबाया गला

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में सौतेले भाई के बहन से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। शारीरिक संबंध बनाने से मना करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। विरोध कर शोर मचाने पर मारने के लिए गला दबा दिया। मुरलीपुरा थाने में पीड़िता ने सौतले भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी हेड कॉन्स्टेबल महावीर सिंह ने बताया कि मुरलीपुरा निवासी 22 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि आरोपी उसका सौतेला भाई है। 13 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे वह अपने रुम में सो रही थी। आरोपी सौतेले भाई ने उसके कमरे में आकर छेड़छाड़ की। विरोध कर दूर करने पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा।

फिर गर्माया संविदाकर्मियों को पक्का करने का मुद्दा

भाजपा-कांग्रेस हर चुनाव में घोषणा तो करती है, वादा पूरा कभी नहीं किया; अब पूनिया और कल्ला आमने सामने

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी विभागों में कार्यरत करीब 4 लाख संविदाकर्मियों को पक्का (नियमित) करने के मुद्दे ने एक बार फिर राजनीतिक रंग ले लिया है। इस मुद्दे पर दो दशक में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही मिसाल पेश करने लायक कुछ नहीं किया है, लेकिन हर चुनाव में दोनों ही पार्टियां इसे लेकर बढ़-चढ़ कर घोषणाएं करती हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, तो यह मुद्दा इतना गर्म हो जाता है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ही अपने-अपने घोषणा पत्रों में उन्हें नियमित करने का वादा करते हैं, लेकिन पिछले 20 सालों में 10 प्रतिशत से अधिक संविदाकर्मी नियमित नहीं हो सके हैं, जबकि प्रदेश भर में अब भी चार लाख युवा संविदा (ठेके) पर कार्यरत हैं। इस बीच ढाई लाख से अधिक युवा ओवरएज (नौकरी की तय आयु सीमा से बाहर) हो गए या दूसरे काम-धंधों में चले गए। गौरतलब है कि शनिवार को उड़ीसा देश का पहला राज्य बन गया है, जहां सरकारी दफ्तरों में काम करने वाले सभी संविदाकर्मियों को नियमित कर दिया गया है।

नेपाल के लोगों का मातृत्व डीएनए भारत और तिब्बत के साथ सम्बंधित : सीसीएमबी

डॉ. के. थंगराज के नेतृत्व में टीम ने नेपाल की आबादी के मातृवंश का किया अध्ययन

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिमालय क्षेत्र का मुख्य भाग होने के कारण, नेपाल दक्षिण और पूर्व एशिया के लोगो के डीएनए के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर सकता है। नेपाल की हिमालय पर्वत श्रृंखला ने मनुष्य के माइग्रेशन के लिए एक बैरियर का काम किया है, जबकि साथ ही, इसकी घाटियों ने निरंतर व्यापारिक रूप लोगो को जोड़ने का काम किया है। इस ऐतिहासिक हिमालयी व्यापार मार्गों के आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व के बावजूद, इस क्षेत्र के लोगों के डीएनए और माइग्रेशन के बारे में बहुत कम जानकारी है। सीएसआईआर-सेलुलर और आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी), हैदराबाद, के डॉ के थंगराज के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने नेपाल की आबादी के मातृ वंश का अध्ययन किया है जिसके परिणाम 15 अक्टूबर 2022 को ह्यूमन जेनेटिक्स पत्रिका में प्रकाशित किए गए हैं। डीबीटी-सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स (सीडीएफडी), हैदराबाद के निदेशक डॉ के थंगराज के अनुसार "नेपाली लोगो पर यह पहला सबसे बड़ा अध्ययन है, जहां हमने नेवार, मगर, शेरपा, ब्राह्मण, थारू, तमांग और काठमांडू और पूर्वी नेपाल की आबादी सहित नेपाल के विभिन्न जातीय समूहों के 999 व्यक्तियों के माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए सीक्वेंस का विश्लेषण किया है। इस दौरान पाया कि अधिकांश नेपाली आबादी ने हिमालय के उचाई पर रहने वाले लोगो की तुलना में तराई की आबादी से अपने मातृ वंश को प्राप्त किया है।" डॉ के थंगराज ने कहा, जो वर्तमान में इस अध्ययन से प्राप्त परिणामों ने शोधकर्ताओं को इतिहास और अतीत की डेमोग्राफ़िक घटनाओं के बारे में कई घटनाक्रमों को पता करने में मदद की जिसने वर्तमान नेपाली आनुवंशिक विविधता को बनाया। "हमारे अध्ययन से पता चला है कि नेपालियों के प्राचीन अनुवांशिक डीएनए को धीरे-धीरे विभिन्न मिश्रण एपिसोड द्वारा बदल दिया गया था; साथ ही दक्षिणपूर्व तिब्बत के रास्ते 3.8-6 हजार साल पहले लोगो के हिमालय पार करने के प्रमाण मिले है," इस अध्ययन के त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल के पहले लेखक राजदीप बसनेट ने बताया कि "नेवार और मगर जैसे तिबेतो-बर्मन समुदायों की ऊंचाई पर रहने वाले तिब्बतियों/शेरपाओं से डीएनए के आधार पर काफी विभिन्नता दिखती है । इतिहास, पुरातात्विक और आनुवंशिक जानकारी का उपयोग करते हुए इस अध्ययन ने हमें नेपाल के तिबेतो-बर्मन समुदायों के जनसंख्या इतिहास को समझने में मदद की है।' बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अध्ययन के सह-लेखक ज्ञानेश्वर चौबे ने कहा की, "भारत और तिब्बत के साथ नेपाल के सांस्कृतिक संबंध उनके अनुवांशिक इतिहास में भी परिलक्षित होते हैं।" सीएसआईआर-सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के निदेशक डॉ विनय के नंदीकुरी ने कहा, "इस तरह का अध्ययन प्रारंभिक मानव माइग्रेशन और विभिन्न आबादी की आनुवंशिक समानताएं स्थापित की बेहतर समझ के लिए सहायक है।"

राजस्थान में बधर माता के भक्त निवास का भूमि पूजन 2 नवंबर को

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति, हैदराबाद की बैठक समिति के समन्वय कर्ता गोविन्द सोमाणी के आवास पर संपन्न हुई। समिति के प्रधान संयोजक राजेश सोमाणी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में ट्रस्ट के सह सचिव गोविन्द सोमाणी ने 2 नवंबर को आयोजित होने वाले भक्त निवास के भूमि पूजन कार्यक्रम को भव्य दिव्य बनाने हेतु मेवाड़-राजस्थान का दौरा किया, जिसकी जानकारी देते हुए गोविन्द सोमाणी ने बताया कि ट्रस्ट के अध्यक्ष शाम सुंदर सोमाणी (औरंगाबाद), सचिव मनमोहन बाग़ड़ी (मुंबई), प्रचार मंत्री पूरण मर्दा (मालेगाँव) साथ में थे। शंकरलाल सोमाणी ने बैठक संचालन करते हुए यह जानकारी दियी की भीलवाड़ा सोमाणी के 550 से अधिक परिवार है। अपनी कुलदेवी के इस कार्यक्रम को भीलवाड़ा के सोमाणी परिवार ने तन -मन-धन से सहायता कर के कार्यक्रम को सफल करने में आगे आना चाहिए। इसी कड़ी में 1 और 2 नोवंबर को कुलदेवी के पास पधारने वालों भक्तों की भोजन व्यवस्था दायित्व भीलवाड़ा के सोमाणी परिवार ने सहर्ष स्वीकार किया। सेवा समिति हैदराबाद के प्रधान संयोजक राजेश सोमाणी ने बैठक को संबोधित करते हुए के बताया कि सम्पूर्ण भारत वर्ष से अधिक संख्या में कुल पुत्र सहपरिवार इस महान कार्य में सहभागी होने की जानकारी मिल रही है। बैठक में राजेश सोमाणी, रमेश मर्दा, गोविन्द सोमाणी, शामसुंदर सोमाणी, हनुमान सोमाणी, राज गोपाल मर्दा और विट्ठल सोमाणी उपस्थित रहे।

बिहार एसोसिएशन द्वारा छठ पूजा की तैयारी जोरों पर

बैठक में छठ पूजा का आयोजन भव्यता से करने का निर्णय

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अन्य वर्षों की भांति इस वर्ष भी बिहार एसोसिएशन के कर्मठ कार्यकर्ता शहर के सभी भागों में महापर्व छठ की तैयारी में जुट गया है। छठ घाटों की सफाई हेतु युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस बार महापर्व छठ की दृश्य कुछ अलग ही रहेगा। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद राज्य के प्रशासनिक विभाग एवं ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के सहयोग से हैदराबाद के समस्त भागों में संस्था अपने सभी सदस्यों के साथ मिल कर छठ घाटों को सौंदर्यीकरण करना शुरू कर दिया है। जैसा कि हम सभी जानते हैं टैंक बॉन्ड, उपल छठघाट, एलबी नगर, काटेदान, मियांपुर, अयोध्या नगर, सुभाष नगर इत्यादि जगहों पर छठ महापर्व का मनोरम दृश्य देखते ही बनता है, एसोसिएशन मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि एसोसिएशन बिहार भवन परिसर में बैठक आयोजित कर छठ पूजा हेतु चल रहे तैयारियों पर गहन चर्चा की। आज अशोक प्रसाद सिंह, रविशंकर सिंह, प्रभास कुमार एवं अरविंद यादव के द्वारा उप्पल जीएचएमसी कमिश्नर को पत्र सौंपकर उपल घाट को सौंदर्यीकरण करने हेतु अनुरोध किया गया।

खोक सागर, सुभाष नगर में संतोष ठाकुर, मुकुल सिंह एवं रूपेश सिंह के द्वारा घाट का निरीक्षण किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के प्रशासनिक विभाग एवं सभी जगहों के मुंसिपल कॉरपोरेशन बिहार एसोसिएशन हैदराबाद संस्था के सदस्यों को भरपूर सहयोग कर रहा है। बिहार एसोसिएशन द्वारा राज्य सरकार के प्रशासनिक विभागों को आश्वस्त कराया है कि हमारी संस्था सभी जगहों पर राज्य सरकार के सहयोग से प्रशासनिक दिशानिर्देशों को पूर्ण रुप से पालन करते हुए व्रतियों को अधिक से अधिक सुविधा पहुंचाने का प्रयत्न करेगा। बैठक में बिहार फाउंडेशन चैप्टर के चेयरमैन मानवेंद्र मिश्रा, एसोसिएशन के उपाध्यक्ष उत्तम यादव, कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता, भरत सिंह, हरेराम यादव, दिनेश सिंह, एसएस चौहान, अखिलेश सिंह, चंदन यादव, गोपाल साहू, अजय ओझा, बालकिशन यादव एवं कार्यकारिणी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज, हिमायत नगर की कार्यकारिणी सभा संपन्न

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज हिमायत नगर की कार्यकरिणी सभा का आयोजन अध्यक्ष पवन भुवानिया के निवास स्थान में किया गया। हिमायत नगर शाखा की मानद मंत्राणी रमा बाजोरिया ने बताया कि अग्रसेन महाराज को नमन करने के पश्चात अध्यक्ष पवन भुवानिया के स्वागत भाषण से सभा का शुभारंभ हुआ। मंत्राणी रमा बाजोरिया ने गत सभा की रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थापक एवं केंद्रीय समिति सदस्य डीपी अग्रवाल ने सावन की सैर की विस्तृन जानकारी दी एवं जमा-खर्च का ब्यौरा दिया। इसके पश्चात दीपावली मिलन एवं अन्नकूट पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से इसे 6 नवंबर को शाम 6:30 बजे से मनाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए आनन्द डालमिया को संयोजक एवं विकास अग्रवाल को सहसंयोजक निर्धारित किया किया। मनोरंजन का भार महिला समिति की संयोजिका सुमन भुवानिया एवं निर्मला संघी को सौंपा गया। पवन भुवानिया, धर्मेन्द्र सिंग्रोदिया, प्रताप नारायण संघी, मिट्ठन लाल मितल, डीपी अग्रवाल, आनन्द डालमिया, महेश सांवरिया आदि ने इसके लिए आर्थिक अनुदान देने की सकृति प्रदान थी। समिति द्वारा सभी सदस्यों से सपरिवार समय पर नेकलेस रोड स्थित हनुमान मंदिर में पधारने का आग्रह किया गया। उपाध्यक्ष नवीन अलमाल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संभा संपन्न हुई।

भाकृअनुप-क्रीडा में वार्षिक सहकारिता सम्मेलन का उद्घाटन

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, संतोषनगर में दो दिवसीय वार्षिक सहकारी सम्मेलन आरंभ हुआ। यह सम्मेलन आईसीएआर-सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ड्राईलैंड एग्रीकल्चर एंड एंग्लो-अमेरिकन क्रॉप न्यूट्रिएंट्स (एएसीएन) द्वारा संयुक्त रूप से 17-18 अक्टूबर के दौरान आयोजित किया जा रहा है. जिसमें देशभर के प्रबुद्ध वैज्ञानिक, किसान, हितधारक, शोधकर्मी व छात्रों सहित लगभग 200 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ वी.के. सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-क्रीडा ने अतिथियों का स्वागत किया और वार्षिक सहकारी सम्मेलन आयोजित करने के उद्देश्य के बारे में बताया। इसका मुख्य ध्येय देश भर में उर्वरक उद्योग के साथ अनुसंधान और शिक्षा जगत के शीर्ष नेताओं को एक साथ लाना, फसल पोषण में सर्वोत्तम शोध पद्धतियों पर

प्रकाश डालना; संतुलित फसल पोषण प्रथाओं के माध्यम से स्थिरता के मुद्दों को संबोधित करना और भारत में पॉली4 पर अनुसंधान कार्य की प्रगति की समीक्षा करना है। एंग्लो-अमेरिकन क्रॉप न्यूट्रिएंट्स (एएसीएन) के कंट्री मैनेजर डॉ नीरज कुमार अवस्थी ने सम्मेलन के समग्र उद्देश्यों और अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि श्री रॉय मूर, क्षेत्रीय प्रमुख, एपीएसी और भारत, एएसीएन ने खनन से पॉली4 उत्पाद के विकास पर प्रकाश डाला।

एंग्लो अमेरिकन फसल पोषक तत्व फसल उत्पादकता और मिट्टी के स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए फसल पोषण पर अनुसंधान करने के लिए आईसीएआर के विभिन्न संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग कर रहा है। श्री रॉस मिशेल, ग्लोबल हेड एग्रोनॉमी, एएसीएन, ने भारतीय कृषि की मिट्टी और फसलों की विविधता पर प्रकाश डाला, जिससे पॉली4 के प्रदर्शन का बेहतर तरीके से मूल्यांकन करने में मदद मिलती है। बिहार कृषि विश्वविद्यालय भागलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. अजय कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि जैविक खेती में पॉली4 का उपयोग किया जाना चाहिए और नीति निर्माताओं और सह-संचालकों के माध्यम से इसके प्रसार को आसान बनाया जा सकता है।

डॉ. अरविंद कुमार, पूर्व कुलपति, रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी ने खाद्य और पोषण सुरक्षा को संबोधित करने के लिए कैलोरी केंद्रित अनाज से प्रोटीन, विटामिन और खनिजों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान के पुन: अभिविन्यास पर जोर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गैरेथ व्यान ओवेन, उप उच्चायुक्त, यूके उच्चायोग ने भारत और दुनिया भर में भी खाद्य असुरक्षा पर काम करने के लिए भारत-यूके के बीच सहयोग पर जोर दिया। डॉ. केए गोपीनाथ, प्रधान वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा दीपोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महावीर इंटरनेशनल तेलंगाना जोन द्वारा दीपोत्सव 2022 आयोजित किया गया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार तेलंगाना जोन के चेयरमैन वीर शील कुमार जैन ने बताया कि तेलंगाना दीपोत्सव 2022 की संयोजिका सीमा शील कुमार जैन को बनाया गया था। कार्यक्रम का संचालन राखी बाफना व पूजा बोहरा ने किया। कार्यक्रम की शुरुवात में संयोजिका सीमा शीलकुमार जैन, कोषाध्यक्ष अजय नाहरा, सेक्रेटरी विनय जोगड़ा, चेयरमैन शील कुमार जैन, अंतरराष्ट्रीय रिजन 10 व्हाईस प्रेसिडेंट रामकुमार सुराणा मंचासीन हुए। इस अवसर पर प्रभा दुगर, संजु गीरीया, परेश शहा, विनीता मेहरा, आशीष पुगालिया अविना जैन, राजकुमारी श्रीश्रीमाल, त्रिशना बंबोली, आशोक बलीया, अरुण जोधावत आदि की विशेष उपस्थिति रही। मधु रांका एंड ट्रूप द्वारा अंताक्षारी का आयोजन किया गया। सीमा शील कुमार जैन के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जनसेवा संघ की संचालन समिति ने की बैठक

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ संचालन समिति की अक्टूबर माह की बैठक का आयोजन संस्था के केंद्रीय कार्यालय में किया गया, जिसमें ऑडिट रिपोर्ट, सदस्यों की उपस्थिति, ऑफिस आय तथा व्यय एवं ऑफिस के फोन के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने बारी बारी से अपने विचार व्यक्त किए। संस्था के वरिष्ठ सदस्य तथा उत्सव समिति के संचालक आरपी सिंह ने छठ घाटों की व्यवस्थाओं की चर्चा करते हुए बताया कि सभी घाट प्रभारी को चाहिए अपने-अपने घाटों कि साफ सफाई एवं सभी कार्यों के लिए जोनल कमिश्नर से मिल कर उनसे बात करें और कार्य कराएं। महेंद्र चौबे चर्चा करते हुए समस्या निवारण पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया जिससे संस्था का प्रचार प्रसार जन जन तक पहुंच सकता है। एके मिश्रा ने बताया कि उनकी एरिया में काम अच्छा चल रहा है तथा उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान एवं नवीनीकरण पर जोर दिया जाएगा। कई सदस्यों ने केंद्रीय समिति के गठन के चुनाव प्रक्रिया के तहत करने का सुझाव दिया जिसका अनिल श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, महेंदर चौबे, एके मिश्रा, नारायण ओझा आदि ने भी समर्थन किया। अध्यक्ष ने ऑडिट रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए बताया कि पुराने आडिटर से बात हुई है तथा एक दो दिन में सारे पेपर तैयार करके आडिटर को सुपुर्द कर दिया जाएगा तथा ऑडिट होने के साथ आई टी आर भी जमा करा दिया जाएगा।

कमालुद्दीन अपना विचार व्यक्त करते हुए बताया कि सभी मिलजुलकर एकजुट होकर कार्य करे तो संस्था अति शीघ्र काफी नाम एवं ख्याति हासिल कर सकती है। केडी चौबे चर्चा करते हुए बताया कि सभी को जवाबदेही दी गई है तथा सभी लोग अपना काम समझ कर दिल से काम करे तथा जल्दी जल्दी अपने कार्यों को पूर्ण करके इसकी सूचना कार्यालय में प्रेसित करें। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक जोनल अध्यक्ष अपने-अपने जोन में पाँच सदस्यों की समस्या निवारण कमेटी बनाकर केंद्रीय कार्यालय में जमा कराएं और उनकी जवाबदेही होगी कि उनके एरिया की समिति के लोग स्वतः समस्या का निवारण करें परंतु प्रत्येक समस्या की लिखित सूचना केंद्रीय कार्यालय को देना अनिवार्य है। आर पी सिंह ने यह भी बताया कि छठ पूजा के बाद कल्चरल समिति के साथ मिलकर एक कल्चरल प्रोग्राम की रूपरेखा तैयार की जा रही है जो कि लगभग दिसंबर में किया जाएगा। नारायण ओझा ने बताया कि क्रिकेट मैच छठ पूजा के बाद आयोजित करने जा रहे हैं। महासचिव केडी चौबे ने बताया कि सभी सदस्यों को नियमों के तहत चलना चाहिए तथा अनुशासन पर ध्यान देना चाहिए। मदनलाल रावल ने उमेश राव एवं रणवीर सिंह के केस की चर्चा की जिसमें महासचिव ने बताया कि क्योंकि यह केस न्यायालय में है इसलिए जन सेवा संघ इसमें कुछ ज्यादा नहीं कर सकता है।

एसएसके समाज रहीमपुरा द्वारा दशहरा सम्मेलन और शिक्षा छात्र पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने भाग लिया। साथ ही टीआरएस के वरिष्ठ नेता जी. श्रीनिवास यादव, एसएसके समाज अध्यक्ष नागरी लक्ष्मी नारायण, महासचिव कटिघर शंकर राव, टीआरएस वरिष्ठ नेता एच. कुमार आदि ने भाग लिया।

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के आयोजन के संदर्भ में हुई सभा

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामी जी के पर्यवेक्षण में श्री जगन्नाथ मठ में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ 108 कुंडीय आयोजन के संदर्भ में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समाज सेवी धनराज महेंद्र सिंगनोडिय, समाज सेवी परमानंद बंसल, लव फॉर काऊ के चेयरमेंन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, आल इंडिया ओल्ड टेंपल रेनोवेशं ट्रस्ट के चेयरमैन आरके जैन, वेणु गोपाल खंडेलवाल भरत कलंत्री एवं चक्रवर्ती दिव्या रमना, अर्जुन लाल अग्रवाल, डॉक्टर आलोक शुक्ला, गुजराती ब्रमं समाज के अध्यक्ष तरुण मेहता आदि ने भाग लिया।

अजय स्वामी ने कहा की श्री जगन्नाथ भगवान की असीम अनुकंपा से श्री श्री श्री श्रीमन नारायण चिन्ना रामानुज जीयर स्वामी जी के मंगला अनुशासन से श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ 108 कुंडीय का आयोजन श्री भाग्यनगर की धरा पर तीसरी बार भारत में पांचवी बार किया जा रहा है। यज्ञ का संचालन एवं प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामी जी के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक में किया जाएगा। स्वामी ने कहा की श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का यह कार्यक्रम आने वाले अधिक मास 20 जुलाई से 28 जुलाई 2023 तक चलेगा।

भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद क्षेत्र 104 द्वारा दशहरा मिलन का आयोजन तीमापुर शमशाबाद के समीप कोडंडा राम मंदिर (400 वर्ष पुराना मंदिर) के लिए एक अद्भुत क्षेत्र यात्रा कान्हा शांति वनम (विश्व का सबसे बड़ा ध्यान कक्ष) और स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी (दुनिया की दूसरा सबसे बड़ी सिटिंग स्टैच्यू) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्व प्रथम समाज भूषण सुरेशचन्द्र पाटिल, श्री मोहन राव देवतराज (अध्यक्ष) श्रीमती अश्विनी पतंग (मंत्राणी), मोहन राव बगाड़े, डॉ. प्रशान्त नीमकर, राकेश कुमार गित्ते, प्रवीण पतंगे, शंकर आसुतकर, श्रीमती वसंता बगाड़े, श्रीमती शीतल नीमकर, लक्ष्मी गित्ते, हेमारानी परणकर एवं अन्य भावसर सदस्य उपस्थित रहे।

आरटीओ अधिकारियों पर अवैध वसूली करने का आरोप

मदनूर, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीयक लोगों ने सलबतपुर आरटीओ अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए बताया कि मदनूर मंडल सलबतपुर गांव के समीप 161 राष्ट्रीय महामार्ग तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर तेलंगाना सरकार द्वारा राष्ट्रीय माल वहानों की जांच-पड़ताल करने के लिय आरटीओ चेक पोस्ट स्थापित की गई है, लेकिन चेक पोस्ट कार्यालय के वहान निरीक्षण करने वाले अधिकारियों ने वहानों की जांच पड़ताल किए बिना नाम मात्र चेकिंग के नाम पर हर रोज निजी व्यक्ति की सहयता से तेलंगाना सीमा से आने जाने वाले सैकडों वाहान चालक के पास से कम से कम 500 रूपये लेकर 1000 तक रूपये अवैध वसूल कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि सलबतपुर आरटीओ चेक पोस्ट पर 5 वर्ष से आंटी करप्शन अधिकारियों द्वारा कानूनी कार्यवाही नहीं किए जाने से इस प्रकार की अवैध कार्रवाई जारी है।

जामबाग डिवीजन की कुछ बस्ती में जारी जनसमस्याओं के बारे में स्थानीय निवासियों के साथ वाटर वर्क्स प्रबंधक शेखर के साथ विचार-विमर्श करते हुए स्थानीय ननेता आनद कुमार गौड़। इस दौरान ब्रिज भवन लाइन,तुरुप बाजार, हनुमान टेकड़ी और आबिड्स में जारी समस्याओं की जानकारी दी गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

सारे केस फर्जी, ...

मुझसे कहा गया कि आप छोड़ो। बाकी मामले जारी रहेंगे. आपको सीएम की कुर्सी मिल सकती है। मैंने प्रस्ताव से इनकार कर दिया. मैंने कहा कि जब रिक्शा चलाने वाले बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलती है तो मुझे खुशी मिलती है. ये पूरा केस फर्जी है. मैं 'ऑपरेशन लोटस' के दवाब में नहीं आऊंगा। सूत्रों का कहना है कि सीबीआई ने कई पहलुओं पर मनीष सिसोदिया से पूछताछ की है. अब जांच सिसोदिया के जवाबों का एनालिसिस करेगी, उसके बाद आगे निर्णय लेगी। फिलहाल, सिसोदिया को कोई नया समन जारी नहीं किया गया है, लेकिन यदि जरूरी हुआ तो फिर से बुला जा सकता है. कहा जा रहा है कि सिसोदिया से अभी भी कई सवाल पूछे जाने बाकी हैं।

आरबीआई व सीबीआई ...

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो और भारतीय रिजर्व बैंक को नोटिस जारी कर स्वामी की याचिका पर उनसे जवाब मांगा है। पीठ ने कहा, 'हम विचार करेंगे। नोटिस जारी करें।'

स्वामी ने याचिका में कहा, "ये घोटाले आरबीआई के अधिकारियों की सक्रिय मिलीभगत के कारण हुए हैं, जो विभिन्न कानूनों के तहत पर्याप्त शक्तियों के साथ इन घोटालों को रोकने में विफल रहे हैं।" वरिष्ठ भाजपा नेता ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि किंगफिशर, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और यस बैंक जैसी विभिन्न संस्थाओं से जुड़े घोटालों में आरबीआई के अधिकारियों की संलिप्तता की जांच नहीं की गई थी। यह भी आरोप लगाया गया है कि आरबीआई के अधिकारियों ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, बैंकिंग विनियमन अधिनियम और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम सहित कानूनों के प्रत्यक्ष उल्लंघन में प्रत्यक्ष सक्रिय मिलीभगत से काम किया।

पहले वार्मअप मैच में जीता भारत

केएल राहुल ने 57 रन की धमाकेदार पारी खेली, शमी भी चमके

ब्रिस्बेन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के पहले वार्मअप मैच में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 6 रन से हरा दिया। आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 11 रन चाहिए थे, लेकिन मोहम्मद शमी ने 3 विकेट लेकर भारत को जीत दिला दी। उन्होंने एक रनआउट भी किया। उन्हें एक ओवर करने के लिए डगआउट से बुलाया गया था।

मैच में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एरोन फिंच ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया था। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 186 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से सबसे ज्यादा रन केएल राहुल ने बनाए। उन्होंने 33 बॉल में 57 रन की पारी खेली। वहीं, सूर्यकुमार यादव ने 33 बॉल में 51 रन की पारी खेली। उनका स्ट्राइक रेट 151.51 का रहा। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा 4 विकेट केन रिचर्डसन ने लिए।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का प्रदर्शन

पहले वार्मअप गेम में डेविड वार्नर प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। उनकी जगह मिचेल मार्श बल्लेबाजी करने आए।

मार्श ने 18 बॉल में 35 रन बनाए। उन्होंने 195 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

स्टीव स्मिथ (11) को यजुवेंद्र चहल ने चलता कर दिया। चहल की बॉल स्मिथ को चकमा देकर स्टंप पर लगी।

अनऑफिशियल प्रैक्टिस मैच में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद टीम इंडिया वॉर्मअप मैच में अपनी बेस्ट टीम के साथ उतरी। मोहम्मद शमी आज का मुकाबला नहीं खेल रहे थे, लेकिन रोहित शर्मा ने उन्हें आखिरी ओवर में गेंदबाजी करने के लिए बुलाया। अभ्यास मैच में आप 15 सदस्यीय टीम के किसी खिलाड़ी को उतार सकते हैं।

भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन

पहले वार्मअप मैच में केएल राहुल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 33 बॉल में 57 रन की पारी खेली। उनका स्ट्राइक रेट 172.72 का था।

रोहित शर्मा 14 बॉल में 15 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 107 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

विराट कोहली के लिए वार्मअप मैच कुछ खास नहीं रहा। वह 13 बॉल में 19 रन बनाकर आउट हुए। उनका स्ट्राइक रेट 146.15 का रहा।

हार्दिक पंड्या 5 बॉल में 2 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 40 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

दिनेश कार्तिक 14 बॉल में 20 रन बनाकर आउट हुए। उनका स्ट्राइक रेट 142.85 का रहा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीम

भारतः रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, दिनेश कार्तिक, अक्षर पटेल, आर.अश्विन, हर्षल पटेल, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी।

ऑस्ट्रेलियाः एरोन फिंच, स्टीव स्मिथ, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, जोश इंग्लिश, एश्टन एगर, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, केन रिचर्डसन।

टी-20 वर्ल्ड कप में कुछ भी संभव

नामीबिया की जीत सबूत, एक साल से ऐसा ही ट्रेंड

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप शुरू हो चुका है और पहले ही मैच में इसने अपनी शुरुआत की ऐसी घोषणा की है कि पूरा क्रिकेटिंग वर्ल्ड स्तब्ध रह गया। क्वालिफाइंग राउंड के मुकाबले में नामीबिया ने श्रीलंका को हरा दिया। एक एसोसिएट देश की टीम ने उस टेस्ट प्लेइंग कंट्री को हरा दिया, जिसके नाम एक वनडे वर्ल्ड कप और एक टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब है।

नतीजा चौंकाने वाला जरूर है लेकिन यह उस खास ट्रेंड की अगली कड़ी भर है, जो पिछले एक साल से चल रहा है। ट्रेंड यह है कि इस फॉर्मेट में कौन सी टीम किस दिन किसको हरा दे कहा नहीं जा सकता है। श्रीलंका ने खुद पिछले ही महीने भारत और पाकिस्तान की टीमों को चौंकाते हुए एशिया कप जीत लिया था। उसी एशिया कप में जिसमें उसे अफगानिस्तान से हार झेलनी पड़ी थी।

दिग्गज क्रिकेटर गौतम गंभीर ने भी यह माना है। एक TV शो में गंभीर ने कहा- 'ये अब तक का सबसे ओपन वर्ल्ड कप है। कोई भी टीम किसी भी टीम को हरा सकती है। नामीबिया ने श्रीलंका को पहले मैच में हराकर यह करके दिखाया है।'

कुल मिलाकर सीन ऐसा है कि यह ऐसा वर्ल्ड कप होने जा रहा है जिसमें खूब उलटफेर होंगे और कोई अभी से किसी खास टीम के चैंपियन बन सकने का दावा नहीं कर सकता। यह अब तक का सबसे ओपन वर्ल्ड कप होने जा रहा है। दुनिया की टॉप-8 टीमों के हालिया प्रदर्शन भी यही कहानी बयां करते हैं।

भारतीय टीम पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। भारत को किसी भी वर्ल्ड कप में पहली बार पाकिस्तान के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले भारत खिताब का दावेदार बताया जा रहा था। उस वर्ल्ड कप के बाद से भारत ने अब तक 35 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इसमें टीम इंडिया को 26 में जीत और 8 में हार मिली है। एक मैच बेनतीजा रहा है। इन स्टैट्स के आधार पर आप कह सकते हैं कि भारतीय टीम बेहतरीन लय में है। हालांकि, यह हकीकत नहीं है।

भारत ने इस दौरान मैच जरूर ज्यादा जीते, लेकिन टीम अजेय की तरह नहीं खेली। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबलों को छोड़कर भारत को लगभग हर सीरीज में मुश्किलें पेश आईं। साउथ अफ्रीका ने जून में हुई सीरीज में टीम इंडिया को 2-2 की बराबरी पर रोक लिया था। इसके बाद इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भी भारत को तीन में से 1-1 मैच में हार झेलनी पड़ी।

टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप से पहले अपनी आखिरी सीरीज साउथ अफ्रीका से खेली। इसमें हमने दो मैच जीतकर ट्रॉफी भले ही अपने नाम कर ली, लेकिन एक मैच में साउथ अफ्रीका ने हमारी टीम को हरा दिया। इससे पहले भारत ने एशिया कप में भी हिस्सा लिया। हमारी टीम फाइनल में भी नहीं पहुंच सकी।

टी20 वर्ल्ड कप 2022

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को किया चित, दूसरे दिन भी फेवरिट टीमें रहीं फ्लॉप

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के राउंड 1 के दूसरे दिन पहले मैच में जहां दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को स्कॉटलैंड ने चारों खाने चित किया। वहीं दूसरे मैच में मजबूत मानी जाने वाली आयरलैंड की टीम जिम्बाब्वे से हार गई। जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को 31 रनों से इस मैच में हराया। बल्लेबाजी में जिम्बाब्वे के लिए आज हीरो रहे सिकंदर रजा जिन्होंने 82 रनों की पारी खेली। इसके बाद गेंदबाजी में मुजरबानी, नगारावा और चटारा ने शानदार प्रदर्शन किया।

इस मैच में टॉस हारकर पहले खेलने उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 174 रन बनाए थे। स्टार बल्लेबाज सिकंदर रजा ने टीम को शुरुआती झटकों से उबारा था और आखिरी गेंद तक टिके रहते हुए 48 गेंदों पर 82 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 5 छक्के लगाए थे। इसके बाद शानदार गेंदबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे की टीम ने आयरलैंड को महज 143 रनों पर रोका।

जिम्बाब्वे की तिकड़ी का दिखा जलवा

जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने पहले ओवर से ही आयरलैंड को बैकफुट पर ढकेल दिया था। स्टार खिलाड़ी पॉल स्टर्लिंग खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद देखते ही देखते 22 रन पर लॉर्कन टकर, हैरी टैक्टर और कप्तान एड्रयू बालबर्नी पवेलियन लौट गए। ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारावा ने शुरुआती दो विकेट लेकर आयरलैंड की कमर तोड़ दी। इसके बादा टेंडई चटारा ने एक ही ओवर में दो विकेट निकाल दिए। बल्लेबाजी में कमाल करने वाले सिकंदर रजा ने एक विकेट भी झटका। सीन विलियम्स को भी एक सफलता मिली। मुजरबानी 23 रन देकर तीन विकेट लेकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे।

श्रीलंका और वेस्टइंडीज हुए उलटफेर का शिकार

पहले दिन जहां नामीबिया ने श्रीलंका को 55 रनों से करारी शिकस्त दी थी। वहीं दूसरे दिन सोमवार को स्कॉटलैंड ने दो बार की टी20 चैंपियन वेस्टइंडीज को 42 रनों से हरा दिया। यह दोनों ही टीमें अब अपना पहला मुकाबला हारकर दिक्कतों में पड़ गई हैं। आपको बता दें कि इस राउंड में दोनों ग्रुप ए और बी में चार-चार टीमें हैं। इनमें से दोनों ग्रुप की टॉप 2 टीमें ही सुपर 12 में जगह बना पाएंगी। प्रत्येक टीम 3-3 मैच खेलेगी और इसमें से 2 मैच जीतना अनिवार्य होगा।

अब 2 बार की चैंपियन वेस्टइंडीज भी हारी

स्कॉटलैंड ने हराया, वर्ल्ड कप में 2 दिन में दूसरा बड़ा उलटफेर

होबार्ट, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरे दिन बड़ा उलटफेर हुआ। दो बार इस टूर्नामेंट को जीत चुकी वेस्टइंडीज क्वालिफाइंग राउंड का पहला मैच हार गई। उसे हराया स्कॉटलैंड ने। स्कॉटलैंड ने 161 का टारगेट दिया था और वेस्टइंडीज की टीम 118 रन पर ऑलआउट हो गई। उसके सात बैटर्स दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

स्कॉटलैंड के स्लो लेफ्ट आर्म बॉलर मार्क वाट ने 3 विकेट झटके। टीम की ओर से सबसे बड़ी पारी जॉर्ज मुंसी ने खेली। उन्होंने 66 रन बनाए। टूर्नामेंट के पहले दिन भी उलटफेर हुआ था, जब नामीबिया ने श्रीलंका की टीम को क्वालिफाइंग मैच में हरा दिया।

स्कॉटलैंड के 2 गेम चेंजर

पहलाः मुन्से : 66 रन की पारी खेली

ओपनर जार्ज मुन्से ने अपना आठवां अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 53 गेंदों में 124.52 के स्ट्राइक रेट से 66 रन बनाए। उन्होंने नौ चौके जमाए। क्रिस ग्रीव्स 16 रन पर नाबाद लौटे। इन दोनों के अलावा मैकलियोड ने 23 और जोन्स ने 20 रन बनाए। स्मिथ के खाते में एक विकेट आया।

दूसराः मार्क वॉट : 3 विकेट चटकाए

स्लो मीडियम फास्ट मार्क वॉट ने सटीक गेंदबाजी की। उन्होंने अपने खाते के 4 ओवर में 12 रन खर्च करके वेस्टइंडीज के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाया। वाट ने किंग, जोसेफ और स्मिथ के विकेट झटके।

इस तरह बिखर गई वेस्टइंडीज की पूरी टीम...

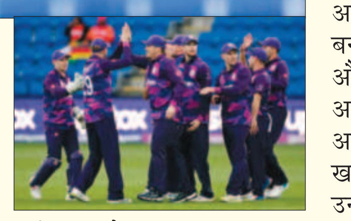

161 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही वेस्टइंडीज के इविंग लुईस और ब्रैंडन किंग्स के बीच 33 रन की साझेदारी हुई। ये टीम की बल्लेबाजी में सबसे बड़ी पारी रही। उसके बाद शुरू हुआ पतझड़ का दौर...

पहला विकेटः 20 रन पर, काइल मेयर्स : ओपनर काइल मेयर्स (20) को मीडियम पेसर जोश डेवी आउट किया। उन्होंने स्कॉटलैंड को पहली सफलता दिलाई।

दूसरा विकेटः 53 रन पर, इविंन लुईस : ये 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ब्रैड व्हील ने जोन्स के हाथ डीप स्क्वेयर लेग में कैच कराया।

तीसरा विकेटः 58 रन पर, ब्रैंडन किंग : इन्हें वाट ने क्लीन बोल्ड कर दिया। किंग ने 15 गेंद पर 17 रन बनाए।

चौथ विकेटः 62 रन पर, निकोलस पूरन : पूरन को 4 रन के निजी स्कोर पर लिएस्क ने क्लीन बोल्ड कर दिया। यहां स्कोर 62/4 हो गया।

पांचवां विकेटः 69 रन पर, रोमन पॉवेल : पॉवल (5) को लिएस्क ने मैकलियोड के साथ कैच कराया।

छठवां विकेटः 77 रन पर, शमराह ब्रूक्सः ब्रूक्स (4) को ब्रैड व्हील ने लिएस्क के हाथों कैच कराया।

सातवां विकेटः 79 रन पर, अकील हुसैन : हुसैन एक रन बनाकर आउट हुए। उन्हें क्रॉस और लिएस्ट ने रन आउट किया।

आठवां विकेटः 79 रन पर, अल्जारी जोसेफ : जोसेफ बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। उन्हें वाट ने क्रॉस के हाथों कैच कराया।

नौवां विकेटः 102 रन पर, ओडिन स्मिथ : 5 के निजी स्कोर पर स्मिथ ने वाट की बॉल पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, लेकिन लॉन्ग ऑन में ग्रेविस के हाथ में कैच दे बैठे।

दसवां विकेटः 118 रन पर, जेसन होल्डर : होल्डर (38) आखिरी तक खड़े रहे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। ओबेड मैकॉय 2 रन के निजी स्कोर के साथ नाबाद लौटे।

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान

बेन स्टोक्स, सैम करन, हैरी ब्रुक के तूफान में उड़ा पाकिस्तान, शाहीन अफरीदी और वसीम को छोड़ सभी की हुई कुटाई

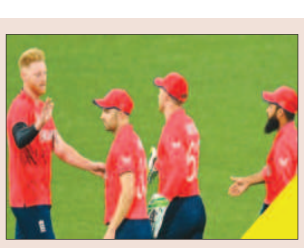

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 में अपने पहले अभ्यास मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से करारी मात दी। जोस बटलर की अगुआई वाली इंग्लैंड ने ने जीत के लिए मिले 161 रन के लक्ष्य को 14.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। उसकी इस जीत में बेन स्टोक्स, सैम करन, हैरी ब्रुक, लियाम लिविंगस्टोन ने अहम भूमिका निभाई।

इन चारों ने शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद वसीम जूनियर को छोड़कर पाकिस्तान के सभी गेंदबाजों की जमकर बखिया उधेड़ी। मोहम्मद वसीम जूनियर ने 2.4 ओवर में सिर्फ 16 रन दिए और 2 विकेट भी चटकाए। शाहीन अफरीदी ने 2 ओवर में सिर्फ 7 रन दिए। हालांकि, वह कोई विकेट लेने में सफल नहीं हुए। इस मैच में पाकिस्तान की कमान शादाब खान ने संभाली।

ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीता और गेंदबाजी का फैसला किया। पाकिस्तान की पारी के 12 ओवर हुए थे कि बारिश आ गई। इसके बाद जब दोबारा खेल शुरू हुआ तो मैच 19-19 ओवर का कर दिया गया। पाकिस्तान ने 19 ओवर में 8 विकेट पर 160 रन बनाए। इंग्लैंड ने 14.4 ओवर में 163 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

इंग्लैंड की ओर से बेन स्टोक्स ने 2 चौके और 3 छक्के की मदद से 18 गेंद में 36 रन बनाए। लियाम लिविंगस्टोन 16 गेंद में 28 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने एक चौका और 2 छक्के लगाए। हैरी ब्रुक 24 गेंद में 45 और सैम करन 14 गेंद में 33 रन बनाकर नाबाद रहे। ब्रुक ने 2 चौके और 4 छक्के, जबकि सैम करन ने 2 चौके और 3 छक्के लगाए।

पाकिस्तान के नसीम शाह ने 3 ओवर में 31, मोहम्मद हसनैन ने 3 ओवर में 36, शादाब खान ने 2 ओवर में 30 और मोहम्मद नवाज ने 2 ओवर में 37 रन दिए। नसीम शाह और शादाब खान एक-एक विकेट लेने में भी सफल रहे।

इससे पहले पाकिस्तान की ओर से शान मसूद ने 39, हैदर अली ने 18, शादाब खान ने 14, इफ्तिखार अहमद ने 22, आसिफ अली ने 14, नवाज ने 10 और मोहम्मद वसीम जूनियर ने 26 रन बनाए। इंग्लैंड के डेविड विली ने 2 विकेट लिए, जबकि बेन स्टोक्स, सैम करन, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन ने एक-एक विकेट चटकाए।

16 साल के ग्रैंड मास्टर डी गुकेश ने दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया, रचा इतिहास

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के 16 वर्ष के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने एमचेस आनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। वह विश्व चैंपियन को हराने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। चेन्नई के डी गुकेश ने सफेद मोहरों से खेलते हुए 29 चालों में जीत हासिल की।

अब वह 12 दौर के बाद पोलैंड के जान क्रिस्टोफ डुडा (25 अंक) और अजरबैजान के शखरियार मामेदियारोव (23 अंक) के बाद तीसरे स्थान पर हैं। गुकेश के 21 अंक हैं। इससे एक दिन पहले भारत के 19 वर्ष के अर्जुन एरिगेसी ने कार्लसन को हराया था। एरिगेसी के भी 21 अंक हैं। वह चौथे स्थान पर हैं।

विदित गुजराती 10वें स्थान पर हैं और नाकआउट की दौड़ से बाहर हो चुके हैं। आदित्य मित्तल 12वें स्थान पर हैं जिन्होंने 12वें दौर में एरिगेसी को हराया, लेकिन पिछले 3 मुकाबले हार गए थे। पी हरिकृष्णा 15वें स्थान पर हैं। उन्होंने एकमात्र मुकाबला ही जीता है।

मेल्टवाटर चैंपियंस शतरंज टूर ने ट्वीट किया, 'गुकेश विश्व चैंपियन कार्लसन को हराने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। शाबाश।' एमचेस टूर्नामेंट मेल्टवाटर चैंपियंस शतरंज टूर का हिस्सा है। गुकेश की उम्र 16 वर्ष 4 महीने और 20 दिन है।

पिछला रिकॉर्ड आर प्रज्ञानानंदा के नाम था। प्रज्ञानानंदा ने फरवरी 2022 में एयरथिंग्स मास्टर्स में कार्लसन को जब हराया था तब उनकी उम्र 16 वर्ष, छह महीने और 10 दिन थी। यादगार जीत के बाद गुकेश के हवाले से कहा गया, 'मैग्नस को हराना हमेशा विशेष होता है, लेकिन मुझे इस मैच पर काफी गर्व नहीं है।'

16 साल के गुकेश ने पीटीआई से कहा, 'एक पेशेवर के रूप में मैं जिस तरह खेला उससे खुश हूं। यह जीत निश्चित तौर पर मेरा मनोबल बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी और मैं आगामी मुकाबलों को लेकर उत्सुक हूं।' चेन्नई के इस खिलाड़ी ने इसे महत्वपूर्ण जीत करार दिया।

उन्होंने कहा कि कार्लसन के खिलाफ खेलना हमेशा रोमांचक चुनौती होती है और वह निकट भविष्य में भी उनसे भिड़ने को लेकर बेताब हैं। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण जीत है। कार्लसन के साथ खेलना हमेशा एक दिलचस्प चुनौती है और मैं निकट भविष्य में उसके साथ फिर से खेलने को लेकर उत्सुक हूं।'

स्टार्क की बाउंसर सूर्या के सिर पर लगी

घबराकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ने डॉक्टर को बुलाया

सिडनी, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड की शुरुआत हो चुकी है। टीम इंडिया सुपर-12 में 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। सोमवार को होस्ट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वॉर्मअप मैच में मिचेल स्टार्क की गेंद सूर्यकुमार के सिर पर लग गई। गनीमत यह रही की यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं थी। बाद में वह बल्लेबाजी करते हुए भी नजर आए।

दरअसल, भारतीय पारी की 19 वें ओवर की आखिरी गेंद मिचेल स्टार्क ने बाउंसर फेंकी। बल्लेबाजी कर रहे सूर्या को यह गेंद सिर पर लग गई। गेंद से उनके हेलमेट का किनारा भी टूट गया। वह तुरंत क्रीज छोड़कर हट गए और मैदान पर बैठ गए। यह देखकर स्टार्क घबरा गए। वह दौड़े और सूर्या के पास पहुंचे। उन्होंने सूर्या का हाल-चाल जाना और तुरंत डॉक्टर को बुलाया। मेडिकल टीम ने उनकी जांच की और 10 मिनट तक खेल रुका रहा। हालांकि, सूर्या ठीक हो गए और उन्होंने एक कमाल की पारी खेली।

सिर पर चोट लगने से बल्लेबाज की हो चुकी है मौत

हेलमेट के बावजूद सिर पर चोट लगने से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जो फिलिप की मौत हो चुकी है। उसके बाद कुछ गाइडलाइन भी जारी की गईं। दरअसल 2014 में 25 नवंबर को सिडनी में साउथ ऑस्ट्रेलिया और न्यू साउथ वेल्स के बीच खेले गए मैच के दौरान जो फिलिप को हेलमेट के पीछे सिर पर गेंद लग गई थी। वह वहीं पर गिर पड़े थे। दो दिन कोमा में रहने के बाद उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के व्यवहार में भी बदलाव आया। अब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी चोट लगने के बाद तुरंत जाकर बल्लेबाजों का हालचाल पूछते हैं।

पुलिस के हत्थे चढा एनआईए का फर्जी अधिकारी

नकली पिस्तौल, सेना की वर्दी और एनआईए का एक फर्जी आईडी कार्ड बरामद

हनमकोंडा, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय विश्वविद्यालय परिसर पुलिस ने सोमवार को एक 20 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के एक अधिकारी के रूप में खुद को पेश किया और लोगों से धन एकत्र किया। पुलिस ने कहा कि नलगोंडा में पेड्डा आदिसरलापल्ली मंडल के पोथिरेड्डीपल्ली गांव के नरला नरेश के खिलाफ केयूसी और जगतियाल पुलिस थानों में चार मामले दर्ज हैं। वारंगल के पुलिस आयुक्त तरुण जोशी ने यहां एक प्रेस नोट में कहा कि पुलिस ने नरेश को एक वाहन जांच के दौरान उस समय पकड़ा था जब वह संदिग्ध परिस्थितियों में मोटरसाइकिल पर घूम रहा था। सीपी ने कहा कि पुलिस को उसके पास से एक नकली पिस्तौल के अलावा सेना की वर्दी और एनआईए का एक फर्जी आईडी कार्ड मिला है।

पूछताछ के दौरान, नरेश ने कबूल किया कि उसने निर्दोष छात्रों को समझाने के लिए पिस्तौल और अन्य सामान खरीदे थे कि वह फरवरी में सेना के लिए काम कर रहा था। बाद में उसने मर्चेंट नेवी में नौकरी का झांसा देकर अपने गांव के पांच युवकों को ठग लिया। उसने उनमें से प्रत्येक से 5 लाख रुपये एकत्र किए और उन्हें महाराष्ट्र के सांगली में ले गया और प्रशिक्षण के लिए एक वैष्णवी करियर फाउंडेशन में नामांकित किया।

बाद में युवकों को पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है और उन पर पैसे वापस करने का दबाव बनाया। जोशी ने कहा कि उसके माता-पिता ने अपनी खेती का एक हिस्सा बेच दिया और उनमें से चार को पैसे लौटा दिए। इस बीच, नरेश ने पीएफआई पर एनआईए के छापे के बारे में पढ़ा और एनआईए अधिकारी के रूप में पेश होने का फैसला किया। उसने हनमकोंडा से दो छात्रों, नेलापटला राजेश और दावा विनय बाबू को भर्ती किया और कुछ लोगों को नकली पिस्तौल का इस्तेमाल करने की धमकी देते हुए कहा कि वह उन्हें पीएफआई के साथ उनके संबंधों के लिए गिरफ्तार करेगा। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने उनसे पैसे की मांग की। हालांकि, पीड़ितों ने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद केयूसी पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया और नरेश को गिरफ्तार कर लिया।

एमसीएचसी पर बच्चे की मौत, परिवार के सदस्यों ने किया विरोध प्रदर्शन

पेद्दापल्ली, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक शिशु के रिश्तेदारों ने रविवार रात मदर एंड चाइल्ड हेल्थ सेंटर, पेद्दापल्ली में विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि डॉक्टरों की लापरवाही के कारण बच्चे की मौत हुई है। पेद्दापल्ली मंडल के पैथम की मूल निवासी, एक गर्भवती महिला दिव्या ने 14 अक्टूबर को प्रसव पीड़ा होने पर एमसीएचसी का दरवाजा खटखटाया। डॉक्टरों ने उसे स्वीकार करते हुए कहा कि अगले दिन डिलीवरी होगी। हालांकि, अगले दिन, उन्होंने उसके रिश्तेदारों को यह कहते हुए करीमनगर अस्पताल ले जाने के लिए कहा कि स्त्री रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं है। दिव्या ने शनिवार रात करीमनगर अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया। दुर्भाग्य से रविवार को बच्चे की मौत हो गई। इससे नाराज परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने बच्चे के शव के साथ रविवार रात को विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि बच्चे की मौत लापरवाही के कारण हुई है। पुलिस द्वारा विस्तृत जांच कर घटना के लिए जिम्मेदार अस्पताल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का वादा करने के बाद विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया गया।

धान की खेती करने वाले किसानों के शोषण को कम करने की पहल

सिर्फ खरीफ सीजन में खेती करने वालों से की जाएगी धान की खरीदी

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पड़ोसी राज्यों के व्यापारियों और किसानों द्वारा किये जा रहे शोषण को कम करने के लिए राज्य सरकार एक नया तंत्र लेकर आई है, जहां धान की खरीदी केवल उन किसानों से की जाएगी, जिन्होंने वर्तमान वनकलम (खरीफ) सीजन के दौरान इसकी खेती की है। अधिकारियों ने पहले ही राज्य में सर्वेक्षण संख्या के अनुसार फसल की जानकारी एकत्र कर ली है और तदनुसार, किसानों से धान की खरीद की जाएगी। इस वनकलम सीजन के दौरान तेलंगाना में लगभग 65 लाख एकड़ में धान की खेती की गई है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 1.41 करोड़ टन उत्पादन होने का अनुमान है, जबकि 41 लाख टन से अधिक या तो खुले बाजार में बेचे जाने या बीज उत्पादन के लिए इस्तेमाल होने की उम्मीद है, राज्य सरकार धान खरीद केंद्रों पर लगभग एक करोड़ टन धान की बिक्री की उम्मीद कर रही है।

नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी ने बताया कि कुछ व्यापारी भोले-भाले किसानों से कम कीमत पर धान खरीद रहे हैं और राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए खरीद केंद्रों पर उसी उपज को बेच रहे हैं। इसके अलावा, पड़ोसी राज्यों, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के कुछ व्यापारी और किसान, चेकपोस्टों पर कड़ी निगरानी के बावजूद राज्य में धान की तस्करी कर रहे हैं और अपनी उपज को मुनाफे के लिए बेच रहे हैं।

हालांकि ये शोषण मामूली पैमाने पर हो रहे हैं, लेकिन वे धान खरीद के समग्र अनुमानों पर प्रभाव दिखा रहे हैं। इस प्रकार, वास्तविक किसान राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए एमएसपी से लाभ प्राप्त करने में असमर्थ हैं। इसके बाद, नागरिक आपूर्ति विभाग ने कृषि विभाग के साथ हाथ मिलाया और फसल की खेती से संबंधित आंकड़े एकत्र किए। पहले के विपरीत जहां किसान-वार फसल की बुवाई की जानकारी प्राप्त की जाती है, कृषि विस्तार अधिकारियों (एईओ) ने क्लस्टर-वार (5,000 एकड़ प्रत्येक) अध्ययन किया और प्रत्येक सर्वेक्षण संख्या में फसलों की खेती की मात्रा के बारे में जानकारी एकत्र की। उसी डेटा को डिजिटल रूप दिया गया और नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ साझा किया गया।

वनकलम सीजन के दौरान, धान की औसत उपज लगभग 20-22 क्विंटल प्रति एकड़ होती है। तदनुसार, अधिकारी इसकी किस्म के अनुसार धान की उपज का मोटा अनुमान तैयार करेंगे। सर्वेक्षण संख्या के अनुसार, किसानों को उनकी उपज को खरीद केंद्रों पर लाने के लिए टोकन जारी किए जाएंगे। हमारे प्रारंभिक अनुमानों (मामूली बदलाव के साथ) के अनुसार किसानों से धान की खरीद की जाएगी, कृषि विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समझाया। ऐसे व्यक्तियों द्वारा लाए गए धान की खरीद से इनकार करने के अलावा, जिनके पास कृषि भूमि नहीं है या धान की खेती नहीं करते हैं, सरकार ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की योजना बना रही है।

साइबर जालसाजों से सतर्क रहने की आवश्यकता : सीपी

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी महेश एम भागवत ने साइबर क्राइम पीएस एलबी नगर में साइबर क्राइम अतिरिक्त विस्तार सुविधा का उद्घाटन किया है। यह नया विस्तार निरीक्षकों और कर्मचारियों की कार्य सुविधा के लिए महिला अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए एक विशेष "सुविधा कक्ष" के साथ स्थापित किया गया है। इस अवसर पर सीपी ने कहा कि साइबर क्राइम विंग को हर प्रकार की सहायता प्रदान की जा रही है और यह विस्तारित सुविधा उनमें से एक है। इसके अलावा सीपी ने नागरिकों/नेटिज़न्स को आने वाले साइबर अपराधों के बारे में और सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कई युवा और महिलाएं साइबर अपराधों का शिकार हो रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई को चंगुल में फंस कर खो रहे हैं। उन्होंने नागरिकों को आगाह किया कि वे गूगल व इंटरनेट से कोई भी "ऋण ऐप" डाउनलोड न करें। किसी भी उपहार को पाने या अन्य लालच में नहीं आना चाहिए। सीपी ने युवाओं को उनके द्वारा डिजाइन किए गए "साइबर योद्धा" प्रशिक्षण सत्रों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है ताकि वे चल रहे साइबर अपराधों के बारे में जागरूक हो सकें और अपने संबंधित समाजों में जागरूकता फैला सकें। साइबर योद्धा प्रशिक्षण सत्रों के 2 बैच राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट में साइबर स्वयंसेवकों के लिए आयोजित किए गए हैं।

सीएम केसीआर ने अपने वादे पूरे नहीं किए : डीके अरुणा

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने आज आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ टीआरएस नेता मतपेटी में हार के डर से उनकी पार्टी के उम्मीदवार कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा किए बिना लोगों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राजगोपाल रेड्डी ने केसीआर के परिवार को खत्म करने के लिए अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। रविवार को एक कार्यक्रम में अरुणा ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी अनैतिक राजनीति का सहारा ले रही है और मुनुगोडे निर्वाचन क्षेत्र को राजगोपाल रेड्डी के इस्तीफे से धन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधायक ने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए अपना पद छोड़ दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने राजगोपाल रेड्डी के इस्तीफे के साथ गट्टूपाल को एक मंडल के रूप में घोषित किया। अरुणा ने कहा कि सत्तारूढ़ दल के सभी नेता 3 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में हार के डर से मुनुगोड़े निर्वाचन क्षेत्र में उतर रहे हैं।

लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहे मोदी : कडियम

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश में लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहने पर केंद्र की भाजपा सरकार को आड़े हाथ लेते हुए पूर्व मंत्री और एमएलसी कडियम श्रीहरि ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश का कोई भी वर्ग खुश नहीं है। सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, श्रीहरि ने सांसद लिंगैया यादव, सरकारी सचेतक एमएस प्रभाकर राव, एमएलसी वीजी गंगाधर गौड़ और एमएलसी येगे मल्लेशम के साथ कहा कि नरेंद्र मोदी ने कार्यालय में आठ साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं, लेकिन एक भी क्षेत्र का विकास नहीं कर सके। कडियम ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी उपाय करने में विफल रहने के लिए प्रधान मंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया है।

2014 में जब मोदी ने प्रधान मंत्री का पद संभाला था, तब अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 58 था और अब यह 82 पर है। इसी तरह, 2014 में देश की विकास दर सात प्रतिशत थी, अब यह पांच प्रतिशत से नीचे फिसल गई है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 2014 में भारत का स्थान 55 था और यह 121 देशों में से 107 वें स्थान पर खिसक गया है। उन्होंने कहा कि खराब आर्थिक नीतियों के कारण मध्यम और निम्न आय वर्ग कमजोर जीवन जी रहे हैं और सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। सांसद लिंगैया यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पिछड़े वर्ग के लोगों को महत्व दे रहे हैं और इन समुदायों के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू कर रहे हैं।

ईडी ने खम्मम सांसद की 80.65 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची एक्सप्रेसवे लिमिटेड, मधुकॉन प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में खम्मम के सांसद नामा नागेश्वर राव और उनके परिवार के सदस्यों की 28 अचल संपत्ति और 80.65 करोड़ रुपये की अन्य संपत्तियां अस्थायी रूप से प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2022 के प्रावधानों के तहत कुर्क की है। नागेश्वर राव मधुकॉन समूह की कंपनियों के प्रमोटर और निदेशक हैं और कंपनी द्वारा बैंक ऋण में एक व्यक्तिगत गारंटर हैं। ईडी ने यहां जुबली हिल्स स्थित मधुकॉन समूह की कंपनियों के पंजीकृत कार्यालय और आवासीय संपत्ति को भी कुर्क किया है। ईडी ने हैदराबाद, खम्मम और प्रकाशम जिले में 67.08 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति और मधुकोन प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, मधुकॉन ग्रेनाइट्स लिमिटेड तथा अन्य में नामा नागेश्वर राव और उनके परिवार के सदस्यों की शेयरधारिता सहित 13.57 करोड़ रुपये की चल संपत्ति की पहचान की है। बीते जुलाई 2022 में, ईडी ने अस्थायी रूप से 105 अचल संपत्तियों और अन्य संपत्तियों को संलग्न किया था। जिसमें मधुकॉन प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और समूह की कंपनियों, नागेश्वर राव और कंपनी के अन्य प्रमोटरों और निदेशकों की संपत्तियां शामिल थीं और प्रमोटरों, उप-ठेकेदारों, बैंकरों, इंजीनियरों, फोरेंसिक ऑडिटर्स आदि के कई बयान दर्ज करने के बाद कार्रवाई की गई थी। ईडी ने कहा कि उसकी जांच से पता चला है कि 'मधुकॉन समूह के प्रमोटरों ने अपने एसपीवी से पूरा ईपीसी अनुबंध ले कर इस परियोजना के ऋण फंड को ले लिया और सही इस्तेमाल नहीं किया गया।

तेलंगाना कार्यकर्ता बंडारू अनुराधा का निधन

खम्मम, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पहले चरण के पृथक तेलंगाना कार्यकर्ता, खम्मम के बंडारू अनुराधा का सोमवार को हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 62 वर्ष की थीं। वह काफी समय से बीमार थीं और शहर के निजामपेट में रहती थीं।

अनुराधा ने 1969 में एक अन्य प्रसिद्ध राज्य कार्यकर्ता अन्नाबतुला रवींद्रनाथ के साथ नौ साल की उम्र में मुल्की आंदोलन के हिस्से के रूप में भूख हड़ताल में भाग लिया।

राज्य सरकार ने राज्य के लिए उनकी लड़ाई को मान्यता देते हुए तेलंगाना राज्य आंदोलन पर एक पाठ्यपुस्तक में उनके बारे में एक अंश शामिल किया। अनुराधा के निधन पर कई नेताओं ने शोक जताया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ब्रिटिश उप उच्चायुक्त ने महिला आयोग की अध्यक्ष सुनीता लक्ष्मारेड्डी से मुलाकात की

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ विन ओवेन ने सोमवार को महिला आयोग के कार्यालय में तेलंगाना राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष वकिति सुनीता लक्ष्मारेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष वाकिति सुनीता लक्ष्मारेड्डी ने गैरेथ विन ओवेन को बधाई दी। इस अवसर पर ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ विन ओवेन ने अध्यक्ष से राज्य में तेलंगाना राज्य महिला आयोग की गतिविधियों के बारे में पूछा। अध्यक्ष वाकिति सुनीता लक्ष्मारेड्डी ने कहा कि प्रदेश में जिलावार महिला आयोग लैंगिक भेदभाव, साइबर अपराध, कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, घरेलू हिंसा विरोधी अधिनियम और अन्य महिला कानूनों पर काम कर रहा है।

ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ विन ओवेन को महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा, महिलाओं की उन्नति और महिला कानूनों के बारे में जागरूकता के साथ-साथ तेलंगाना राज्य महिला आयोग द्वारा चलाए जा रहे कई कार्यक्रमों और मानव तस्करी और परामर्श पर तेलंगाना महिला आयोग के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। तेलंगाना राज्य महिला आयोग ने महिला आयोग को व्हाट्सएप हेल्प लाइन 9490555533 और फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की जानकारी दी। तेलंगाना सरकार ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी टीमों, भरोसा केंद्रों और सखी केंद्रों की स्थापना की है और उनके प्रदर्शन को समझाया है। अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर ने महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। साथ ही अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। महिलाओं के लिए तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विशेष योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

चेयरपर्सन ने कहा कि कल्याणलक्ष्मी और शादी मुबारक के माध्यम से लड़कियों की शादी के लिए आर्थिक मजबूती प्रदान की जाती है, आरोग्य लक्ष्मी और केसीआर किट के माध्यम से माताओं और शिशुओं को स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, महिलाओं को हर चीज में बड़ा होना चाहिए और वे मदद प्रदान कर रही हैं। कार्यक्रम में सचिव कृष्ण कुमारी, महिला बाल कल्याण विभाग, संयुक्त निदेशक सुनंदा, सीडीपीओ श्वेता कर्णम और महिला आयोग के अधिकारियों ने भाग लिया।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए मतदान शांतिपूर्ण संपन्न, कल परिणाम

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन के रिटर्निंग ऑफिसर राजमोहन उन्नीथन, सांसद ने आज कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान टीपीसीसी नेताओं के पूर्ण समर्थन और पक्की व्यवस्था के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान सुबह 10 बजे शुरू हुआ और शाम 4 बजे समाप्त हुआ। राज्य में कुल 238 पीसीसी प्रतिनिधियों और एआईसीसी के तीन सदस्यों ने वोट डाला। कुल 241 मतदाताओं में से 226 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बिना किसी शिकायत के शांतिपूर्ण ढंग से मतदान हुआ। खड़गे की ओर से मल्लू रवि और शब्बीर अली और शशि थरूर की ओर से श्रीकांत और संतोष ने पोलिंग एजेंट के तौर पर काम किया। मतपेटियां मंगलवार को चुनाव आयोग को भेजी जाएंगी और 19 अक्टूबर को मतदान के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

सिद्दीपेट में छह माह तक टीबी मरीजों को पोषण किट देंगे हरीश राव

सिद्दीपेट, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तपेदिक के रोगियों को जल्दी ठीक होने में मदद करने के लिए, वित्त और स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने सिद्दीपेट विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक टीबी रोगी को अपने खर्च पर छह महीने के लिए पोषण किट देने का फैसला किया है।

चूंकि अब तक निर्वाचन क्षेत्र में टीबी के 265 रोगियों की पहचान की गई है, इसलिए स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को 30 अंडे, एक किलोग्राम दाल, तीन किलो चावल और 300 ग्राम गाय के घी से किट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा किट का नाम मंत्री के नाम पर टीएचआर (थन्नीरू हरीश राव) पोषण किट रखा गया है। प्रत्येक मरीज को कम से कम छह महीने तक किट वितरित की जाएगी।

चूंकि अधिकांश टीबी रोगी गरीब वित्तीय पृष्ठभूमि से हैं और उनमें स्वस्थ भोजन लेने के महत्व के बारे में जागरूकता की कमी है, मंत्री ने कहा कि वह पोषण किट की आपूर्ति करना चाहते हैं ताकि वे बीमारी से जल्दी ठीक हो सकें। चूंकि मरीज इस अवधि के दौरान काम पर नहीं जा सकते हैं, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह उनके संज्ञान में आया है कि वे पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते जो वास्तव में उन्हें जल्द ठीक होने में मदद करता है। राव ने कहा कि समर्थन से मरीजों का मनोबल बढ़ेगा। जिला स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सिद्दीपेट जिले में टीबी के 902 मरीज हैं। टीबी रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों ने मंत्री को उनकी चिंता के लिए धन्यवाद दिया है।

पत्नी और दो बच्चों की हत्या कर लगाई फांसी

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानवता को झकझोर देने वाला एक दुखद हादसा सामने आया है। इस घटना में एक परिवार के चार लोगों की जान चली गई। सोमवार को चंदानगर में एक कथित आत्महत्या-हत्या के मामले में दो बच्चों सहित चार के एक परिवार की मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि दंपत्ति नागराजू और सुजाता ने पारिवारिक और वित्तीय समस्याओं के कारण पहले उनके दो बच्चों रम्या और टिल्लू की हत्या की और बाद में पापीरेड्डी कॉलोनी में राजीव गृहकल्पा स्थित अपने घर में अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। चंदानगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.